THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 319 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.11 2080 मंगलवार, 6 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

परिवारवाद का खामियाजा कांग्रेस ने भुगता : मोदी

एक प्रोडक्ट लॉन्च करने के चक्कर में दुकान पर ताला लगने की नौबत आ गई

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद देने पहुंचे। 100 मिनट की स्पीच में पीएम ने कांग्रेस, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, रोजगार, महंगाई, राम मंदिर, पर्यटन, महिला, किसान, युवा, विपक्षी गठबंधन और 10 साल के यूपीए बनाम एनडीए सरकार के काम-काज पर बात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान सबसे ज्यादा 85 बार देश, 43 बार कांग्रेस, 31 बार भारत, 19 बार विपक्ष, 14 बार महंगाई, 9 बार परिवारवाद, 8 बार किसान-युवा, 7 बार भ्रष्टाचार, 7 बार नेहरू, 5 बार बेटियों और 2 बार इंदिरा गांधी का नाम लिया।

पीएम ने कहा, एक ही प्रोडक्ट को कई बार लॉन्च करने के चक्कर में कांग्रेस की दुकान पर ताला लगने की नौबत आ गई हैं। देश के साथ-साथ कांग्रेस ने भी परिवारवाद का खामियाजा भुगत रही है। ये विपक्ष कई दशक तक सत्ता में बैठा था, वैसे ही इस विपक्ष ने कई दशक तक विपक्ष

में बैठने का संकल्प लिया है। जनता के आशीर्वाद से ये अगले चुनाव में दर्शक दीर्घा में दिखेंगे। मोदी ने 2024 लोकसभा चुनाव के रिजल्ट पर कहा, देश का माहौल बता रहा है कि अबकी बार 400 पार। अकेले भाजपा 370 सीटें जीतेगी। ये बात देश ही नहीं खड़गे जी भी बोल रहे हैं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर :

पीएम ने कहा, राष्ट्रपति का भाषण तथ्यों और हकीकत के आधार पर एक बहुत बड़ा दस्तावेज है। जो देश के सामने राष्ट्रपति जी लाती हैं। इस पूरे दस्तावेज को आप देखेंगे तो उस हकीकत को समेटने का प्रयास किया है, जिससे देश स्पीड से प्रगति कर रहा है। किस तेजी के साथ गतिविधियों का विस्तार हो रहा है, उसका लेखा-जोखा राष्ट्रपति जी ने दिया।

राष्ट्रपति ने चार मजबूत स्तंभों का उल्लेख किया है। नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब और किसान, मछुआरे और पशुपालक। इनके सशक्तीकरण से देश विकसित भारत बनेगा। बीच में अधीर रंजन चौधरी ने कहा, माइनॉरिटी कहां है? मोदी बोले- आपके यहां नारी, युवा, गरीब, किसान और मछुआरे शायद माइनॉरिटी नहीं होती क्या? कब तक देश को टुकड़ों में देखोगे।

विपक्ष और कांग्रेस के परिवारवाद पर :

पीएम बोले, आज विपक्ष की जो हालत है, इसकी दोषी कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस को एक अच्छा विपक्ष बनने का अवसर मिला। 10 साल में कई मौके मिले होंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। न खुद ऐसा किया, न दूसरे उत्साही युवा सांसदों को ऐसा करने दिया। यंग जनरेशन को इसलिए मौका नहीं दिया कि किसी और का चेहरा न दब जाए।

देश को एक अच्छे और स्वस्थ्य विपक्ष की बहुत जरूरत है। देश ने जितना परिवारवाद का खामियाजा उठाया है, उतना ही खामियाजा कांग्रेस ने भी उठाया है। हालत देखिए खड़गे जी इस सदन से उस सदन में शिफ्ट हो गए। गुलाम नबी जी पार्टी से ही शिफ्ट कर गए। ये सब एक ही प्रोडक्ट को लॉन्च करने के चक्कर में दुकान को ताला लगने की नौबत आ गई।

भाजपा नेताओं के पारिवारिक राजनीति पर :

प्रधानमंत्री ने कहा, अगर किसी परिवार ने अपने बलबूते पर तरक्की की है, तो हम उसका विरोध नहीं करते। हम उस परिवारवाद का विरोध करते हैं, जो परिवार पार्टी चलाता है। पार्टी के सारे फैसले परिवार लेता है। अमित शाह के परिवार की पार्टी नहीं है। राजनाथ सिंह के परिवार की भी कोई पार्टी नहीं है। देश के लोकतंत्र के लिए परिवारवाद की राजनीति चिंता का विषय है।

>14

चंपई फ्लोर टेस्ट में पास

पक्ष में 47, विरोध में 29 विधायक, भाजपा-झामुमो और निर्दलीय से एक-एक विधायक गैरहाजिर

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में चंपई सोरेन सरकार ने विश्वास मत जीत लिया। 5 फरवरी को करीब 2 बजे हुई वोटिंग में पक्ष में 47 तो विपक्ष में 29 वोट पड़े। भाजपा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का एक-एक विधायक और एक निर्दलीय गैरहाजिर रहे। वहीं निर्दलीय सरयू राय सदन में थे, लेकिन वोटिंग नहीं की। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने विश्वास मत का प्रस्ताव पेश किया था। स्पीकर ने इस पर चर्चा के लिए एक घंटे 10 मिनट का समय निर्धारित किया था।

23 मिनट तक बोले हेमंत, राज्यपाल को घेरा :

23 मिनट के भाषण में हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार और भाजपा को तीखे लहजे में जवाब दिया। कहा कि देश में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया। लगता है इसमें राजभवन शामिल है। वे एक भी पेपर दिखा दें कि मैंने साढ़े 8 एकड़ जमीन हड़पी है तो राजनीति से संन्यास क्या, मैं झारखंड छोड़कर चला जाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा कि इन लोगों को ये अच्छा नहीं लग रहा कि एक आदिवासी सीएम बीएमडब्ल्यू में कैसे चल रहा है। इनका बस चले तो ये हमें फिर से जंगल में भेज देंगे। हमारे पास बैठने से इनके कपड़े गंदे होते हैं। इसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि राज्यपाल ने जो अभिभाषण दिया, वो मुख्यमंत्री ऑफिस (सीएमओ) से लिखकर आया था, न कि प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) से। ये तो वहीं बात हुई, चोर मचाए शोर।

हेमंत सोरेन के साथ भेदभाव हुआ :

सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि बहुत कुछ करना है। हेमंत सोरेन की सरकार के काम को आगे बढ़ाना है। अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करना है। केंद्रीय एजेंसी की भी एक पारदर्शिता होनी चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए, जो हेमंत सोरेन के साथ हुआ। एजेंसी अगर एक दल के लिए काम करेगी तो ये चिंता का विषय है।

झारखंड के टेराकोटा मंदिर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर विचार, केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि झारखंड के गुमला जिले में एक टेराकोटा मंदिर वाले सांस्कृतिक स्थल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर विचार किया जा रहा है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में लिखित में इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 3,697 प्राचीन स्मारक और सांस्कृतिक स्थल हैं जो राष्ट्रीय महत्व के हैं और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन हैं। केंद्रीय मंत्री से ऐसे ही अन्य स्थलों को राष्ट्रीय स्मारक के तौर पर शामिल करने की योजना पर सवाल किया गया। उन्होंने जवाब दिया, झारखंड के गुमला जिले के डोइसा नगर में ईंटों के मंदिर टेराकोटा को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित करने के लिए पहचाना गया है। हालांकि, शाहपुर किला को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है।

मंत्री ने पिछले वर्षों में इन स्थलों के संरक्षण पर हुए खर्च का डेटा भी जारी किया। 2018-19 में 0.89 करोड़ रुपये का खर्च हुआ था। वहीं 2020-21 में 0.88 करोड़ रुपये का खर्च हुआ था। साल 2022 से 2034 में खर्च का आंकड़ा दो करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसी के साथ उन्होंने पिछले पांच वर्षों में बिहार में सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव पर खर्च का डेटा भी साझा किया। साल 2018 से 2019 तक 1.76 करोड़ रुपये खर्च किया गया था। वहीं 2020-21 में खर्च का आंकड़ा 1.23 करोड़ रुपये था। साल 2022-23 में नौ करोड़ का खर्च हुआ था।

बीमार पत्नी से हफ्ते में एक बार मिलेंगे मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आप नेता मनीष सिसोदिया को कस्टडी पैरोल में सप्ताह में एक बार अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी है। इस दौरान डॉक्टर भी उसने मिल सकेंगे। यह व्यवस्था कोर्ट के अगले आदेश तक जारी रहेगी।

कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया की नियमित जमानत पर अगली सुनवाई 12 फरवरी को दोपहर 2 की जाएगी। दिल्ली के शराब नीति घोटाले में मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया ने 1 मार्च 2023 को दिल्ली के डिप्टी सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें तिहाड़ जेल में कैद हुए 341 दिन हो चुके हैं। 30 अक्टूबर 2023 को उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी।

मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित हैं सीमा सिसोदिया :

मनीष सिसोदिया की पत्नी सीमा सिसोदिया मल्टीपल स्केलेरोसिस नाम की बीमारी से पीड़ित हैं। मल्टीपल स्केलेरोसिस एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। इसमें दिमागी नसों की कवरिंग किसी वजह से निकल जाती है। यह सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। इस वजह से कई तरह की दिक्कतें आने लगती हैं।

कई बार बॉडी पार्ट्स सुन्न पड़ जाते हैं या आपस में कोऑर्डिनेट नहीं कर पाते। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति डिप्रेशन का भी शिकार हो सकता है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के लिए मंगलवार को दिल्ली में आयोजित बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को इस बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली जाना था, लेकिन मुख्यमंत्री ने एन वक्त पर यात्रा को रद्द कर दिया। उनकी जगह तृणमूल के दो सांसद बैठक में हिस्सा लेंगे।

उन्होंने बताया कि वह दिल्ली नहीं जा रही हैं। इसका कारण भी मुख्यमंत्री ने बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट आठ फरवरी यानी गुरुवार को पेश किया जाएगा। इसलिए अब वह दिल्ली नहीं जा रही हैं। मुख्यमंत्री का सोमवार दोपहर दिल्ली रवाना होने का कार्यक्रम था। लेकिन सोमवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बजट से पहले बहुत काम है। इसलिए वे इस बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, उन्होंने पूरा मामला हाई पावर कमेटी के चेयरमैन रामनाथ कोविंद को बताया।

उनकी अनुमति के बाद उन्होंने यह यात्रा रद्द की। ममता ने कहा, हाई मॉनिटरिंग कमेटी के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद से बात की और उन्होंने इस बात को सहर्ष स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चूंकि वह जाने में असमर्थ हैं, इसलिए उन्होंने रामनाथ कोविंद से कहा है कि उनकी पार्टी के दो सांसद सुदीप बनर्जी और कल्याण बनर्जी बैठक में शामिल होंगे।

कविता को ईडी के समन पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शराब घोटाला मामले में बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंटला कविता को ईडी के समन पर सुप्रीम कोर्ट में एक और सुनवाई हुई। उनके वकील कपिल सिब्बल ने अंतिम जांच की मांग की। पीठ ने मामले को इस महीने की 16 तारीख तक के लिए स्थगित करते हुए कहा कि पिछले मामलों में दिए गए आदेशों और रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए। मालूम हो कि पिछली सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिका को नलिनी चिदंबरम और अभिषेक बनर्जी के मामलों के साथ संलग्न कर दिया था।

>14

मोदीजी हम कभी आपके दुश्मन नहीं थे : उद्धव ठाकरे

कहा- शिवसेना आज भी आपके साथ, आपने हमें खुद से दूर किया

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे ने ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया है। उद्धव ने कहा, मोदीजी हम कभी आपके दुश्मन नहीं थे, हम हमेशा आपके साथ थे, आज भी शिवसेना आपके साथ है। हमने पिछली बार अपने गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार किया था। आपने हमें खुद से दूर कर दिया।

उद्धव, सिंधुदुर्ग में 4 फरवरी को एक कार्यक्रम में बोले रहे थे। ठाकरे ने भाजपा पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा, पीएम लगातार महाराष्ट्र के दौरे कर रहे हैं। वे जब भी यहां आते हैं, कुछ न कुछ गुजरात ले जाते हैं। हम उनसे यह कहना चाहते हैं हमारी बात मन की बात नहीं, दिल की बात है। हमारे मन में अंधेरा हो सकता है पर दिल में नहीं। मैं केवल तानाशाहों और झूठों के खिलाफ हूं।

उद्धव ने यह भी पूछा कि भारत सरकार की जगह मोदी सरकार क्यों, कहा जाता है। क्या आपने

देश का नाम भारत से बदलकर मोदी कर दिया है? अगर घोषणाओं की बारिश हो, लेकिन उनके कार्यान्वयन का सूखा हो, तो हमें ऐसी मोदी सरकार नहीं चाहिए।

भाजपा का दावा- उद्धव के बयानों में हार का डर

उद्धव के बयान को भाजपा ने इसे लोकसभा चुनाव में हार का डर बताया है। भाजपा प्रवक्ता राम कदम ने कहा, इस बयान से साफ है कि इंडिया में सीट शेयरिंग पर विपक्षी दलों का टकराव बढ़ गया है। आखिरकार उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से ही मोदी जी तारीफ की है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे उनकी भाषा बदल रही है।

शिवसेना शिंदे गुट के नेता और कैबिनेट मंत्री शंभू राजे देसाई ने मोदी को लेकर उद्धव के बयान पर कहा कि उद्धव ठाकरे मोदी की तारीफ कर रहे कह रहे कि मोदी से दुश्मनी नहीं है। वे ऐसा क्यों बोल रहे हैं, यह उनसे ही पूछना चाहिए। उद्धव ठाकरे अगर पैच अप करना चाहते हैं तो हमारे वरिष्ठ 3 नेता हैं, वही इस बारे में निर्णय लेंगे। उद्धव ठाकरे, पीएम मोदी से बात करेंगे।

उद्धव के बयान से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडिया में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले दिनों सीट शेयरिंग को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की दूसरी मीटिंग हुई थी। इसमें वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष और डॉ. भीमराव अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर भी भी शामिल हुए थे।

ये लोकतंत्र का मजाक है

चंडीगढ़ मेयर चुनाव : सीजेआई ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले पर सुनाई खरी-खरी

चंडीगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चंडीगढ़ नगर निगम (सीएमसी) के नतीजों पर रोक लगाने से इनकार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कड़े शब्दों से आलोचना करते हुए कहा है कि यह स्पष्ट है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने मतपत्रों को विकृत कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या वह इसी तरह से चुनाव आयोजित करते हैं? यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। हम हैरान हैं। इस आदमी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। क्या यह रिटर्निंग ऑफिसर का व्यवहार है?

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से मतपत्र, वीडियोग्राफी और अन्य सामग्री सहित चुनाव प्रक्रिया के पूरे रिकॉर्ड

को संरक्षित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि चडीगढ़ निगम की आगामी बैठक को सुनवाई की अगली तारीख तक के लिए टाल दिया जाए।

ये है मामला

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा मेयर पद के लिए 30 जनवरी को हुए चुनाव परिणामों पर रोक लगाने पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद कुलदीप कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कुमार ने पीठासीन अधिकारी पर मतगणना प्रक्रिया में धोखाधड़ी और जालसाजी का सहारा लेने का आरोप लगाया था।

यमुना की सफाई के लिए उतरेंगी गंगा सेविकाएं

रोजाना आरती के लिए बनाई गई रणनीति

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रकल्प गंगा समग्र के राष्ट्रीय अधिवेशन में यमुना की सफाई करने के लिए संकल्प लिया गया है। आने वाले समय में गंगा समग्र की गंगा सेविकाएं यमुना की स्वच्छता पर लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ जनसहयोग से यमुना की साफ-सफाई सुनिश्चित कराने का प्रयास करेंगी। उत्तराखंड के हरिद्वार-ऋषिकेश में होने वाली गंगा आरती की तरह प्रतिदिन यमुना आरती करने के लिए भी उचित प्रयास करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके लिए यमुना के घाटों की साफ-सफाई करने के साथ जनसहयोग को बढ़ावा देने की नीति अपनाने का विचार किया गया है।

गंगा समग्र का तीन दिवसीय अधिवेशन गोरखपुर उत्तर प्रदेश में रखा गया था। रविवार को संपन्न हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में कार्यकर्ताओं को गंगा और यमुना सहित देश की सभी नदियों के जल को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए जनसहयोग के जरिए उचित रास्ते तलाशने के विषय में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, गंगा समग्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरेंद्र प्रसाद, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

गंगा समग्र की दिल्ली प्रांत संयोजिका नेहा शालिनी दुआ को राजधानी में यमुना की स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने की जिम्मेदारी दी गई है। गंगा समग्र के अधिवेशन में संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री आशीष गौतम का स्वागत करने के बाद नेहा शालिनी दुआ ने कहा कि स्वच्छता के पैमाने के तौर पर वायु की शुद्धता को महत्व दिया जाता है। उसे मापकर ही यह बता दिया जाता है कि कोई शहर प्रदूषित है, या नहीं।

नेहा शालिनी दुआ ने कहा कि अब इस पैमाने का विस्तार करते हुए जल, मिट्टी और वायु सबको इसमें शामिल कर लेना चाहिए, क्योंकि ये सभी किसी प्राणी और किसी शहर को साफ रखने के लिए आवश्यक हैं।

चुनाव आयोग बोला- चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल न करें

एडवाइजरी में कहा- रैली से दूर रखें, न गोद में उठाएं और न गाड़ी में बैठाएं

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने सोमवार 5 फरवरी को सभी राजनीतिक दलों को सलाह दी है कि चुनाव प्रचार अभियानों में बच्चों का इस्तेमाल किसी भी रूप में न करें। पार्टियों को भेजी गई एडवाइजरी में चुनाव पैनल ने पार्टियों और उम्मीदवारों से चुनावी प्रक्रिया के दौरान बच्चों से पोस्टर और पर्चे बांटने, नारेबाजी करने को लेकर जीरो टॉलरेंस जाहिर किया है। आयोग ने कहा कि राजनीतिक नेता और उम्मीदवार प्रचार के दौरान बच्चों को गोद में लेने और गाड़ियों में में न बैठाएं, न उनको रैली में शामिल करें।

बच्चों से कविता पढ़वाने और भाषण पर भी रोक रहेगी :

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि यह प्रतिबंध कविता, गाने, बोले गए शब्दों, राजनीतिक दल या उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह के इस्तेमाल के अलावा किसी भी तरीके से राजनीतिक अभियान की झलक बनाने के लिए बच्चों के उपयोग पर भी लागू होगा। हालांकि, किसी बच्चे के माता-पिता या अभिभावक राजनेता के करीबी हैं और वे अपने साथ बच्चे को ले जाते हैं तो इसे दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा, बशर्ते वे उनकी पार्टी के चुनाव प्रचार में शामिल न हों। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राजनीतिक दलों से संसदीय चुनावों में लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में की भी अपील की है।

भाजपा में जाने की बात अफवाह

पूर्व राष्ट्रपति की बेटी बोलीं- प्रणव मुखर्जी ने सोनिया से कहा था, कमजोर सरकार से अच्छा विपक्ष में होते

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, यूपीए के दौरान मेरे पिता ने सोनिया गांधी से कहा था कि एक कमजोर सरकार की जगह विपक्ष में होना ज्यादा बेहतर होता। मेरे पिता होते तो कांग्रेस के मौजूदा हालत से काफी परेशान होते। यह सिर्फ उनके ही नहीं, हर कांग्रेसी नेता के मन के हालात हैं। फिलहाल जो हालत है, उस से मुझे भी परेशानी है। मेरे बीजेपी में जाने की बात उड़ाई गई, लेकिन मैं कहीं नहीं जा रही हूं। मैं हार्ड कोर कांग्रेसी हूं।

जयपुर के जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) मार्ग स्थित क्लार्क्स आमेर में चल रहे जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में सोमवार (पांचवें दिन) को शर्मिष्ठा मुखर्जी शामिल हुईं। उन्होंने अपने पिता

पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी और इंदिरा गांधी से जुड़े तमाम पहलुओं पर खुलकर बात की। कांग्रेस पार्टी के भविष्य पर भी अपनी राय रखी। मुखर्जी से पूछा गया क्या कांग्रेस के बेहतर भविष्य के लिए किसी गैर गांधी को मौका मिलना चाहिए। इस पर मुखर्जी ने कहा- हां।

शर्मिष्ठा ने कहा, डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भारत की इकोनॉमी को बेहतर बनाने में अहम योगदान दिया है। उन्हें 'भारत रत्न' मिलना चाहिए। मेरे पिता उनका काफी सम्मान करते थे। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बन गए थे। उसके बाद भी वह मेरे पिता को 'सर' बोलकर संबोधित करते थे। इस पर मेरे पिता ने भी कई बार आपत्ति जताई थी। वह दोनों एक-दूसरे का आदर करते थे।

मुखर्जी ने कहा, एक बार मेरे पिता नागपुर गए थे। तब मैं कांग्रेस में सक्रिय थी। मैंने उनके आरएसएस के कार्यक्रम में जाने का काफी विरोध किया। मेरी इस बात पर उनसे लड़ाई भी हुई। तब उन्होंने मुझे समझाया और कहा, मैं आरएसएस के कार्यक्रम में कांग्रेस की विचारधारा को बताने गया था। वहां पर मैंने पंडित नेहरू की सोच बताई थी।

गुजरात में हेट स्पीच देने वाला धर्मगुरु मुंबई से गिरफ्तार

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भड़काऊ भाषण केस में आरोपी मुफ्ती सलमान अजहरी को रविवार को गुजरात एटीएस दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर जूनागढ़ ले गई। मौलाना पर 31 जनवरी को जूनागढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोप में हिन्दू संगठनों ने केस दर्ज करवाया था।

गुजरात एटीएस ने मुंबई की एक अदालत में मुफ्ती सलमान अजहरी की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने रविवार शाम को दो दिन की ट्रांजिट रिमांड मंजूर कर ली। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए उसे घाटकोपर पुलिस थाने लाया गया था।

रात एक बजे मौलाना के हजारों समर्थकों ने उसकी रिहाई के लिए घाटकोपर थाने का घेराव किया। हंगामा बढ़ता देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। रात 2 बजे गुजरात एटीएसमौलाना को लेकर जूनागढ़ रवाना हो गई। लेकिन पुलिस

समर्थकों ने थाना घेरा, पुलिस ने लाठीचार्ज किया; हिन्दू संगठनों की शिकायत पर कार्रवाई

अभी जूनागढ़ पहुंची नहीं है। फिलहाल एटीएस के अहमदाबाद ऑफिस में मौलाना को रखा गया है।

31 जनवरी को मौलाना ने जूनागढ़ के बी' डिवीजन पुलिस थाने के पास एक कार्यक्रम में कहा था- कुछ देर की खामोशी है फिर शोर आएगा, आज कुत्तों का वक्त है, कल हमारा दौर आएगा। हिन्दू संगठनों ने इस बयान पर नाराजगी जताते हुए मौलाना पर धारा 153A, 505, 188, 114 के तहत मामला दर्ज किया था।

रविवार देर रात जब हजारों समर्थकों ने घाटकोपर पुलिस स्टेशन को घेरा तो मौलाना ने माइक से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा- न तो मैं अपराधी हूं, न ही मुझे अपराध करने के लिए यहां लाया गया है। पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं और मैं उनका सहयोग कर रहा हूं। अगर यह मेरे भाग्य में होगा तो मैं गिरफ्तार होने के लिए तैयार हूं।

मुंबई पुलिस के डीसीपी हेमराजसिंह राजपूत ने कहा- मुंबई में शांति है, घाटकोपर इलाका भी शांतिपूर्ण है। मैं मुंबई के लोगों को बताना चाहता हूं कि उनके लिए पुलिस सड़क पर है। किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें।

पुलिस की कार्रवाई पर मुंबई के मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई दी थी। अजहरी की तरफ से लिखा गया है कि बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हमारे बयान पर ट्वीट किया है और कहा है कि हम हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने का काम करते हैं। बयान में एक कविता का जिक्र है जिसे आपको ध्यान से सुनना चाहिए। उसमें कहीं भी हिंदू शब्द नहीं है। त्रिवेदी ने इसमें जबरन हिंदू शब्द डाला है और हिंदुओं को कुत्ता कहा है, इसलिए सभी हिंदुओं को इस नफरत फैलाने वाले प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

मुफ्ती सलमान अजहरी के वकील वाहिद शेख ने मीडिया को बताया- रविवार को अजहरी के आवास पर लगभग 35-40 पुलिसकर्मी इकट्ठा हुए। मुफ्ती साहब ने पुलिस के साथ सहयोग किया। हमें बताया गया कि उनके खिलाफ भड़काऊ भाषणा के आरोप में धारा 153 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गिरफ्तारी के वायरल वीडियो पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि- उनके द्वारा दिए गए भाषण में किसी भी धार्मिक भावना को ठेस नहीं पहुंचाई गई। कोई भी उकसाने वाला बयान नहीं दिया गया है। विश्व हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके चलते मुकदमा दर्ज किया गया।

अजहरी की गिरफ्तारी के बाद एआईएमआईएम के प्रवक्ता वारिस पठान ने दावा किया कि मुफ्ती ने कोई भड़काऊ भाषण नहीं दिया था। हिरासत में लेने से पहले उन्हें धारा 41 ए के तहत नोटिस दिया जाना चाहिए। हमें कानून और व्यवस्था पर पूरा भरोसा है कि हमें न्याय मिलेगा। जब वास्तविक नफरती भाषण दिए जाते हैं, तब सरकार कोई कार्रवाई क्यों नहीं करती?

पुलिसवाले बनकर मिटाए 2700 करोड़ की ठगी के सबूत

इंस्पेक्टर बनकर आए थे आरोपी, पिकअप में भरकर ले गए सारा रिकॉर्ड

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में हजारों लोगों से लगभग 2700 करोड़ की ठगी करने वाले ठगों ने फर्जी पुलिस ऑफिसर बनकर अपने गुनाहों के सारे सबूत मिटा डाले। इस कारनामे को अंजाम दिया गुजरात के धोलेरा सिटी प्रोजेक्ट के नाम पर शेखावाटी सहित पूरे प्रदेश में ठगी से जुड़े आरोपियों ने।

ठगी के मास्टरमाइंड भले ही जेल में बंद हैं लेकिन उनके भेजे गुर्गे फिल्मी अंदाज में फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर सारा रिकॉर्ड पिकअप में भरकर ले गए। ठगी में किन-किन लोगों को शिकार बनाया, उनके फार्म, दस्तावेज, कौनसे खातों में पैसा जमा हुआ, यह सारा रिकॉर्ड उन फाइलों में दर्ज था।

घटना के एक साल बाद इस करतूत का एक वीडियो सामने आने पर पिछले दिनों कई पीड़ित थाने पहुंचे हैं। मुकदमा दर्ज करने के बाद भी पुलिस फर्जी पुलिसकर्मी बनने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

ठगी के मास्टर माइंड रणवीर बिजारणियां और सुभाष बिजारणियां ने नेक्सा एवरग्रीन नाम की कंपनी से गुजरात के धोलेरा सिटी प्रोजेक्ट में लोगों को प्लॉट दिलाने के नाम पर पूरी ठगी को अंजाम दिया था। इसकी शुरुआत सुभाष बिजारणियां ने सीकर के पिपराली चौराहे पर एक ऑफिस खोलकर की थी। यह ऑफिस दिखावे के लिए खोला गया था, ताकि लोगों को यकीन हो कि कंपनी का कोई ऑफिस भी है। इसी ऑफिस से लोगों को ठगने का पूरा खेल शुरू हुआ था।

मास्टर माइंड सुभाष बिजारणियां ने अपने बड़े भाई महावीर बिजारणियां को ऑफिस का मैनेजर बना रखा था। महावीर बिजारणियां ने इसी ऑफिस से कई एजेंटों के जरिए 500 से ज्यादा लोगों को कंपनी का मेंबर बनाया था। लोगों ने मेंबर बनने के बाद गुजरात के धोलेरा सिटी में जमीन खरीदने के बहाने लाखों रुपए इन्वेस्ट करवाए थे। आरोपियों ने हजारों करोड़ रुपए लोगों से लिए थे। जिन लोगों से पैसा लिया था, उनके फार्म और दस्तावेज ऑफिस में रखे थे।

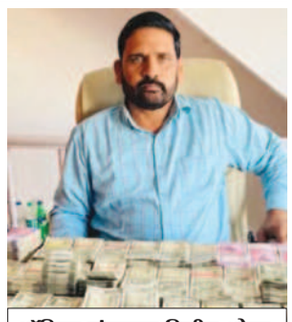

ऑफिस संचालक दिलीप ओला, जो डेली करोड़ों रुपए का कलेक्शन करता था।

इस ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित सतवीर सिंह ने बताया कि नेक्सा एवरग्रीन कंपनी में इन्वेस्ट करने वाले लोगों को हर हफ्ते कमीशन का पैसा मिलता था। कंपनी ने 14 जनवरी 2022 के बाद लोगों के खातों में पैसा भेजना बंद कर दिया था। सभी ने सोचा कि अगले हफ्ते पैसा आ जाएगा। सतवीर ने बताया कि इस बीच हमें भनक लगी कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है और कंपनी का मालिक भागने की फिराक में है। पैसा नहीं आने पर हमने 18 जनवरी को सीकर के उद्योग नगर थाने में ठगी का रिपोर्ट दी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया और शिकायत को जांच में रखकर अटका दिया।

इस बीच ठगी का खुलासा होने पर नेक्सा एवरग्रीन के डायरेक्टर महावीर बिजारणियां, रणवीर बिजारणियां, सुभाष बिजारणियां, ओपेंद्र, अमरचंद ढाका 21 जनवरी 2022 को ऑफिस बंद कर सीकर से फरार हो गए। पुलिस अपनी जांच में मान चुकी है कि इन आरोपियों ने 2700 करोड़ की ठगी की है।

कंपनी से जुड़े लोग तो भाग निकले लेकिन ऑफिस में 500 से ज्यादा लोगों के फार्म और दूसरे दस्तावेज छूट गए थे। ऑफिस में 2700 करोड़ ठगी से जुड़े कॉन्फिडेंशियल दस्तावेज पड़े थे। इनमें कितने लोगों को ठगा, कितने पैसे जमा हुए, पैसे किसके खातों में जमा हुए और ठगी में कौन-कौन शामिल था, इन सबकी डिटेल थी।

काशी-मथुरा भाईचारे से दे दें तो सब कुछ भूल जाएंगे

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बोले- विदेशी हमलों में 3500 हिंदू मंदिर तोड़े गए

पुणे, 5 फरवरी (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने कहा है कि अयोध्या के बाद अगर ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि मंदिर हमें मुस्लिम भाईचारे से दे दें तो हम अन्य मंदिरों की ओर नहीं देखेंगे। हमें भविष्य में रहना है, अतीत में नहीं। देश का भविष्य होना चाहिए, अतीत नहीं। गोविंद देव गिरि ने कहा- मैं मुस्लिमों से हाथ जोड़कर अपील करता हूं, ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। ये आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए थे। विदेशी हमलों में 3500 हिंदू मंदिर तोड़े गए। हमारे ऊपर ये सबसे बड़े दाग हैं। लोगों को दुख है। अगर वे इस दुख को भाईचारे के साथ खत्म कर देते हैं तो भाईचारा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पुणे के आलंदी में उन्होंने कहा- हमने राम मंदिर का शांतिपूर्ण समाधान ढूंढ़ लिया। अब क्योंकि ऐसा युग शुरू हो गया है, तो हमें उम्मीद है कि अन्य मुद्दे भी शांतिपूर्ण तरीके से हल हो जाएंगे। मुस्लिम समुदाय के लोग शेष दो मंदिरों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए तैयार हैं, लेकिन कुछ लोग इसका विरोध करते हैं।

पुणे में गोविंद देव गिरि के 75वें जन्मदिन समारोह के हिस्से के रूप में 4 से 11 फरवरी के बीच विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में RSS प्रमुख मोहन भागवत और श्री श्री रविशंकर सहित अन्य लोग शामिल होंगे।

अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी। इसके बाद वाराणसी की एक अदालत ने 31 जनवरी को ज्ञानवापी मस्जिद के सीलबंद तहखाने के अंदर पूजा करने की अनुमति दे दी थी। दो दिन में ही करीब ढाई लाख भक्त दर्शन भी कर चुके हैं।

हालांकि कोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने पूजा पर फौरन रोक लगाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की थी, लेकिन याचिका खारिज हो गई।

मामले की अगली सुनवाई 6 फरवरी को हाईकोर्ट में होगी। तब तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यासजी के तहखाने में पूजा हो रही है।

हेमंत सोरेन की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी से 9 फरवरी तक मांगा जवाब

अगली सुनवाई 12 को

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ईडी की ओर से झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट या याचिका दायर की गई थी, जिसपर आज सुनवाई हुई।

पूर्व सीएम सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट से मामले की सुनवाई जल्द करने का आग्रह किया। जिसके बाद जस्टिस एस चंद्रशेखर की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को 9 फरवरी तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा। ईडी की ओर से अपना पक्ष रख रहे वकील एके दास ने एक हफ्ते का समय मांगा है। जिसके बाद कोर्ट ने 12 फरवरी को सुनवाई की अगली तारीख रखी है।

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और उन पर की गई कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसपर कोर्ट ने कोर्ट ने

गिरफ्तारी के खिलाफ सोरेन की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे हाईकोर्ट जाने को कहा था। शीर्ष अदालत ने कहा ये कहते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया था कि आपको पहले हाईकोर्ट जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि हम एक व्यक्ति को अनुमति देंगे तो सभी को देनी होगी।

बता दें कि जांच एजेंसी ने सोरेन को 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। पीएमएलए कोर्ट ने हेमंत सोरेन को ईडी की पांच दिन की रिमांड में भेज दिया है। अगली पेशी 7 फरवरी को होगी। इससे पहले गुरुवार को रिमांड नहीं मिली थी।

हेमंत सोरेन की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया कि ईडी के अधिकारी उन शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पीएमएलए-2002 में इन्हें नहीं दी गई हैं। उन्होंने कहा है कि आम चुनाव नजदीक होने की वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके पिता के खिलाफ लोकपाल की अदालत में शिकायत की है। इस मामले में सीबीआई ने गलत जांच की। सीबीआई ने जांच कर लोकपाल की अदालत में तीन रिपोर्ट पेश की। इसमें उन संपत्तियों को हमलोगों की पारिवारिक संपत्ति बताया गया है, जो हमारी है ही नहीं।

दायर याचिका में कहा गया कि ईडी ने हेमंत सोरेन को पहले अवैध खनन को लेकर समन भेजा। जिस पर उन्होंने अपना बयान दर्ज करा दिया है। इसके बाद सदर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 272/23 में उन्हें समन भेजा जाने लगा। ईडी की ओर से उन्हें जिस संपत्ति के मामले में पूछताछ के लिए समन जारी किया गया, वह संपत्ति उनकी है ही नहीं।

हिमाचल इलेक्शन कमेटी की दिल्ली में मीटिंग

राज्यसभा सांसद प्रत्याशी को लेकर चर्चा; प्रियंका-सोनिया गांधी समेत 4 नाम पर चर्चा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस हाईकमान ने आज दिल्ली में हिमाचल प्रदेश इलेक्शन कमेटी के तीन बड़े नेताओं की अचानक मीटिंग बुलाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री को दिल्ली बुलाया गया है।

सूत्रों की माने तो इसमें राज्यसभा सांसद के नाम को लेकर चर्चा होगी, क्योंकि परसों यानी 8 फरवरी को राज्यसभा सांसद के चुनाव की इलेक्शन कमीशन अधिसूचना जारी करेगा। 15 फरवरी को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। इसलिए कांग्रेस जल्द नए राज्यसभा सांसद के नाम पर मुहर लगाएगी।

10 जनवरी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का शिमला दौरा भी प्रस्तावित है। इससे पहले आज की मीटिंग में राज्यसभा सांसद प्रत्याशी के नाम पर सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा।

हिमाचल से जगत प्रकाश नड्डा का अप्रैल 2024 में कार्यकाल पूरा हो रहा है। कांग्रेस

सरकार नड्डा की जगह किसे राज्यसभा भेजती है। इस पर आज चर्चा होगी। सूत्र बताते हैं कि प्रियंका गांधी रेस में सबसे आगे हैं। प्रियंका का दावा इसलिए मजबूत माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने शिमला से करीब 14 किलोमीटर दूर छराबड़ा में अपना मकान भी बना रखा है।

प्रियंका गांधी यदि लोकसभा चुनाव लड़ेंगी तो सोनिया गांधी को भी हिमाचल से राज्यसभा भेजने पर विचार चल रहा है। यदि दोनों हिमाचल से राज्यसभा जाने को मुकर जाती हैं तो उस सूरत में पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद कौल सिंह ठाकुर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर कौल सिंह और पूर्व मंत्री आशा कुमारी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है। आनंद और विप्लव दोनों सीएम सुखविंदर सुक्खू के कट्टर समर्थक रहे हैं। मगर, आनंद शर्मा का जी-23 गुट से जुड़ा होना उनकी तैनाती में रोड़ा बन सकता है। इस वजह से कांग्रेस हाईकमान आनंद का विरोध कर सकती है। दिल्ली में आज की मीटिंग प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला ने बुलाई है। इस दौरान लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हो सकती है। दरअसल, दिल्ली में दिसंबर में मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस को निर्देश दिए थे कि लोकसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों की लिस्ट तैयार की जाए। इसे लेकर भी आज चर्चा हो सकती है।

देशभर की 56 सीटों पर 27 फरवरी को नए राज्यसभा सांसदों का चयन होगा। चुनाव आयोग द्वारा शेड्यूल के अनुसार, 8 फरवरी को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी और इनकी जांच 16 फरवरी को होगी। इच्छुक उम्मीदवार 20 फरवरी को अपना नाम वापस ले सकेंगे।

उमिया माता मंदिर ए श्रेणी तीर्थ स्थल घोषित

महेसाणा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के ऊंझा स्थित समस्त कड़वा पाटीदारों की कुल देवी उमिया माताजी के मंदिर को राज्य सरकार ने राज्य के "ए' श्रेणी के तीर्थ स्थल में शामिल किया है। राज्य के चोटिला, जगन्नाथ मंदिर अहमदाबाद, तरणेतर, वडताल स्वामीनारायण मंदिर और खोडलधाम कागवाड के बाद यह राज्य का छठा 'ए' श्रेणी तीर्थ स्थल बन गया है।

ऊंझा उमिया माता संस्थान के मंत्री दिलीपभाई ने बताया कि उत्तर गुजरात के ऊंझा में मां उमिया का पौराणिक मंदिर करीब 1868 साल पहले का है। मां उमिया के प्रति लोगों की श्रद्धा कई गुना बढ़ गई है। हर साल सभी जाति-वर्ग के 75 लाख से अधिक श्रद्धालु मां उमिया के दर्शन के लिए आते हैं। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आवास और भोजन की

ऊंझा में मां उमिया का पौराणिक मंदिर करीब 1868 साल पहले का है।

व्यवस्था की जाती है। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में चिकित्सा सहायता, शैक्षिक सहायता, विधवा बहनों को वित्तीय सहायता, विकलांगों के लिए ट्राइसाइकिल सहायता जैसे सामाजिक उत्थान के कार्य भी संगठन द्वारा वर्षों से किए जा रहे हैं। इसके अलावा हर साल विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस पर ध्यान देते हुए गुजरात सरकार ने उमिया माता मंदिर, ऊंझा को 'बी' श्रेणी से "ए' श्रेणी के तीर्थ स्थल में शामिल कर दिया है। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। दिलीपभाई ने बताया कि 'ए' श्रेणी तीर्थयात्रा में शामिल होने से सरकारी अनुदान मिलेगा, इसके अलावा विकास प्रोजेक्टों में प्राथमिकता मिलती है। निजी ट्रस्ट द्वारा संचालित मंदिर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अलावा हर साल दर्शन के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या, धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ संस्था द्वारा संचालित सामाजिक गतिविधियां और धार्मिक संप्रदायों की व्यापकता को ध्यान में ए, बी और बी श्रेणी वर्ग में मंदिर को शामिल किया जाता है।ऐसे तीर्थ स्थल जहां प्रतिवर्ष 50 लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं और जिनके पास आवास और भोजन की पर्याप्त सुविधाएं हैं।

3 राज्यों में भारी बर्फबारी हिमाचल में 645 सड़कें बंद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में तापमान माइनस 11* पहुंचा यूपी-एमपी-बिहार में तेज बारिश हुई

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देश के उत्तरी राज्यों में बर्फबारी और ठंड का असर लगातार जारी है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख में बीते 4 दिनों से बर्फबारी हो रही है। यहां आज और कल (6 फरवरी) के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से 4 नेशनल हाईवे समेत 645 सड़कें बंद हैं। चिरगांव में 35 सेंटीमीटर और मनाली में 23 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई। इससे पानी और बिजली की सप्लाई भी प्रभावित हुईं। वहीं, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में शनिवार रात को तापमान माइनस 11* पहुंच गया। उधर, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में आज सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, तीनों राज्यों में कल (6 फरवरी) भी बारिश की संभावना रहेगी। इसके अलावा सिक्किम में आज आले गिरने का अलर्ट है। दक्षिण के राज्यों में आज मौसम साफ रहेगा। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल,असम, मेघालय, और ओडिशा में कोहरा और ठंड का असर बना हुआ है। इन इलाकों में तापमान 7 से 11 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में विजिबिलटी घटने के कारण कई फ्लाइट्स और ट्रेनें लेट हुई।

स्कूलों में पहली बार क्रेडिट सिस्टम

1200 घंटे पढ़ाई पर 40 अंक मिलेंगे; अगले सत्र से कक्षा 6 से 12वीं में लागू करने की योजना

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अगले शैक्षणिक सत्र यानी 2024-25 से स्कूलों में क्रेडिट सिस्टम लागू करने की योजना बनाई है। इसके तहत कक्षा 6 से 12 वीं तक हर कक्षा में पढ़ाई पूरी करने/सीखने में कम से कम 1200 घंटे पूरे करने पर छात्रों को 40 क्रेडिट अंक मिलेंगे। यह क्रेडिट सभी विषयों में परीक्षा पास करने पर मिलेंगे और यह मार्कशीट में अंक/ग्रेड के सामने दर्ज होगा। साथ ही छात्र के एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (डिजी लॉकर) में भी जमा होते रहेंगे। अभी तक ऐसा क्रेडिट सिस्टम उच्च शिक्षा में लागू है जिसके जरिए छात्रों को संस्थान या कोर्स बदलने की सहूलियत होती है।

सीबीएसई के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, क्रेडिट सिस्टम से वोकेशनल व सामान्य पढ़ाई के बीच एकेडमिक इक्वलिब्रियम (अकादमिक समतुल्यता) का पता लगता है। अगर कोई छात्र वोकेशनल से सामान्य पढ़ाई की ओर या इसके उलट जाना चाहे तो अदला-बदली आसानी से हो सकेगी। यानी क्रेडिट ट्रांसफर के जरिए किसी भी शिक्षा पद्धति में दाखिला पाना आसान होगा।

क्या होता है क्रेडिट सिस्टमः यह विकसित देशों की शिक्षा व्यवस्था में प्रचलित है। इससे यह पता चलता है कि पढ़ाई या सीखने के दौरान छात्र के पास कितना वर्कलोड था, भले ही उसने कोई भी अकादमिक विषय पढ़ा हो, कोई कुशलता हासिल की हो या गैर-अकादमिक गतिविधियों में शामिल हुआ हो।

इसी सत्र से लागू हुआ तो ऐसे मिलेंगे क्रेडिट यदि चालू सत्र 2023-24 से ही क्रेडिट सिस्टम लागू कर दिया जाए तो क्या होगा, उसका ब्योरा भी साझा किया है। जिसके मुताबिक, कक्षा 9-10 के दो भाषा विषयों सहित पांच विषयों में हर विषय के लिए 7-7 क्रेडिट, फिजिकल एजुकेशन के 2 क्रेडिट और आर्ट एजुकेशन के लिए एक क्रेडिट यानी कुल 40 क्रेडिट मिलेंगे। इसी तरह, कक्षा 11-12 के छह विषयों में से भाषा विषयों के लिए 6-6 क्रेडिट और अन्य विषयों के लिए 7-7 क्रेडिट यानी कुल 40 क्रेडिट मिलेंगे। सेमेस्टर के साथ दो बार बोर्ड परीक्षा की तैयारीः कक्षा 3 से 6 तक और कक्षा 9 व 11 के लिए एनसीईआरटी की नई किताबें नए सत्र 2024-25 के शुरू होने के पहले जारी करने की तैयारियां हैं। सीबीएसई 10वीं-12वीं कक्षा में सेमेस्टर सिस्टम के साथ दो बार बोर्ड परीक्षा करवा सकता है। नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार 10वीं पास छात्र को क्रेडिट लेवल-3 और 12वीं पास छात्र को क्रेडिट लेवल-4 कहा जाएगा। ग्रेजुएट को लेवल-6, पोस्ट ग्रेजुएट को लेवल-7 और पीएचडी को लेवल-8 माना जाता है। सीबीएसई के प्रस्ताव के अनुसार कक्षा 9 व 10 और कक्षा 11 व 12 के छात्रों के लिए अगले सत्र से मौजूदा 5-5 विषयों के स्थान पर क्रमशः 10 व 6 विषय अनिवार्य होंगे।

इसमें सेकेंडरी स्तर पर दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषा विषय और सीनियर सेकंडरी स्तर पर एक भारतीय भाषा सहित दो भाषा विषय होंगे। सीनियर सेकंडरी स्तर पर छात्र एक अतिरिक्त वैकल्पिक विषय भी ले सकता है।

यह विकल्प सेकेंडरी के छात्रों के पास भी होगा कि वे अतिरिक्त अकादमिक विषय पढ़कर या कौशल सीखकर या गैर-अकादमिक गतिविधियों जैसे एनसीसी, एनएसएस, ओलिंपियाड, स्पोर्ट्स, संगीत, नाटक कला में शामिल होकर ज्यादा क्रेडिट भी हासिल कर सकते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सु वि चा र

नीयत कितनी भी अच्छी हो, दुनिया आपको आपके दिखावे से जानती है, और दिखावा कितना भी अच्छा हो, उपरवाला आपको नीयत से जानता है!!

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कुख्यात अपराधी ने ब्लेड से हमला कर नकदी लूटी थी

हैदराबाद , 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की मार्केट पुलिस ने डकैती, हत्या व हत्या करने के प्रयास के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त डीसीपी नार्थ जोन जी. मधुसूदन राव ने बताया कि आरोपी मोहम्मद मोहसिन खान सारंगापुर, बोधन रोड, निज़ामाबाद टाउन का रहने वाला है। वह गांधी अस्पताल के पास फुटपाथ पर रहकर श्रमिक का काम करता था। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक जघन्य अपराध के सिलसिले में 25 साल के मोहम्मद मोहसिन खान, निवासी रामनगर, सारंगापुर, निज़ामाबाद को पकड़ा है। गिरफ्तारी एक हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती में उसकी कथित संलिप्तता के बाद हुई, जहां उसने यशोदा अस्पताल कार पार्किंग स्थल, सिकंदराबाद में फुटपाथ के पास एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या की और इस मामले के शिकायतकर्ता की भी हत्या का प्रयास किया। इस दौरान शिकायतकर्ता से 800 रुपए लूट लिए। यह घटना तब सामने आई जब डायल 100 पर शिकायत मिलने पर मार्केट पीएस की रात्रि गश्ती टीमें यशोदा हॉस्पिटल पार्किंग स्थल के पास घटनास्थल पर पहुंचीं। आरोपी द्वारा हमला किए जाने के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद शिकायतकर्ता मिथिलेश कुमार यादव पर लगातार हमले की घटना प्रकाश में आयी। मिथिलेश कुमार यादव, बिहार का एक दिहाड़ी मजदूर, जो न केवल एक हिंसक डकैती का शिकार था, बल्कि हत्या का मुख्य गवाह भी था। मिथिलेश कुमार यादव के मुताबिक, 29 जनवरी की रात उन्हें यशोदा हॉस्पिटल पार्किंग आउट गेट के पास एक अज्ञात भिखारी की हत्या की जानकारी मिल। यह जानकर कि वह जुबली बस स्टैंड के पास अपने विश्राम स्थल पर लौट रहा था, उसी हमलावर ने उस पर हमला किया, जिसने फोल्डेबल ब्लेड दिखाते हुए पैसे की मांग की। जब मिथिलेश कुमार यादव ने विरोध किया तो उन पर हमला कर मोहसिन खान द्वारा 800 रुपये लूट लिये गये। चौंकाने वाली बात यह है कि उन्हें बाद में पता चला कि यह हमलावर वही व्यक्ति था जो इस मामले के अज्ञात व्यक्ति की हत्या के लिए जिम्मेदार था। निज़ामाबाद का रहने वाला आरोपी तीन साल पहले मज़दूरी करके आजीविका कमाने के लिए हैदराबाद चला गया था। दुर्भाग्य से, नकारात्मक संगति से प्रभावित होकर, वह शराब की लत का शिकार हो गया, जिसके कारण उसे वर्तमान आपराधिक मामले में शामिल होना पड़ा। यह कोई अलग घटना नहीं है, क्योंकि वह पहले हाउस ब्रेकिंग के एक मामले में शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप उसे निज़ामाबाद जिले के यदापल्ली पुलिस स्टेशन की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी आपराधिक गतिविधियों की दोहराव प्रकृति शराब की लत और असामाजिक तत्वों के साथ संबंध जैसे अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

अलग-अलग घटनाओं मे दो लोगों की आत्महत्याएं

भैंसा, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को भैंसा शहर में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों ने आत्महत्याएं की। उसमें से

एक ने शहर के गड्डेनावागु परियोजना में कूदकर और दूसरे ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

एसआई अमोस की रिपोर्ट के अनुसार, कुंटा क्षेत्र का अहद (30) स्थानीय मजदूर के रूप में काम करता था। पैसे को लेकर पति-पत्नि के बीच विवाद के कारन अहद ने अपना घर छोड दिया और गद्देनावागु परियोजना के पानी में कूदकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय लोगों ने इसे देखा तो पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने पहुंचकर शव बरामद किया। इसके अलावा नगर के पुराना बाजार के शंकर(30) कुछ दिनों से बीमारी से पीडित रहा। इसी क्रम में सोमवार की सुबह जब घर पर कोई नहीं था तो उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल में ले जाया गया। एसआई ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मेडारम जातारा के लिए 6 हजार विशेष बसें चलेंगी

मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सीताक्का ने आरटीसी अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटी) एशिया के सबसे बड़े आदिवासी मेले मेडारमर में आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था कर रहा है।

यह घोषणा की गई है कि श्रद्धालुओं को लाने-ले जाने के लिए 6 हजार विशेष बसों की व्यवस्था की जाएगी। मेडारम जातर इस महीने की 21 से 24 तारीख तक आयोजित की जाएगी। भक्तों की भीड़ को देखते हुए ये विशेष बसें इस महीने की 18 से 25 तारीख तक चलाई जाएंगी। सोमवार को पोन्नम प्रभाकर और सीताक्का ने टीएसआरटीसी अधिकारियों के साथ मुलुगु जिले के तडवई मंडल के मेडारम सम्मक्का-सरलाम्मा मेले के दौरान टीएसआरटीसी के तत्वावधान में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने तडवाई में टिकट जारी करने वाले काउंटरों, कामाराम में तीन बस पार्किंग बिंदुओं, अस्थायी बस स्टैंड, बेस कैंप और मेदाराम में 55 एकड़ में स्थापित 48 कतार रेलिंग का निरीक्षण किया। बाद में, मेडारम के हरिता होटल में टीएसआरटीसी अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इससे पहले, उन्होंने सम्मक्का और सरक्का का दौरा किया और विशेष प्रार्थनाएँ कीं। इस मौके पर टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि अब तक 14.50 करोड़ महिलाएं महालक्ष्मी योजना के जरिए मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठा चुकी हैं और उन्हें सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचा रही हैं।

इस अवसर मुलुगु कलेक्टर इला त्रिपाठी, एसपी सबरीश, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीजा, टीएसआरटीसी सीवीओ डॉ. रविंदर, ईडी मुनिशेखर, कृष्णकांत, रघुनाथ राव, सीटीएम जीवन प्रसाद, सीपीएम उषा देवी, वारंगल, नलगोंडा, करीमनगर, खम्मम, आदिलाबाद, रंगारेड्डी आरएम और अन्य ने भाग लिया।

असुरक्षित है शासकीय कन्या कल्याण छात्रावास : डॉ शिल्पा रेड्डी

हैदराबाद , 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा कि कल्याण छात्रावास में मृत दो छात्राओं के मामले में लीपापोती की जा रही है। उन्होंने कहा कि हॉस्टल वार्डन द्वारा बताए गए कारण लोगों के गले के नीचे नहीं उतर रहा है। छात्रों के माता-पिता के लिए कारण विश्वसनीय नहीं हैं, और यदि छात्रों के चोटों को देखें, तो यह संदेह हो जाता है कि छात्रों की हत्या की गई थी? इसलिए, जिला कलेक्टर के निर्देशन में तुरंत जांच की जानी चाहिए और छात्रों के परिवारों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए उनकी मौत का कारण बनने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा राज्य महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ने ऐलान किया कि हम मृत छात्राओं के परिवारों को न्याय मिलने तक लड़ेंगे।

बीआरएस प्रमुख केसीआर आज आएंगे तेलंगाना भवन

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर आज (मंगलवार) तेलंगाना भवन आएंगे। विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद केसीआर पहली बार तेलंगाना भवन आ रहे हैं।

बीआरएस प्रमुख कल सुबह 11 बजे कृष्णा बेसिन क्षेत्र में संयुक्त जिलों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में संयुक्त महबूबनगर, खम्मम, नलगोंडा, हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों के विधायक, एमएलसी, सांसद और प्रमुख नेता शामिल होंगे। कृष्णा बेसिन में संयुक्त परियोजनाओं को केआरएमबी को सौंपने पर भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा की जाएगी। बीआरएस नेता विधानसभा की बैठकों और कैबिनेट में सरकार द्वारा लिए गए फैसलों पर चर्चा करेंगे। साथ ही, विधानसभा बैठकों के बाद बीआरएस नेता नलगोंडा जिले में बीआरएस के तत्वावधान में आयोजित बैठक में चर्चा करेंगे।

ज्ञानवापी के बारे में सच्चाई जल्द ही सामने आएगी: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि ज्ञानवापी के बारे में सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। किशन रेड्डी ने देश के पहले पुरालेख संग्रहालय की आधारशिला रखी। पहला पुरालेख संग्रहालय सालारजंग संग्रहालय में स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस पुरालेख संग्रहालय में प्राचीन शिलालेखों का प्रदर्शन और अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मदद से देश का पहला पुरालेख संग्रहालय हैदराबाद में स्थापित होने जा रहा है। आज भूमि पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि शिलालेखों को संरक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश पर अनेक आक्रमणों के कारण अतीत के इतिहास के शिलालेख लुप्त हो गये हैं। उन्होंने कहा कि शिलालेखों में विभिन्न लिपियां हैं जो उनके जीवन जीने के तरीके को बताती हैं। क़ानून देश के इतिहास की रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। उन्होंने कहा कि कानूनों की रक्षा करना और भावी पीढ़ियों को प्रदान करना सभी की जिम्मेदारी है। शिलालेख विभिन्न लिपियों के रूप में देखे जाते हैं।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय में रॉक नक्काशी पर लिखी लिपि को डिकोड करने के लिए एक अध्ययन प्रणाली होगी। इस तरह का संग्रहालय बनाने के लिए जमीन के लिए केसीआर को कई पत्र लिखे थे, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। प्रधानमंत्री एपी भूगोल संग्रहालय की स्थापना के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय को विश्व स्तर पर विकसित किया जा रहा है। शिलालेखों पर अंकित लिपियों का डिजिटलीकरण कर उन्हें मातृभाषा में परिवर्तित करने का प्रयास किया जाएगा ताकि हर कोई उन्हें समझ सके। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी में कई शिलालेख हैं और वे ज्ञानवापी के इतिहास को जनता के सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं। पुरालेख विभाग के प्रयास से ज्ञानवापी के साक्ष्यों पर शोध कर न्यायालय के समक्ष रखा गया। कोर्ट ने बहुत कम समय दिया है और जानकारी के आधार

पर जल्द ही सच्चाई सामने आ जायेगी। उन्होंने कहा कि अतीत का सारा इतिहास शिलालेखों पर आधारित है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए शिलालेखों के इतिहास को संरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कई आक्रमणों के कारण देश में शिलालेख नष्ट हो गये और देश की संस्कृति एवं परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। सालारजंग संग्रहालय का स्वरूप बदल गया है। सालारजंग संग्रहालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम म्यूजियम को आधुनिक तकनीक से और भी बेहतर तरीके से विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं। यह पुरालेख संग्रहालय के शोध छात्रों के लिए बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही देश में संग्रहालय आधुनिक तकनीक से विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास और शिलालेखों को संरक्षित करने की जरूरत है. वह हैदराबाद में विज्ञान संग्रहालय लाने का प्रयास कर रहे हैं। शुबाष चंद्र बोस का बलिदान अविस्मरणीय है। बोस की जीवनी पर आधारित एक संग्रहालय स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के राष्ट्रपति भवन के नॉर्थ-साउथ ब्लॉक में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम बनने जा रहा है। 1947 से लेकर आज तक विभिन्न देशों द्वारा लूटी गयीं प्रतिमाओं का इतिहास देश में वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी चोरुवा के साथ विभिन्न देशों से 314 राष्ट्रीय कला खजाने देश में लाए गए हैं।

सूचना

न्यायालय : तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-01 बिलासपुर छ.ग.

(पीठासीन अधिकारी-श्रीमती मनीषा ठाकुर)

रघूनंदन...... वादी

विरुद्ध

द्रोपती...... प्रतिवादी

व्यवहार वाद कमांक 166-ए/2019

पेशी- 24/02/2024, प्रोसेस नं---

प्रति,

द्रोपती पति रामगोपाल अग्रवाल निवासी नियर केयर हॉस्पिटल मार्केट स्ट्रीट सिकन्दराबाद, जिला सिकन्दराबाद (तेलंगाना)

इस न्यायालय में वादी **रघुनंदन पिता रंगसाय उम्र 65 वर्ष, निवासी ग्राम बिनैका, तह. मस्तुरी, जिला बिलासपुर छ.ग.** ने प्रतवादीगण के विरुद्ध वाद वास्ते उद्घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद प्रस्तुत किया है जिसमें प्रतिवादी- **द्रोपती पति रामगोपाल अग्रवाल निवासी नियर केयर हॉस्पिटल मार्केट स्ट्रीट सिकन्दराबाद, जिला सिकन्दराबाद (तेलंगाना)** की उपस्थिति हेतु दिनांक 24-02-2024 को नियत है।

आप उक्त प्रकरण की पेशी दिनांक 24-02-2024 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति सम्यक जवाब मय दस्तावेज प्रसस्तुत कर सकते है नियत पेशी दिनांक तक कोई आपत्ति/जवाब प्राप्त न होने पर प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारणवश पेशी निांक 24-02-2024 को इस न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है या सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है अथवा पीठासीन अधिकारी अवकाश में रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 23-01-24 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

दिनांक 23/01/24
स्थान बिलासपुर

(मनीषा ठाकुर)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश
वर्ग-01
बिलासपुर छ.ग.

येल्लांडू नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव विफल

येल्लांडु, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के येल्लांडु नगर निगम में कोरम सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण नगर निगम के अध्यक्ष डी वेंकटेश्वरुलु के खिलाफ बीआरएस पार्षदों द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव कोई परिणाम लाने में विफल रहा। हाल ही में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए अध्यक्ष वेंकटेश्वरुलु के फैसले का विरोध करते हुए, 19 बीआरएस पार्षदों ने 11 जनवरी को जिला कलेक्टर को नोटिस दिया है, जिसमें नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ विश्वास मत की मांग की गई है। इस संबंध में काउंसिल ने विशेष बैठक की. हालाँकि, कोरम (17 सदस्य) नहीं होने के कारण प्रस्ताव को भंग कर दिया गया। हालाँकि, कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही क्योंकि कांग्रेस विधायक कुरान कनकैया ने परिषद की बैठक में भाग नहीं लेने के लिए बीआरएस पार्षद नागेश्वर राव को कार्यक्रम स्थल से बाहर ले गए। इस बीच, पूर्व विधायक हरिप्रिया और अन्य बीआरएस पार्षदों ने नगर निगम कार्यालय के सामने धरना दिया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके सदस्यों को सुरक्षा मुहैया नहीं करायी गयी।उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक कोराम कनकैया उनके सदस्य को जबरन ले गए और यह संविधान का उल्लंघन है। बीआरएस पार्षदों ने एक बार फिर बैठक बुलाने की मांग की। येल्लांडु नगर निगम में कुल 24 पार्षदों में से बीआरएस के 23 पार्षदों और एक सीपीआई के है। हालिया विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बीआरएस के चार सदस्य सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं।

सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने गांधी भवन में पूर्व मंत्री स्वर्गीय पी. नरसा रेड्डी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जना रेड्डी, वी हनमंत राव, कोदंड रेड्डी, श्याम मोहन, महेश कुमार गौड़, जी निरंजन एवं परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

LOSS OF DOCUMENTS

I, DONOOR KRISHNA REDDY, S/o Venkat Reddy, H.No.5-70/3, Bangarigadda, Choutuppal (M), Yadadri Buvanagiri Dist-508252. While I am Travelling from L.B.Nagar to Choutuppal. Lost my Documents No. 6732/2006, 7849/2006, 5827/2007, 3968/2003, 10742/2008, 4347/2023 & Passport No. B8815268, Contact No. 9948485475.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

श्री आईमाताजी बडेर मे सम्मान समारोह व हल्दी कार्यक्रम आयोजित कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर मे आयोजित सम्मान समारोह व हल्दी कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि भाजपा सीनियर नेता मुरलीधर राव, सम्मानित अतिथि हरजीराम काग, बाबुलाल मुलैवा, रुगाराम परिहारिया, मांगीलाल काग, मंगलाराम पँवार, जगदीश प्रसाद काग व अतिथियों का सम्मानकर सरंक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, पद्दाधिकारी व समाज बन्धु।

जल्द ही टीएसआरटीसी की 500 इलेक्ट्रिक बसें

हैदराबाद,5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिलाओं, लड़कियों और ट्रांसजेंडरों को टीएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गयी है। महालक्ष्मी योजना के तहत उन्हें निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। इससे बसों में ट्रैफिक काफी बढ़ गया है। इस योजना के लागू होने से पहले सिर्फ 12 लाख महिलाएं ही प्रतिदिन बसों में सफर करती थीं। महालक्ष्मी योजना लागू होने के बाद वह संख्या बढ़कर लगभग 30 लाख हो गई है। पहले हैदराबाद शहर में 4.50 लाख महिलाएं बसों में सफर करती थीं, अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। पुरुष ही नहीं, दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों को भी बसों में सीटें नहीं मिल रही हैं। लेकिन जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

टीएस आरटीसी ने यात्रियों को खुशखबरी दी है। आरटीसी जल्द ही शहर में 500 इलेक्ट्रिक सिटी बसें उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। ग्रेटर जोन के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि कुछ बसें इसी माह मार्च से शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे जून और जुलाई तक 500 इलेक्ट्रिक बसें तैयार कर लेंगे। शहरी यात्रियों के लिए मेट्रो गायब है तो एसी का सफर स्वर्ग बन गया है। सिटी बसों में एसी नहीं है और सीट भी नहीं मिल पाती है। जल्द ही 500 इलेक्ट्रिक बसों से ये सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। इसमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल नहीं है। इन बसों में यात्रियों को सीटें मिल सकेंगी।

पंजागुट्टा सीआई दुर्गा राव गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा सीआई दुर्गा राव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीआई दुर्गा राव तेलंगाना प्रजा भवन में बैरिकेडिंग के दौरान मारपीट के मामले में आरोपी हैं, जिसमें पूर्व बीआरएस विधायक शकील का बेटा साहिल भाग निकला था। मालूम हो कि हाल ही में सीपी ने पंजागुट्टा में कार्यरत सभी पुलिसकर्मियों का तबादला कर दिया गया था। निलंबन के बाद सीआई दुर्गा राव अज्ञातवास में चले गये। दुर्गा राव ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। लेकिन पुलिस ने एपी के अनंतपुर जिले के गुंटाकल्लू में दुर्गा राव को हिरासत में लिया है।

मालूम हो कि कुछ दिन पहले हैदराबाद के प्रजा भवन में सड़क हादसे से हड़कंप मच गया था। इस मामले में दुर्गा राव आरोपी हैं। पुलिस जांच में पता चला कि दुर्गाराव ने इस मामले के मुख्य आरोपी बोधन के पूर्व विधायक शकील के बेटे को भागने में मदद की थी। परिणामस्वरूप, सीआई दुर्गा राव को हैदराबाद सीपी कोट्टाकोटा श्रीनिवास ने निलंबित कर दिया। पुलिस ने इसी मामले में बोडन सीआई प्रेमकुमार को भी हिरासत में लिया है।

प्रेम कुमार शकील के बेटे को विदेश जाने के लिए मजबूर किया गया था।दुर्गा राव को सस्पेंड करने के बाद से वह फरार था। बेगमपेट के प्रजा भवन में शकील के बेटे सोहेल ने अपनी कार तेज गति से चलाई और बैरिकेड्स से टकरा गई। पंजागुट सीआई सोहेल की जगह दूसरे व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उस समय ऐसी खबरें

रक्षा सम्पदा कार्यालय
तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश अंचल
सिटी सिविल कोर्ट परिसर
सरदार पटेल मार्ग
सिकंदराबाद – 500 003

Defence Estates Office
Telangana & AP Circle
City Civil Court Compound
Sardar Patel Road
Secunderabad – 500 003

(दूरभाष नं: 040-27801250 / 27800503 फैक्स: 040-27800601 ई-मेल: deosecu-stats@nic.in)

File No. 21/66/LIX/ Dated: 5 Feb., 2024

सार्वजनिक नीलामी का शुद्धिपत्र

एत्द्वारा आम जनता को, यह अधिसूचित किया जाता है कि, नीलामी सूचना संदर्भ सं.21/66/LVII/ दि. 17.01.2024 जो तत्संबंधित दैनिक समाचार पत्र में दि.22.01.2024 को प्रकाशित हुवा था। इस बारे में महत्वपूर्ण तिथियों में परिवर्तन हुवा है तथा इस सार्वजनिक ई-नीलामी को प्रकाशित करने की तिथि अब दि.19.02.2024 निर्धारित की गयी है। दि.05.02.2024 से ई-नीलामी दस्तावेज अपलोड किये जायेंगे। ई-नीलामी दस्तावेज, सरकारी ई-नीलामी प्रणाली वेबसाइट: https://eauction.gov.in/eAuction/app. के आनलाइन पोर्टल पर अपलोड किये जायेंगे

हस्ता./-
(भूपति रोहित, आयडीइएस)
रक्षा सम्पदा अधिकारी
टी एंड एपी सर्किल, सिकन्दराबाद

बजट पर योगी वर्सेस अखिलेश

सीएम बोले-यह उत्सव, उमंग और उम्मीदों का बजट, अखिलेश का जवाब-लोगों के घरों पर बुलडोजर चला एयरोसिटी बनाने जा रही

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को विधानसभा में 2024-25 का बजट पेश किया। इस दौरान कई बड़े ऐलान किए गए। सीएम योगी ने बजट के बाद कहा, "हमारा पहला बजट किसानों को समर्पित था। आज का बजट प्रभु श्रीराम को समर्पित है।"

वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा, ''7 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया। लेकिन सड़क में आज भी गड्ढे क्यों हैं? जिनको माउस चलाना न आता हो, वो क्या बजट बनाएंगे? बात कोई न समझ पाए, तो बीच में दोहे पढ़ रहे थे।''

सीएम योगी ने कहा, "यह हमारी सरकार का आठवां बजट है। यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है, जिसने 7 लाख करोड़ की सीमा को पार किया। यह डबल इंजन की सरकार की प्रतिबद्धता को दिखता है। यूपी के आकार को विस्तार देने के लिए हमने बजट को भी बढ़ाया है। हम प्रत्येक व्यक्ति की आय को दोगुना करने में कामयाब रहे हैं। हमने टैक्स चोरी रोकी है। यूपी को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बनाया है।"

पहला बजट किसानों को, यह राम को समर्पित

सीएम ने कहा, "हमारा पहला बजट किसानों को समर्पित था। आज का बजट प्रभु श्रीराम को समर्पित है। बजट की शुरुआत में, मध्य में और अंत में भी प्रभु श्रीराम हैं। आत्मनिर्भरता, अर्थव्यवस्था और अंत्योदय को समर्पित बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के विजन को समर्पित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर में जब पैसा खर्च होगा, तब रोजगार के अवसर पैदा करेगा। साथ ही, अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा।"

जीडीपी बढ़ी, युवा उद्यमियों को ब्याज मुक्त लोन

"यूपी में 2016-17 तुलना में जीडीपी बढ़ी है। प्रति व्यक्ति की आय दोगुना करने में हमको सफलता मिली है। हमने कर चोरी, रेवेन्यू लीकेज को रोका है। इसलिए हम सफल हुए हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण और किसानों की समृद्धि पर फोकस किया है। युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास की योजना शुरू करने जा रहे है। जिसमें ब्याज मुक्त ऋण हम उपलब्ध कराएंगे।"

आगरा एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए बजट दिया

"आगरा एक्सप्रेस-वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए हम बजट दे रहे हैं। आप देखिए कि बेरोजगारी दर 19.2% से ऊपर थी, जो आज घटकर 2.4% के आस-पास है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और युवाओं की समृद्धि पर हमने लगातार फोकस किया है। इसलिए 24 हजार 863 करोड़ की नई परियोजनाओं को हमने इस बजट में जोड़ा है।

हम मुख्यमंत्री उद्यमी विकास योजना शुरू करने जा रहे हैं। इसमें 5 लाख तक ब्याजमुक्त लोन देंगे। यूपी में 40 साल बाद बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण की स्थापना हो रही है। आईआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए बजट दिया गया है।"

यह बजट पिंक बजट है

सीएम योगी ने कहा, "अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, विंध्याचल के लिए हमने बजट दिया है। प्रयागराज कुंभ के लिए अभी से बजट की व्यवस्था की गई है। यूपी का यह बजट पिंक बजट है, जो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा। यह उत्तर प्रदेश का अमृतकाल है। उत्सव उमंग और उम्मीदों का बजट है। यही है नई यूपी की नई तस्वीर।" मुख्यमंत्री की प्रेसवार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मौजूद रहे।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं, करप्शन चल रहा

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, ''यूपी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं, ईज ऑफ करप्शन चल रहा है। विधानसभा से लेकर जितनी भी नौकरी निकली है सब में करप्शन है। यह बजट 90% लोगों के लिए नहीं बल्कि 10% के लिए है। अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ेगी। थानों में आज भी पीडीए की एफआईआर नहीं लिखी जाती है। एफआईआर के लिए लोगों को कोर्ट का सहारा लेना पड़ता है।''

हर थाने में साइबर सेल, मगर देश में सबसे ज्यादा क्राइम यूपी में

उन्होंने कहा, ''हर थाने में साइबर सेल है। जबकि देश में सबसे ज्यादा क्राइम यूपी में है। पूरे बजट में नौकरी की बात नहीं है। निवेश के जरिए मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं। इसमें प्राइवेट कॉलेजों में क्या गरीब को इलाज मिलेगा। दिल्ली-यूपी के न जाने कितने बजट आए और चले गए। क्या अटल विहारी वाजपेयी के नाम की मेडिकल यूनिवर्सिटी बन गई। मुख्यमंत्री न जाने कौन सी पॉलिसी लाने वाले हैं कि प्रदेश सेमी कंडक्टर में नंबर वन हो जाएगा।''

आगरा में लोग सीवर-सड़क के लिए प्रदर्शन कर रहे

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा, कि आगरा में लोग सीवर-सड़क के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। कानपुर देहात में शादी के कार्यक्रम से लौट रहे परिवार की आवारा पशु से मौत हो गई। लेकिन सरकार बजट में बड़ी-बड़ी बातें कर रही है। ये बजट सिर्फ जनता को गुमराह करने वाला है। झूठा इंसान अंत में सिवा अपने के किसी और को धोखा नहीं दे सकता। ये सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों को खुश करने वाला बजट है। ये पीडीए का बजट नहीं है। पीडीए के लिए कोई रोजगार, कोई निवेश और कोई बजट में स्थान नहीं है।

सरकार खबर को कंट्रोल कर रही, लेकिन करप्शन को नहीं कर पा रही

उन्होंने कहा, भाजपा अपने मेनिफेस्टो को बनाती तो है, लेकिन इसके बाद न पढ़ती है और न अमल करती है। सबसे बड़ा इन्वेस्टमेंट सिर्फ गुजरात जा रहा है। पुलिस भर्ती में 60 लाख ने फॉर्म भरा। ये बताएं, अग्निवीर व्यवस्था सरकार क्यों लाई? इससे पीडीए के लोग बहुत प्रभावित हो रहे हैं। सबसे अधिक पीडीए से ही लोग सेना में जाते थे। सरकार खबर को कंट्रोल कर रही है, लेकिन करप्शन को नहीं कर पा रही। आज थाने और तहसील में लूट मची हुई है। समाजवादियों ने रिवर फ्रंट बनाया, इसलिए ये सरकार भी रिवर फ्रंट बना रही है। लेकिन ये नाले में रिवर फ्रंट बना रहे हैं। ये सरकार लोगों के घरों पर बुलडोजर चला एयरोसिटी बनाने जा रही है।

मायावती ने बजट पर दी प्रतिक्रिया

बोलीं- विकास के पुराने वादों का मूल्यांकन भी जरूरी

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को राज्य सरकार द्वारा पेश किए गये बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट पार्टी के चुनावी हित का ज्यादा व व्यापक जनहित एवं जनकल्याण का कम लगता है। सरकार की विभिन्न घोषणाएं, वादे और दावे अपनी-अपनी जगह हैं लेकिन क्या विकास संबंधी सरकार के पिछले सारे वादे पूरे हो गए हैं, इसका भी मूल्यांकन जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार के सर्वसमाज के हित, विकास व कानून-व्यवस्था के संबंध में जितने भी दावे और वादे बजट में करती है, उसका सही से अनुपालन जरूरी है। तभी राज्य के लोगों की अपार गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ापन आदि दूर हो पाएगा। जिसका फिर सीधा प्रभाव देश के विकास व यहां के लोगों की उन्नति पर पड़ेगा।

माफिया मुख्तार अंसारी के गुर्गे की एक करोड़ की जमीन कुर्क

आजमगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के गुर्गे शाहजमां पर जनपद पुलिस की कार्रवाई जारी है। सोमवार को बाराबंकी जिला में शाहजमा की एक करोड़ कीमत की जमीन को जनपद पुलिस ने बाराबंकी पुलिस की मदद से कुर्क कर लिया। इसके पूर्व लखनऊ में स्थित लगभग तीन करोड़ कीमत की भूमि कुर्क की गई थी। माफिया मुख्तार अंसारी प्रदेश स्तर पर चिन्हित आईएस-191 गैंग का लीडर है। इस गैंग के सदस्य व मुख्तार के गुर्गे के रूप में बरदह थाना क्षेत्र के मोहमदपुर फेटी गांव निवासी शाहजमां उर्फ नैय्यर चिन्हित है। वर्तमान में शाहजमां जेल में सलाखों के पीछे है। जनपद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत उसकी अपराध से अर्जित कमाई से बाराबंकी जिले में स्थित जमीन को कुर्क किया। शाहजमां ने बाराबंकी जिले में कुल तीन भूखंड लगभग आधा हेक्टेयर क्रय किया था। पुलिस ने इसे कुर्क करने की संस्तुति के साथ जिलाधिकारी को पत्र दिया था। जिलाधिकारी की संस्तुति पर उक्त भूमि को थाना मेहनाजपुर पुलिस ने बाराबंकी पुलिस की मदद से कुर्क कर लिया।

एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि कुर्क की गई जमीन का सर्किल रेट 28 लाख रुपये है और उसकी बाजार की कीमत एक करोड़ है। इसके पूर्व भी पुलिस ने लखनऊ में स्थित शाहजमां व उसके भाई की लगभग तीन करोड़ कीमत की भूमि कुर्क किया था।

एएनएम स्कूल की छात्राएं भूख हड़ताल पर

ट्रेनिंग ले रही छात्राओं ने कहा- हॉस्टल में बुनियादी सुविधाओं की कमी, नहीं होती सुनवाई

बेगूसराय, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में एएनएम ट्रेनिंग स्कूल बलिया की प्रशिक्षु एएनएम छात्राओं ने भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। सभी बैच के प्रशिक्षुओं ने रविवार की शाम से ही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। लेकिन इसकी लिखित सूचना आज प्राचार्य को दी तथा जमकर नारेबाजी भी की। इस संबंध में प्रभारी प्राचार्य या संबंधित अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। छात्राओं का कहना है कि हॉस्टल में बुनियादी सुविधाओं की कमी है। भूख हड़ताल पर गई प्रशिक्षु छात्राओं ने बताया कि हम लोग 2021-23, 2022-24 एवं 2023-25 बैच की छात्रा हैं। बलिया प्रखंड के सादपुर में स्थित एएनएम स्कूल में कुव्यवस्थाओं के बीच हम लोगों को रहना पड़ रहा है। इसकी लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। हॉस्टल में गंदा पानी रहता है, पानी बदबू देते रहता है। ना तो सही खाना दिया जाता है और ना ही स्वच्छता का ख्याल रखा जाता है। खाना भी सही और ठीक से नहीं दिया जाता है। मेस चार्ज में मनमानी की जाती है।

सीएम नीतीश कुमार सरकार पर जीतन राम मांझी गरम

विभाग बंटवारे पर कह दी ऐसी बात कि सियासत में भूचाल

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के साथ नीतीश कुमार की तत्कालीन सरकार को हम पार्टी के सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी लगातार खेला होने की बात कहकर सरकार के गिरने की बात कहते आ रहे थे। उनके इस बात पर जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के नेता उनपर चुटकी भी लेते थे। अब जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी अपने बेटे संतोष कुमार सुमन के साथ इस सरकार में मंत्री हैं लेकिन बावजूद इसके वह अपनी ही सरकार पर भड़ास निकाल रहे हैं।

मुझे और मेरे बेटे को एक ही विभाग क्यों

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी गया जिले के वजीरगंज

विधानसभा क्षेत्र में हम पार्टी के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उस कार्यक्रम में हम पार्टी के सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि थे। उस दौरान सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 1984 से 2013 तक मुझे और मेरे बेटे संतोष कुमार सुमन को सिर्फ अनूसूचित जाति कल्याण विभाग ही मिला है। इसके अलावे अन्य कोई दूसरा विभाग नहीं मिला है। हमलोगों को सिर्फ सड़क बनवाना, पुल-पुलिया निर्माण, चापाकल लगवाना अब सिर्फ यही सब काम हमलोगों को बच गया है। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समझना चाहिए।

हमारे बिना किसी का कल्याण होने वाला नहीं

जीतनराम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने ही मुझे मुख्यमंत्री बनाया था, लेकिन जब हम काम करने लगे तो लोगों ने उन्हें समझाया कि जीतन राम मांझी जिस तरह से काम कर रहे हैं उस स्थिति में कहीं ऐसा न हो कि लोग नीतीश कुमार को भूल जाएं। जीतनराम मांझी ने इशारे इशारे में कहा कि हम पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के साथ हैं, पर अपनी हक की लड़ाई के लिए अगर मुझे विधानसभा सभा चुनाव में भी जाना पड़ा तो हम जाएंगे। जीतनराम मांझी ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमारे बिना किसी का कल्याण होने वाला नहीं है।

बिहार की 11 लोकसभा सीटों पर चिराग की तैयारी

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की 11 लोकसभा सीटों पर जमुई सांसद चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) की नजर है। इसमें चाचा की हाजीपुर सीट के साथ साथ जमुई भी शामिल है। दरअसल, लोजपा (रामविलास) ने 11 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रभारियों को नियुक्त किया है। चुनाव प्रभारियों को बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने की जिम्मेवारी दी गई है।

प्रभारियों की लिस्ट जारी करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान से मिले निर्देशों के तहत चुनाव प्रभारियों का चयन करने के साथ ही उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी गई है। अब सवाल यह उठने लगा है कि क्या बिहार में चिराग पासवान अपनी पार्टी की तैयारी 11 लोकसभा सीटों पर कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब जानने के लिए पार्टी के जिम्मेदार नेताओं से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने बात नहीं की। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद कुमार सिंह को हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी बनाया है। इस सीट से चिराग पासवान के चुनाव लड़ने की संभावना है। परिवार और पार्टी से अलग हो चुके उनके चाचा और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस इस सीट से सांसद हैं। एक तरह से प्रभारी नियुक्त कर चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के अंदर अपनी दावेदारी पेश कर दी है। प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह उर्फ अमर कुशवाहा को चिराग के वर्तमान संसदीय क्षेत्र जमुई की जिम्मेवारी मिली है।

संदिग्ध अवस्था में मिला किन्नर का शव

सीतामढ़ी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी शहर में संदिग्ध परिस्थिति में एक किन्नर का शव मिला है। घटना मेहसौल ओपी क्षेत्र के वार्ड नंबर 26 की है। मो. सोहैब के निर्माणाधीन मकान से उसका शव बरामद किया गया है।

घटना के बाद से इलाके में चर्चाओं का बाजार गर्म है। मृतक किन्नर की पहचान भी नहीं हो सकी है। किसी को उसका नाम पता नहीं है। सोमवार की सुबह पुलिस को किसी ने सूचना दी कि एक किन्नर की लाश पड़ी है। मेहसौल ओपी की पुलिस अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंची।

उपेंद्र कुशवाहा बोले- सरकार से हटने पर विरोध कर रही आरजेडी

नीतीश की एनडीए में वापसी का किया स्वागत

मुजफ्फरपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आरएलजेडी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने राजद पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की कृपा से तेजस्वी यादव बने हुए थे। अब बाहर कर दिए गए तो विरोध कर रहे हैं और नीतीश कुमार के काम का क्रेडिट लेने लग गए हैं। दरअसल, सीतामढ़ी जाने के दौरान मुजफ्फरपुर पहुंचने पर उपेंद्र कुशवाहा ने यह बयान दिया। इस दौरान में उन्होंने नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी का भी स्वागत किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा

सीतामढ़ी जाने के दौरान सोमवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए में सीएम नीतीश के आने और बीजेपी की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हम तो पहले से कह रहे थे एनडीए में जल्द वापस आएं, ताकि बिहार का विकास अच्छे से हो सके। यही नहीं, उन्होंने कहा कि हम तो पहले से कह रहे थे कि आप गलत जगह चले गए हैं, अब बिहार का विकास अच्छे से होगा। आप शुरू से एनडीए के अभिन्न हिस्सा रहे हैं। और बिहार की जनता ने एनडीए को मैंडेट दिया था। इसके साथ ही उपेंद्र कुशवाहा ने राजद और तेजस्वी यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह लोग तो खुद नीतीश कुमार की कृपा से सरकार में शामिल हुए, अब अलग हटा दिए गए तो विरोध करना शुरू कर दिया। सभी लोग जानते हैं कि सारा काम नीतीश कुमार का ही किया हुआ है, फिर चाहे नौकरी हो या अन्य विकास का काम। यह सब कुछ पूर्व की एनडीए सरकार और नीतीश कुमार जी ने किया है, यह सभी जानते हैं। अब विपक्ष में आ गए तो विरोध करेंगे ही। विपक्ष को किसी भी काम का क्रेडिट लेने का कोई भी अधिकार नहीं है, सारा काम एनडीए सरकार का किया हुआ है।

मिड डे मिल खाने से 150 बच्चे बीमार, तीन गंभीर

बगहा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बगहा में मिड डे मील खाने से 150 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना अभिभावकों को मिली तो अफरा-तफरी मची हुई। मामला राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय टोला परसौनी का है।

स्थानीय लोगों की मदद से कुछ बच्चों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया तो कुछ बच्चों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इसमें 2 बच्चे की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिसे अनुमंडल अस्पताल से रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि स्कूल में

मिड डे मील का खाना एनजीओ पहुंचाता है। बताया जा रहा है कि स्कूल में 443 बच्चे नामांकित हैं। एक क्लास छोड़कर सभी बच्चों ने भोजन कर लिया था। हालांकि रामनगर में भर्ती बच्चों में दो की स्थिति नाजुक है, जिन्हें रेफर किया गया है। इधर, लगातार बच्चों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है, जहां पर चिकित्सा इलाज करने में जुटे हुए हैं। सोमवार को हुई इस घटना को लेकर कोई वरीय पदाधिकारी अस्पताल में नहीं पहुंचे थे। इधर, बच्चों के पेरेंट्स और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए हैं। लोगों ने बताया कि आए दिन एनजीओ द्वारा खाना बनाने में लापरवाही बरती जा रही है। इस कारण बच्चों की तबीयत बिगड़ गई है। बता दें कि जून 2023 में भी बगहा में एक एनजीओ द्वारा डिलीवरी किए गए खाना खाकर 100 से ज्यादा बच्चे बीमार हुए थे।

तेजस्वी बोले- खेला होगा

नीतीश के एक मंत्री बोले- हमलोग खेलना जानते हैं, दूसरे ने बताया क्या होगा

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के साथ बनी नई सरकार में विज्ञान प्रावैधकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में मंत्री बने सुमित सिंह ने तेजस्वी यादव के खेल होने के बयान पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि हम लोग भी थोड़ा बहुत खेलना जानते हैं क्यों कि हम लोग भी खिलाड़ी रहे हैं। मैं भी स्पोर्ट्समैन रहा हूं इसलिए खेल तो होगा। aमुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनता दल का साथ छोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बयान देते हुए कहा था कि 'अभी खेल शुरू हुआ है, खेल अभी बाकी है। मैं जो कहता हूं वह करता हूं।आप लिख कर ले लीजिए, जनता दल यूनाइटेड जो पार्टी है 2024 में ही ख़त्म हो जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि 'नीतीश कुमार शपथ ग्रहण कर लें, लेकिन यह सरकार कितने दिन चलेगी यह कोई नहीं जानता।'

बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह ने कांग्रेस के हैदराबाद जाने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस के विधायक से हमको क्या लेना देना। हम लोग अपने विधायकों को जानते हैं। एनडीए गठबंधन के लोग अपने गठबंधन के विधायकों से मतलब रखते हैं। सुमित सिंह ने कहा कि अगर 16 विधायक वहां गए हैं तो भी कम ही हैं। उन्होंने इशारा करते हुए कहा कि अब आप यह भी सोचिए जो विधायक वहां नहीं गए हैं वह कहां हैं। सुमित सिंह ने कहा कि हम लोग तोड़ने में विश्वास नहीं रखते हैं बल्कि जोड़ने में विश्वास रखते हैं। और अगर कोई हमसे जुड़ते हैं तो हम उनको मना क्यों करेंगे। विज्ञान प्रावैधकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में मंत्री सुमित सिंह ने यह भी कहा कि स्वाभाविक है कि उनके विधायक उनसे संतुष्ट नहीं हैं तभी तो वेलोग इधर-उधर जा रहे हैं।

मुजफ्फरपुर की डॉक्टर को बंधक बनाकर साढ़े 22 लाख लूटे

मुजफ्फरपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में रविवार रात एसकेएमसीएच की डॉक्टर के परिवार को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाश 20 लाख के आभूषण और 2.5 लाख कैश लूट कर भाग निकले। अलमारी की चाबी के लिए बदमाशों ने डॉ. मनीषा से फोन करवाकर ससुर को घर भी बुलवाया और उन्हें भी बंधक बना लिया। चाबी मिलने के बाद वो कैश और ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। घटना स्थल से महज 20 मीटर की दूरी पर पुलिस की गाड़ी खड़ी थी, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। अपराधी 4 की संख्या में थे और सभी हथियार लेकर आए थे। घटना सदर थाना इलाके की है।

रविवार की रात सदर थाना के भिखनपुरा में डॉ मनीषा भावे अपने बच्चे और सास के साथ घर में थीं। इसी दौरान हथियार से लैस होकर चार अपराधी घर में घुस गए। घर में मौजूद सभी लोगों बंधक बना लिया। उसके लूटपाट करने लगे। अपराधी ने डॉ. मनीषा से गोदरेज की चाबी मांगी, लेकिन डॉक्टर ने कहा कि चाबी तो ससुर के पास है।

इसके बाद बदमाशों ने डॉ. को फोन कर ससुर को बुलाने को कहा। मनीषा ने अपने ससुर प्रेम चंद प्रसाद सिंह को कॉल कर के घर आने को कहा।

sससुर ने घर आकर चाबी दी। उसके बाद मनीषा ने बदमाशों को चाबी सौंप दी।

सिर पर रिवॉल्वर रख नाबालिग से गैंग रेप का आरोप

सीतामढ़ी में मामला दर्ज, लड़की बोली- शादी का झांसा देकर बिहार लाया था

सीतामढ़ी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी में हथियार का भय दिखाकर एक नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पहले नाबालिग को शादी का प्रलोभन दिया और शारीरिक शोषण किया। जब इसके लिए नाबालिग ने इनकार किया तो हथियार का भय दिखाने लगा। दुष्कर्म किए जाने की शिकायत पर पुपरी थाना में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस को दिए आवेदन में पश्चिम बंगाल की रहने वाली पीड़िता ने उत्तर प्रदेश के देवरिया थाना क्षेत्र के भोलॉली निवासी अक्लु गुप्त के पुत्र अर्जुन गुप्ता, नानपुर थाना क्षेत्र के महिसौथा निवासी विजय यादव के पुत्र गौतम यादव, नयाटोल निवासी लक्ष्मी यादव के पुत्र राजीव यादव, बच्चा यादव के पुत्र मुकेश यादव समेत अन्य को नामजद आरोपी बनाया है। प्राथमिकी के अनुसार पीड़िता ने बताया है कि अर्जुन गुप्ता उसे अपने साथ रख स्टेज शो करवाता था। इस दौरान शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता था। जिसके बाद 15 अगस्त 2023 को एक कार्यक्रम के बहाने पीड़िता को बिहार लाया और उसे अपनी बहन के यहां छोड़कर काम के बहाना कर चला गया।

पीड़िता ने उससे मिलने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। एक दिन सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िता को जानकारी मिली तो वो उसके पुपरी स्थित घर पर पहुंची। अर्जुन गुप्ता और उसके तीन से चार साथी आपस में बैठकर शराब पी रहे थे। वहां पहुंचने के बाद आरोपियों ने सिर पर रिवाल्वर रख उसके साथ सभी ने दुष्कर्म किया गया। शनिवार को वह गई थी उसके पुपरी स्थित मकान पर जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है, उसके बाद कल ही थाना पर जाकर रात को एफआईआर करवाई है, थाना अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। लड़की बंगाल की है उसका परिजन यूपी में है फिलहाल इस का बयान लिया गया है उसका परिजन यहां नहीं रहता है।

'प्रधानमंत्री ने संसद में क्यों एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया', टीएमसी सांसद ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद में जवाब देंगे। उससे पहले टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने तंज कसते हुए कहा कि ये उनकी एक और मन की बात होगी। टीएमसी सांसद ने पूछा कि क्या वे इस बात का जवाब देंगे कि उन्होंने क्यों संसद में एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया?

डेरेक ओ ब्रायन ने कही ये बात

डेरेक ओ ब्रायन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी मन की बात का संसद संस्करण करेंगे। अपने भाषण में क्या वे हमें बताएंगे कि प्रधानमंत्री ने क्यों संसद में एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया? क्यों सांसदों के वोटिंग, चर्चा जैसे आधारभूत अधिकारों का भी उल्लंघन किया गया। उनका पांच साल का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है, लेकिन लोकसभा में डिप्टी स्पीकर क्यों नहीं है।

विपक्ष ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार गैर भाजपा राज्यों के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रही है। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा ऐसी परिस्थिति नहीं बन सकती क्योंकि पहले से इसकी व्यवस्था बनी हुई है और केंद्र सरकार उसी व्यवस्था और वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर काम करती है। वित्त मंत्री ने दावा किया कि राजनीति से प्रेरित होकर ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं।

विभिन्न धर्मगुरु भी आज पीएम मोदी से मिलने संसद भवन पहुंचे हैं। धर्मगुरु संसद की कार्यवाही देखेंगे और शाम में प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। धर्मगुरुओं ने बताया कि वे एकजुटता का संदेश देने आए हैं कि भारत एक है।

श्रीदेवी के मौत के मामले में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सीबीआई की ओर से श्रीदेवी के निधन के मामले को लेकर एक चार्जशीट दाखिल की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि स्वघोषित जांचकर्ता दीप्ति पिन्नीति ने यूट्यूब पर एक वीडियो एक्ट्रेस के मौत के संबंध जाली दस्तावेज पेश किए थे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित गणमान्य व्यक्तियों के फर्जी साइन थे।

बॉलीवुड की दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी का निधन फरवरी, 2018 में हुआ था। उनकी मौत बाथटब में डूबने की वजह से हुई थी। इसके पीछे कई वजहों को बताया जा रहा था। ऐसे में अब एक्ट्रेस की मौत के 6 साल बाद बड़ा खुलासा हुआ है। सीबीआई की ओर से स्वघोषित जांचकर्ता दीप्ति पिन्नीति पर शिकंजा कसा गया है। सीबीआई की ओर से एक चार्जशीट दाखिल की गई है, जिसमें दावा किया गया कि वो एक्ट्रेस की मौत के संबंध में अपने दावों का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित गणमान्य व्यक्तियों के

फर्जी पत्र पेश किए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स का मानें तो एक विशेष अदालत में सीबीआई की रिपोर्ट सौंपी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, जांच में पता चला है कि यूट्यूब पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से संबंधित पेश किए गए दस्तावेज जाली थे। ऐसे में इस मामले का खुलासा होने के बाद सीबीआई की ओर से पिन्नीति और कामथ के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की 120-बी (आपराधिक साजिश), 465, 469 और 471 सहित संबंधित धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

क्या बोले अधिकारी?

श्रीदेवी की मौत को लेकर अधिकारियों की ओर से रविवार को बताया गया कि पिछले साल सीबीआई ने मुंबई की वकील चांदनी शाह की शिकायत के बाद इस मामले को दर्ज किया था। सीबीआई की ओर से शिकायत के बाद भुवनेश्वर की दीप्ति आर. पिन्नीति और उनके वकील भरत सुरेश कामथ के खिलाफ मामला दर्ज किया था। चांदनी की ओर से आरोप लगाया गया था कि पिन्नीति ने कई दस्तावेज पेश किए थे, जिसमें प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पत्र, सुप्रीम कोर्ट से संबंधित दस्तावेज और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के रिकार्ड शामिल हैं, जो फर्जी प्रतीत होते हैं।

छगन भुजबल के इस्तीफे पर संजय राउत का महाराष्ट्र सरकार पर निशाना, कहा- वे हमें बेवकूफ बना रहे

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छगन भुजबल के इस्तीफे पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि छगन भुजबल ने देवेंद्र फडणवीस को अपना इस्तीफा दिया है जो कि अवैध है। मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, 'इस्तीफा मुख्यमंत्री को देना चाहिए। अगर छगन भुजबल ने देवेंद्र फडवीस को अपना इस्तीफा दिया है तो यह अवैध है। वे लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं।' शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान पर उन्होंने कहा, 'हम किसी के दुश्मन नहीं हैं। हम यहां लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए हैं। प्रधानमंत्री राज्य का दौरा करने आए, जो कि अच्छी बात है। लेकिन आप महाराष्ट्र में क्या लेकर आ रहे हैं? जब वे यहां आए, तो महाराष्ट्र के लोग डर गए।'

'पूरी दुनिया को भारत की जरूरत' : मोहन भागवत

मुंबई , 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्रा प्रतिष्ठा को एक साहसी कार्य बताया है। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही हो पाया है। महाराष्ट्र में पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान भागवत ने कहा कि भारत को अपने कर्तव्य के लिए उठना होगा। अगर यह किसी भी कार से समर्थ नहीं हुआ तो जल्द ही पूरे विश्व को विनाश का सामना करना पड़ सकता है।

रामलला की प्रा प्रतिष्ठा साहस

भरा काम

मोहन भागवत ने बताया कि रामलला 22 जनवरी को पहुंचे। लंबे संघर्ष के बाद यह एक साहस भरा काम था। उन्होंने कहा, आज की पीढ़ी के लिए यह सौभाग्य है कि उन्हें रामलला को अपने स्थान पर देखने का मौका मिला। यह केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही सफल हो पाया है। भागवत ने बताया कि उन्हें भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का मौका मिला।

पूरी दुनिया को भारत की जरूरत

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष को ऊपर उठना होगा, क्योंकि पूरी दुनिया को भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर किसी कारण से भारत नहीं उठ पाया तो पूरी धरती को विनाश का सामना करना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति बनी हुई है, जिससे बारे में दुनियाभर के बुद्धिजीवी जानते हैं। उन्होंने इस पर बात भी की है। बता दें कि गीता भक्ति अमृत महोत्सव गीता परिवार द्वारा आयोजित किया गया है। यह गोविंद देव गिरिजी महाराज की 75वीं जयंती का एक भव्य उत्सव है।

विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ ठाकरे गुट की याचिका को सूचीबद्ध करने को राजी सुप्रीम कोर्ट

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखिया और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट सोमवार को राजी हो गया। ठाकरे ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के 'असली शिवसेना' के फैसले को चुनौती दी है। दरअसल, नार्वेकर ने राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे वाली शिवसेना को 'असली शिवसेना' बताया है।

हम गौर करेंगे: सीजेआई

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता की उस दलील पर गौर किया कि सोमवार को सूचीबद्ध की जाने वाली याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। सीजेआई ने कहा, 'हम इस पर गौर करेंगे।'

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर 22 जनवरी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों से जवाब मांगा था। अदालत ने तब याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था।

ठाकरे गुट ने आरोप लगाया है कि शिंदे ने असंवैधानिक रूप से सत्ता हथिया ली और असंवैधानिक सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने शिंदे सहित सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की ठाकरे गुट की याचिका को भी खारिज कर दिया था। 10 जनवरी को अयोग्यता याचिकाओं पर अपने फैसले में स्पीकर ने किसी भी विधायक को अयोग्य नहीं ठहराया था। नार्वेकर ने कहा था कि कोई भी पार्टी नेतृत्व अंदरूनी असंतोष या अनुशासनहीनता को दबाने के लिए संविधान की 10वीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के प्रावधानों का उपयोग नहीं कर सकता है। स्पीकर ने कहा था कि जून 2022 में जब पार्टी विभाजित हुई तो शिंदे समूह को पार्टी के कुल 54 विधायकों में से 37 का समर्थन था। चुनाव आयोग ने 2023 की शुरुआत में शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को 'शिवसेना' नाम और 'धनुष और तीर' निशाना सौंप दिया था। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सुनाए गए आदेशों को चुनौती देते हुए ठाकरे गुट ने इसे स्पष्ट रूप से गैरकानूनी और गलत बताया और कहा कि दल-बदल के कृत्य को दंडित करने के बजाय दल-बदलुओं को पुरस्कृत किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट : तेजस्वी यादव की याचिका पर आदेश सुरक्षित मानहानि मामले को स्थानांतरित करने की है मांग

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव द्वारा मानहानि मामले में दायर की गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनके खिलाफ अहमदाबाद कोर्ट में चल रहे मानहानि मामले को राज्य के बाहर, प्राथमिक तौर पर दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस एएस ओका और जस्टिस उज्जल भुयन ने तेजस्वी यादव द्वारा दायर किए गए माफीनामे पर नोटिस लेने के बाद अपने आदेश को सुरक्षित रख लिया। तेजस्वी यादव ने बीते साल मार्च में दिए अपने एक बयान में कहा था कि 'अब की परिस्थितियों में सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकते हैं और उनकी धोखाधड़ी को माफ भी कर दिया जाएगा।' तेजस्वी यादव के इस बयान के खिलाफ गुजरात के रहने वाले हरेश मेहता ने तेजस्वी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया था। मेहता ने आरोप लगाया कि तेजस्वी के बयान से गुजरातियों की मानहानि हुई है।

इस मामले की सुनवाई अहमदाबाद की कोर्ट में चल रही थी। जिस पर तेजस्वी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की सुनवाई को गुजरात से बाहर ट्रांसफर करने की मांग की थी। तेजस्वी ने बीती 19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर इस मामले को वापस लेने की मांग की थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव को अपने आरोपों को वापस लेते हुए अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय आए ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के न्यायाधीशों सहित विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। तीन फरवरी को आयोजित राष्ट्रमंडल अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन के लिए विभिन्न देशों के न्यायाधीश, सॉलिसिटर और अटॉर्नी जनरल भारत दौरे पर आए हुए हैं। न्यायिक कार्यवाही देखने के लिए कई गणमान्य व्यक्ति सोमवार को शीर्ष अदालत पहुंचे।

महाराष्ट्र में पांच सीटों पर एआईएमआईएम की लड़ने की योजना, विपक्ष और सत्ताधारियों पर निशाना

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उ ल - मु ि स्ल मी न (एआईएमआईएम) आगामी आम चुनावों में महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीटों में से पांच पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। इस बात का दावा खुद पार्टी के एक नेता ने किया। साथ ही उन्होंने विपक्षियों और सत्ताधारियों पर जमकर निशाना साधा।

इन पांच सीटों पर दावा

एआईएमआईएम के महाराष्ट्र के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अब्दुल गफ्फार कादरी ने रविवार को भिवंडी शहर में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य उत्तर मुंबई, धुले, नांदेड़, भिवंडी और छत्रपति संभाजीनगर सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का है। इसलिए असदुद्दीन ओवैसी नीत पार्टी प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए इन निर्वाचन क्षेत्रों में सर्वेक्षण कर रही है।

इन पर साधा निशाना

इस बीच, कादरी ने विपक्षी दलों- कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) पर निशाना साधते हुए उन्हें धर्मनिरपेक्ष दल बताया और दावा किया कि वे एआईएमआईएम को 'अछूत' मानते हैं। उन्होंने एआईएमआईएम के साथ तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों द्वारा किए जा रहे व्यवहार पर सवाल उठाए, जो विपक्षी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी आलोचना की, जिन्होंने हाल ही में महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों) और इंडिया गठबंधन को छोड़ दिया और भाजपा के साथ एक नई सरकार बनाई, जिसे उन्होंने 18 महीने पहले ही छोड़ दिया था।

सबकुछ ठीक नहीं

एआईएमआईएम नेता ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। कादरी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि वह राज्य को बिहार जैसी स्थिति की ओर ले जा रहे हैं।

इसके अलावा, ठाणे जिले के मीरा-भयंदर इलाके में हाल ही में हुई झड़पों के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के घरों को गिराए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा के किसी विधायक के खिलाफ भी ऐसी ही कोई कार्रवाई की जाएगी, जिन पर जिले के एक पुलिस थाने के भीतर शिवसेना के नेता पर गोली चलाने का आरोप है।

अधिकारियों ने बताया था कि भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने हिल लाइन थाने के केबिन में शुक्रवार देर रात कल्याण सेना नेता महेश गायकवाड़ को कथित तौर पर छह गोलियां मार दीं और उनके सहयोगी राहुल पाटिल को घायल कर दिया। कल्याण पूर्व से तीन बार विधायक रहे खान पर हत्या की कोशिश और अन्य अपराधों का आरोप लगाया गया है।

गोभी मंचूरियन को लेकर गोवा में बवाल

पणजी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गोवा के शहर में गोभी मंचूरियन को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। एक पार्षद का दावा है कि गोभी मंचूरियन तैयार करने में सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कहा कि विक्रेता अस्वच्छ वातारण में काम करते हैं। इसके चलते व्यंजन की ब्रिकी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विक्रेताओं को कड़े निर्देश दिए गए थे कि अगर वो स्टॉल लगाएंगे तो, वे गोभी मंचूरियन नहीं बेचेंगे। हालांकि एफडीए के वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने इस दावे का खंडन किया है। लेकिन एफडीए ने कहा कि विक्रेताओं को निम्न गुणवत्ता वाले सॉस का उपयोग करने के लिए भी फटकार लगाई गई थी, जो उपभोग के लिए हानिकारक हैं।

गोभी मंचूरियन को लेकर बवाल

लाल रंग में परोसे जाने वाला गोभी मंचूरियन को लेकर विवाद खड़ा हुआ । गोवा में मापुसा नगर परिषद ने हाल ही में स्टालों और दावतों से प्रतिबंधित कर दिया। इस पहल का नेतृत्व पिछले महीने बोडगेश्वर मंदिर उत्सव के दौरान पार्षद तारक अरोलकर ने किया था।

दंपती को नहीं हुआ बच्चे से भावनात्मक लगाव बॉम्बे हाईकोर्ट ने गोद देने का आदेश रद्द किया

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक नाबालिग बच्चे को देने के फैसले को रद्द कर दिया है। दरअसल, गोद लेने वाले दंपती ने अदालत में कहा था कि उनका बच्चे से भावनात्मक लगाव नहीं हो पाया। वह बच्चे से किसी भी तरह का कोई रिश्ता नहीं बना पाए, इसलिए वह उसे वापस करना चाहते हैं। इस पर अदालत ने गोद देने के फैसले को रद्द कर दिया।

पांच महीने में वापस लौटाने की याचिका

अगस्त 2023 में बाल आशा ट्रस्ट के माध्यम से याचिका दायर कर दंपती ने बच्चे को गोद लिया था। गोद लेने के पांच महीने बाद दंपती ने ट्रस्ट से बच्चे के अनियंत्रित बुरे व्यवहार और आदतों की शिकायत की थी। साथ ही कहा था कि उनका बच्चे से भावनात्मक लगाव नहीं हो पाया है, इसलिए हम बच्चे को वापस करना चाहते हैं। इसके लिए वे सभी नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं।

बता दें कि दंपती की पहले से एक बेटी है। ट्रस्ट ने दंपती को बच्चे के व्यवहार को समझने के लिए काउंसलिंग का सुझाव दिया है। ताकि बच्चे के बर्ताव में सुधार लाने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। इस बीच ट्रस्ट ने गोद देने वाले बच्चों से जुड़ी विशेषज्ञ सेंट्रल और स्टेट अडॉप्शन रिसोर्स, डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट को दंपती के घर का अध्ययन करने का सुझाव दिया।

हाईकोर्ट का फैसला

दंपती ने ट्रस्ट की सलाह पर काउंसलिंग में भी भाग लिया। इस दौरान पाया कि उनका बच्चे से कोई लगाव नहीं हो पाया है। इस पर हाईकोर्ट की पीठ ने गोद देने के आदेश को रद्द करने और बच्चे के नाम पर दिए गए दो लाख रुपये का निवेश दंपती को लौटाने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि दत्तक माता-पिता को निर्देश दिया जाता है कि वे बच्चे से संबंधित सभी मूल रिपोर्ट और दस्तावेज तुरंत याचिकाकर्ता-संस्थान को लौटाएं।

'पैगाम ए मोहब्बत है': प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पहुंचे धर्मगुरु, बोले- दुनिया को पता चले कि भारत एक है

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिलने संसद भवन पहुंचे। धर्मगुरु संसद की कार्यवाही भी देखेंगे। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के मुखिया इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि 'पैगाम ए मोहब्बत है, पैगाम देश है। आज हम प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे।' सूद ने कहा 'आज इंडियन मॉइनॉरिटी ऑर्गेनाइजेशन विभिन्न धर्मगुरुओं के साथ ससंद भवन पहुंची है। वे चाहते हैं कि दुनिया को पता चले कि भारत एक है।'

'इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म'

इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा हम मानवता का संदेश देना चाहते हैं और बताना चाहते हैं कि यही सबसे बड़ा धर्म है। हम भारत में रहते हैं और भारतीय हैं। हमें देश को मजबूत बनाना चाहिए। हम एकजुट हैं। महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर के अध्यक्ष भिखु संघासेना ने कहा यह ऐतिहासिक पल हैं कि हम नई संसद भवन परिसर आए हैं और पीएम मोदी से बात करेंगे। हम सभी को देश की समृद्धि के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए।

धर्मगुरुओं ने संसद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। संसद में प्रधानमंत्री मोदी आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देंगे। प्रधानमंत्री शाम पांच बजे संबोधन करेंगे। भाजपा ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सोमवार को संसद में मौजूद रहने को कहा है।

कांग्रेस ने पेटीएम मामले में सीबीआई की चुप्पी पर उठाए सवाल

29 फरवरी के बाद नहीं मिलेंगी पेटीएम पेमेंट बैंक की सेवाएं

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर 29 फरवरी 2024 के बाद काम करने पर रोक लगा दी है। अब इसे लेकर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 'रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट बैंक को प्रतिबंधित कर दिया है और 29 फरवरी के बाद उसका कोई अस्तित्व नहीं रहेगा। रिजर्व बैंक ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। साल 2017 से अनियमिताएं हो रहीं थीं। जब आरबीआई ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए हैं तो फिर सीबीआई इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए है?'

श्रीनेत ने आरोप लगाया कि ईडी के 95 प्रतिशत केस सिर्फ राजनेताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने सवाल किए कि इतने सारे उल्लंघन के बावजूद पेटीएम को इतनी लंबी राहत क्यों दी जा रही है? मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर ईडी ने अब तक क्या कार्रवाई की है?

पेटीएम ने भाजपा और पीएम केयर्स फंड में को कितना दान किया है?

रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट बैंक में मनी लॉन्ड्रिंग होने की आशंका जताई और साथ ही पेमेंट बैंक में सैंकड़ों करोड़ रुपये के लेनदेन होने पर भी चिंता जताई। यही वजह है कि आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट बैंक की सेवाओं पर 29 फरवरी के बाद रोक लगा दी है। फिलहाल पेटीएम की रिजर्व बैंक के साथ बात हो रही है। रिजर्व बैंक ने अनियमितताओं को दूर करने को कहा है। रिजर्व बैंक के प्रतिबंध के बाद पेटीएम के शेयरों में 40 फीसदी की गिरावट आयी है।

पेटीएम पेमेंट बैंक के कामकाज में मिलीं कई खामियां

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिजर्व बैंक को पेटीएम की केवाईसी में कई अनियमितताएं मिली हैं। आरोप है कि पेटीएम ने लाखों ग्राहकों की केवाईसी ही नहीं की थी। लाखों अकाउंट का पैन वैलिडेशन नहीं किया गया। कई ग्राहकों के लिए एक ही पैन कार्ड का इस्तेमाल हो रहा था। आरोप है कि कंपनी की तरफ से रिजर्व बैंक को कई बार गलत जानकारियां दी गईं। 31 जनवरी 2024 को रिजर्व बैंक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पेटीएम पेमेंट बैंक को नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगा दी। साथ ही एक एक्सटर्नल टीम से सारे ऑडिट कराने की भी बात कही थी।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 6 फरवरी - 2024

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं

अशोक भाटिया

बिहार में कुछ दिन पहले एक सियासी तूफान आया था जो बाद में थम गया लेकिन एक बार फिर से बिहार में सियासी बवंडर आने वाला है। ये बवंडर ऐसा है जो किसी भी ओर रुख कर सकता है। लोकसभा चुनाव से पहले अगले आने वाले दिनों में आपको बहुत कुछ देखने को मिलेगा। अभी हाल ही में बिहार से अलग हुए झारखंड में सियासी हलचल देखने को मिली जहां फ्लोर टेस्ट से पहले सत्तारुढ़ पार्टी के विधायक खरीद-फरोख्त से बचने के लिए रांची से हैदराबाद के लिए रवाना हो गए थे। अब यही चीज बिहार में भी देखने को मिल रही है। बिहार के भी विधायक को खरीद-फरोख्त का डर सता रहा है। झारखंड के बाद अब बिहार के भी विधायक खरीद-फरोख्त के डर से हैदराबाद के लिए रवाना हुए हैं। बता दें कि महागठबंधन से नाता तोड़कर नीतीश कुमार एनडीए में शामिल हो गए थे और 28 जनवरी को उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर उसी दिन शाम में फिर से 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। बिहार के राज्यपाल ने भी नीतीश सरकार को फ्लोर टेस्ट कराने की बात कही थी। बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार अग्नि परीक्षा यानि फ्लोर टेस्ट 12 फरवरी को होना है। उससे पहले ही यहां पर सियासी हलचल तेज हो गई है। फ्लोर टेस्ट से पहले बिहार कांग्रेस के 18 विधायक हैदराबाद के लिए रवाना हो गए। विधायकों के साथ बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा भी गए हैं। बिहार में कांग्रेस के 19 विधायक है। विधायक अनवरुल हक निजी कारणों से दिल्ली में ही रूके हुए हैं। बताया जाता है जो 18 विधायक हैदराबाद गए हैं वे सभी 12 फरवरी तक पटना लौटेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के कुछ विधायक जदयू के संपर्क में हैं। इसी कारण पार्टी ने फैसला लेते हुए सभी विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट करने का फैसला लिया है। एक तरफ बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले कांग्रेस में टूट का डर है तो दूसरी तरफ बिहार के सत्ताधारी गठबंधन एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। नीतीश सरकार को समर्थन दे रहे हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (HAM) प्रमुख जीतनराम मांझी लगातार अपनी मांग पर अड़े हैं। मांझी का कहना है कि उनकी पार्टी को सरकार में दो मंत्री पद दिए जाने का वादा किया गया था, उसे पूरा किया जाए। अभी सिर्फ मांझी के बेटे संतोष सुमन को मंत्री बनाया गया है। मांझी की मांगों को चिराग पासवान ने भी समर्थन देकर मुद्दे को हवा दे दी है। मांझी की पार्टी के 4 विधायक हैं। एक हफ्ते पहले ही मांझी को राजद की तरफ से ऑफर दिए जाने की खबरें आई थीं हालांकि हिंदुस्तान आवाम मोर्चा ने दावों को नकार दिया था और एनडीए के साथ रहने का दम भरा था। चर्चा है कि मांझी की प्रेशर पॉलिटिक्स के आगे नीतीश सरकार को झुकना पड़ सकता है। राज्य में विधानसभा का नंबरगेम बड़ी वजह बन रहा है। दरअसल, 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होना है। विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। इसके लिए 122 विधायकों का समर्थन जरूरी है। सत्ता पक्ष के पास 128 विधायकों का समर्थन है यानी बहुमत से 5 ज्यादा विधायक समर्थन में हैं। बीजेपी के 78, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के 4, जदयू के 45 और एक निर्दलीय विधायक का समर्थन हासिल है, वहीं विपक्ष की बात करें तो कुल 114 विधायकों का समर्थन है यानी बहुमत से सिर्फ 8 विधायकों की दूरी। राजद के 79, कांग्रेस के 19 और लेफ्ट के 16 विधायक हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएमका भी एक विधायक है, जो ना तो एनडीए में शामिल है और ना ही महागठबंधन में। इससे पहले जेडीयू विधायक गोपाल मंडल ने ये कहकर चौंका दिया कि बहुमत परीक्षण में कुछ भी हो सकता है। उधर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पहले ही कह चुके हैं कि बिहार की सियासत में खेल अभी बाकी है। अब उनकी पार्टी के नेता दावा कर रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मांझी ही एनडीए की राह में मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं हालांकि जीतनराम के बेटे संतोष सुमन ऐसी किसी अटकलों से इनकार कर रहे हैं। एक और मंत्री पद की दावेदारी को पार्टी नेताओं की इच्छा बता रहे हैं। संतोष कहते हैं कि पार्टी के संरक्षक की डिमांड है। उनकी बात को गौर से सुना जाए तो उन्होंने (जीतनराम) कहा था कि हम नरेंद्र मोदी जी के प्रति आस्था रखते हैं और हम यहीं रहेंगे। उन्होंने मांग की है। अगर मंत्री के तौर पर मुझसे पूछते हैं तो मैं यही कहूंगा कि जो मुझे मिला है, उससे संतुष्ट हैं और मिलकर काम करेंगे। हालांकि, बिहार की सियासत में दांव-पेच से माहौल गरमाया हुआ है। हिंदुस्तान आवाम मोर्चा की कोशिश है कि नई सरकार में एक महत्वपूर्ण विभाग लिया जाए या एक और मंत्री की मांग को आगे बढ़ाया जाए। कि जीतनराम मांझी के बारे में चर्चा होती रही है कि वो महागठबंधन खेमे के संपर्क में है। ऐसी खबरें बार-बार आईं और मंत्री संतोष सुमन ने इन खबरों को खारिज किया। रविवार देर शाम भी एक चर्चा सामने आई कि मांझी के बेटे संतोष सुमन ने नई सरकार के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। चर्चा इतनी ज्यादा हुई कि बाद में खुद संतोष सुमन ने ट्वीट करके कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है और मैं एनडीए के साथ हूं। चर्चाएं कई तरह की हो रही हैं। जीतनराम मांझी की तरफ से लगातार यह कहा जाता रहा है कि दूसरे खेमे से डिप्टी सीएम और सीएम पद का ऑफर मिल रहा है। उसके बावजूद वो एनडीए के साथ खड़े हैं। अब एनडीए की सरकार में जीतनराम मांझी के बेटे संतोष सुमन को जो विभाग (एससी-एसटी कल्याण विभाग) दिया गया है, वो वही पुराना मंत्रालय है जिसकी जिम्मेदारी पहले भी महागठबंधन की सरकार में संतोष के पास रही है। आरजेडी इन कयासों को भी खूब भुना रही है। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी कहते है कि मांझी जी को एनडीए की नाव डुबाएंगे और पतवार की लेकर भागेंगे। उनका सम्मान नहीं हो रहा है। उनकी जो मांग है, वो एनडीए के लोग पूरा नहीं करेंगे। अभी तक कोई काम एक कदम आगे नहीं बढ़ा है। ये बता रहा है कि सबकुछ गड़बड़ है और ये आने वाले तूफान के पहले की खामोशी है। इधर, बिहार में बदली सियासत के बीच डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। जाहिर है कि बिहार में अब लोकसभा चुनाव की गहमागहमी है। दोनों ओर से तैयारी 40 सीटों की जंग को लेकर हो रही है। लेकिन इस बीच हो रही बयानबाजी से सियासत अलग रंग ले रही है। बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का भी एक विधायक है, जो ना तो एनडीए में शामिल है और ना ही महागठबंधन में। आंकड़ों को देखें तो एनडीए हो या महागठबंधन, नीतीश कुमार की पार्टी जिधर का रुख कर लेती है, उधर आसानी से सरकार बन और बिगड़ जाती है। फिलहाल, महागठबंधन को सरकार बनाने के लिए आठ विधायकों का समर्थन जुटाना होगा। जीतनराम मांझी की हम पार्टी अगर महागठबंधन के साथ जाने का विकल्प चुनती है तो विधायकों का आंकड़ा 118 तक पहुंच जाएगा। एआईएमआईएम के एकमात्र विधायक का समर्थन भी अगर राजद नेतृत्व को मिल जाता है तो फिर महागठबंधन को सिर्फ तीन विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। दूसरा विकल्प यह भी है कि महागठबंधन मांझी और एआईएमआईएम को साथ लाए और फिर जेडीयू या बीजेपी में सेंध लगा दे। मांझी और ओवैसी के विधायक के साथ आने के बाद जेडीयू या बीजेपी के छह विधायक अगर विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दें तो बिहार विधानसभा की सदस्य संख्या 237 रह जाएगी और फिर बहुमत का आंकड़ा 119 विधायकों (एआईएमआईएम+) का होगा। ऐसे में महागठबंधन की सरकार बन सकती है। महागठबंधन सरकार के लिहाज से तीसरी स्थिति यह है कि नीतीश या एनडीए के खेमे से 16 विधायक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दें।

अगर ऐसा होता है तो बिहार विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 227 रह जाएगी। ऐसे में बहुमत का आंकड़ा 114 विधायकों का रह जाएगा और इस स्थिति में भी महागठबंधन सरकार बन सकती है।

भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी

आडवाणी बीजेपी के उन वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने जनसंघ के समय से पार्टी को पासा-पोषा और बडा किया है। ऐसे में लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करना राजनीति की उस परंपरा को गौरवान्वित करना है , जो हर जरूरी मौके पर दलगत सीमाओं से ऊपर है। इस तरह का सम्मान पाने की क्षमता से अवार्ड खुद सम्मानित हो जाता है। आडवाणी को भारत रत्न मिलना निश्चित रूप से यह एक बड़ा फैसला है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। यह सम्मान भी उन्हें ऐसे समय में लिया गया है जब अयोध्या के राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हो चुका था। जाहिर है राम जन्मभूमि आंदोलन को परवान चढ़ाने का श्रेय यदि किसी राजनीतिक नेता को दिया जा सकता है तो निश्चित रूप से वह आडवाणी ही हैं। नब्बे के दशक की शुरुआत में की गई उनकी रथयात्रा ने इस मुद्दे को जितनी मजबूती दी, उतनी शायद ही किसी अन्य घटना ने दी हो। शायद इसीलिए विरोधियों ने अफवाह फैलाना शुरू कर दिया था कि राममंदिर आंदोलन को जितना श्रेय दिया जाना चाहिए था उतना नहीं दिया गया। लेकिन राम जन्मोत्सव के तत्काल बाद जैसे ही उन्हें भारत रत्न देने का फैसला लिय गया उसके साथ ही उन तमाम आलोचनाओं पर विराम लग गया है। इसके पहले नरेंद्र मोदी सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की थी। उनके इस फैसले का भी सभी राजनीतिक दलों ने खुले मन से समर्थन किया था। फिर भी कहीं न कहीं यह बात भी दर्ज कराई गई थी कि सरकार ने उस समाजवादी धारा को सम्मानित किया जो वैचारिक तौर पर मौजूदा राष्ट्रवादी धारा के खिलाफ मानी जाती है। ऐसे में जाने-अनजाने इस फैसले ने राजनीतिक संतुलन की जरूरत को भी पूरा कर दिया है। लेकिन पूर्व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने के फैसले का सबसे बड़ा संदेश है जो इन छोटी-मोटी जरूरतों से काफी आगे तक की सोच को दर्शाता है। आडवाणी की राजनीति में भले ही एक तरह की वैचारिक आक्रामकता रही हो और इस वजह से समर्थन और विरोध में तीव्र भावनाएं देखने को मिलती हों, लेकिन जब उनके व्यक्तिगत आचरण की बात आती है तो उन्होंने हमेशा शुचिता को बनाए रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उनकी शुचिता के तो उनके कट्टर विरोधी भी कायल रहे हैं। हवाला घोटाला में नाम आते ही आडवाणी ने न सिर्फ संसद की सदस्यता छोड़ दी थी बल्कि यह भी कहा था कि जब तक बेदाग नहीं साबित हो जाते तब तक न तो चुनाव लड़ेंगे और न ही कोई सार्वजनिक पद स्वीकार करेंगे। उनके राजनीतिक जीवन का जो नकारात्मक बिंदु कहा जा सकता है वह है उनकी अगुआई वाले आंदोलन के दौरान बाबरी मस्जिद का तोड़ा जाना, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी अपराध करार दिया है। लेकिन यहां खास बात यह रही कि उन्होंने कभी उस घटना का समर्थन नहीं किया था। वह हमेशा मंदिर आंदोलन की रचनात्मक विशिष्टता को रेखांकित करते हुए उसे देश की गौरवशाली आध्यात्मिक परंपरा से जोड़े रखने पर जोर देते थे। इसलिए ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व को भारत रत्न देने का फैसला निस्संदेह सराहनीय कदम है।

सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर

हर्षवर्धन पाण्डे

लता की मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी । उनकी आवाज़ दिल को छूती नहीं, बल्कि दिल में बस जाती थी। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चाँद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया । सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता दीदी की वो आवाज हर किसी के दिल के तारों को आज भी झंकृत कर देती है । हिंदी सिनेमा के 100 बरस से अधिक के सफ़र में लता दीदी की गायकी सिल्वर स्क्रीन पर चार चाँद लगा देती है। एक ऐसी आवाज हिन्दी फ़िल्म संगीत में हमेशा के लिए अमर रहेगी। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर का जन्म के वक्त नाम 'हेमा' रखा गया था लेकिन कुछ साल बाद अपने थिएटर के एक पात्र 'लतिका' के नाम पर, दीनानाथ जी ने उनका नाम 'लता' रखा। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे । लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता जी ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी और थिएटर में एक्टिंग किया करती थी। जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता जी को अपनी बहन 'आशा' को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया।सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था। काफी समय तक उन्हें कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला । प्रोजेक्ट नहीं मिलने की दो वजहें थीं। एक तो साल 1940 के दौर में जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में एंट्री ली बॉलीवुड में नूर जहां और शमशाद का दबादबा था और दूसरा लता की आवाज़ की पिच काफी हाई थी और आवाज़ पतली, ऐसे में उस दौर के चलन में चल रहे गानों के मुताबिक आवाज भी फिट नहीं बैठती थी। प्रोड्यूसर सशधर मुखर्जी ने लता मंगेशकर की आवाज को 'पतली आवाज' कहकर अपनी फिल्म 'शहीद' में गाने से मना कर दिया था। फिर म्यूजिक डायरेक्टर गुलाम हैदर ने लता मंगेशकर को फिल्म 'मजबूर' में 'दिल मेरा तोडा, कहीं का ना छोड़ा' गीत गाने को कहा जो काफी सराहा गया । लता मंगेशकर के पिता नहीं चाहते थे कि वो फ़िल्मों के लिये गाने गाये लेकिन लता मंगेशकर बचपन से ही गायक बनना चाहती थीं। लता ने वसंग जोगलेकर द्वारा निर्देशित एक फ़िल्म कीर्ती हसाल के लिये पहली बार गाना गाया था लेकिन उनके पिता नहीं चाहते थे कि लता फ़िल्मों के लिये गाये इसलिये इस गाने को फ़िल्म से निकाल दिया गया लेकिन वसंत जोगलेकर लता की प्रतिभा से काफी प्रभावित हुए । साल 1942 में उनके पिता इस दुनिया को छोड़ गए और लता मंगेशकर के कंधों पर परिवार को संभालने की सारी ज़िम्मेदारी आ गई ।

पिता की मौत के बाद लता को पैसों की बहुत किल्लत झेलनी पड़ी और काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी वज़ह से लता मंगेशकर ने 1942 से लेकर 1948 तक करीब 8 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किय । 40 के दशक में लता मंगेशकर जब फिल्मों में गाना शुरू किया तो वो लोकल पकड़कर अपने घर मलाड जाती थी। वहां से उतरकर पैदल स्टूडियो बॉम्बे टॉकीज जाती। रास्ते में किशोर दा भी मिलते लेकिन वो एक दूसरे को नहीं पहचानते थे। किशोर कुमार लता मंगेशकर की ओर देखते रहते। कभी हंसते। कभी अपने हाथ में पकड़ी छड़ी घुमाते रहते। लता मंगेशकर को किशोर कुमार की ये हरकत अजीब लगती थी ।हिंदी सिनेमा में उन्होंने पहला गाना साल 1943 में गाया। ये गाना था फिल्म 'गजाभाऊ' का और इसके बोले थे माता एक सपूत की दुनिया बदल दे तू ।हालांकि इस गाने से लता को कुछ खास पहचान नहीं मिल सकी। लता मंगेशकर खेमचंद प्रकाश की एक फिल्म में गाना गा रही थी। एक दिन किशोर दा भी उनके पीछे-पीछे स्टूडियो पहुंच गए।

प्रदूषण का थर्मामीटर भी प्लास्टिक प्रदूषण की जद में

सुनील कुमार महला

कहलाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि अंटार्कटिका पृथ्वी का दक्षिणतम महाद्वीप है, जिसमें दक्षिणी ध्रुव अंतर्निहित है। यह दक्षिणी गोलार्द्ध के अंटार्कटिक क्षेत्र और लगभग पूरी तरह से अंटार्कटिक वृत के दक्षिण में स्थित है। यह चारों ओर से दक्षिणी महासागर से घिरा हुआ है। लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज अंटार्कटिका जैसी ठंडी जगह भी प्रदूषण से पूरी तरह से मुक्त नहीं है और अंटार्कटिका महाद्वीप पर पानी में प्लास्टिक के कण मिले हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि धरती पर मौजूद सभी सात महाद्वीपों में अंटार्कटिका सबसे ठंडा महाद्वीप है और वो इसलिए कि यहां का 98 फीसदी हिस्सा बर्फ से ढंका हुआ है।

कहते हैं कि लगभग दो किलोमीटर की मोटी परत के रूप में बर्फ अंटार्कटिका की धरती पर फैली हुई है। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित इस महाद्वीप पर तेज हवाएं चलती हैं, यहां का तापमान हमेशा चार डिग्री से नीचे ही रहता है। रिसर्चरों ने इस बात की खोज की है कि दुनिया का अत्यंत ठंडा ये महाद्वीप भी प्रदूषण की जद में आ चुका है। धरती के कोने पर आबादी से बहुत दूर होने के बावजूद यहां पानी में प्लास्टिक के कण मिलना हर किसी को अंचभित करता है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर यहां प्रदूषण फैला कैसे ?

तो इसका सटीक उत्तर यह है कि मानव ही कहीं न कहीं इसका कारण है। यहां पर प्रदूषण का पता लगाकर रिसर्चर धरती पर लगातार बढ़ते प्रदूषण का हाल जान जाते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि अंटार्कटिका पर ताजे पानी का बहुत बड़ा विशाल भंडार है जिसमें माइक्रोप्लास्टिक के कण मिले हैं। प्रश्न उठता है कि आखिर ये प्लास्टिक आता कहां से है जबकि यहां पर आबादी न के बराबर है।

वास्तव में माइक्रोप्लास्टिक अपने आप में एक प्रदूषक है। प्रकृति या सागर कभी भी प्लास्टिक पैदा नहीं करते हैं। प्लास्टिक मानव ही निर्मित करता है और मानव जनित गतिविधियों के कारण ही आज अंटार्कटिका जैसी जगह भी प्लास्टिक से अछूती नहीं रही है। यहां पानी में सूक्ष्म जीवों के साथ प्लास्टिक के कण भी मिले हैं। इस प्लास्टिक का यहां होना इलाके के जीवों के लिए बहुत ही खतरनाक है। वास्तव में, माइक्रोप्लास्टिक कछुओं और पक्षियों सहित जलीय जीवों को नुकसान पहुँचाता है। यह पाचन तंत्र को अवरुद्ध करता है, और खाने के व्यवहार को बदल देता है। इसके बाद, यह समुद्री जानवरों में वृद्धि और प्रजनन उत्पादन को कम कर देता है।

विदित हो कि वैज्ञानिकों ने क्रस्टेशियंस, कीड़े, मछली, समुद्री कछुए और सील सहित सैकड़ों समुद्री जानवरों में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया है और उन्हें उत्तरी अटलांटिक से लेकर तटीय अर्जेंटीना से लेकर दक्षिण चीन सागर तक दुनिया भर में प्लास्टिक खाने वाले जानवर मिले हैं। वास्तव में अंटार्कटिक जल में प्लास्टिक प्रदूषण एक उभरता हुआ खतरा है। वास्तव में माइक्रोप्लास्टिक्स कई स्रोतों से आ सकते हैं यथा व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद जैसे टूथपेस्ट, शैंपू और शॉवर जैल, कपड़े धोने से सिंथेटिक फाइबर और प्लास्टिक मलबे के बड़े टुकड़ों के टूटने से। माइक्रोप्लास्टिक आर्कटिक और अंटार्कटिक के समुद्रों में पाए गए हैं, जिनमें सतही जल और गहरे समुद्र और उथले तलछट शामिल हैं।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि न्यूजीलैंड में कैंटरबरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिका में 19 स्थानों से नमूने एकत्र किए और प्रत्येक में छोटे प्लास्टिक के टुकड़े थे।माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक सामग्री के क्षरण से उत्पन्न होते हैं और चावल के दाने से भी छोटे होते हैं - कभी-कभी नग्न आंखों के लिए भी अदृश्य होते हैं शोधकर्ताओं को पिघली हुई बर्फ में प्रति लीटर औसतन 29 कण मिले हैं। उन्होंने 13 विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक की पहचान की और सबसे आम पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) था, जिसका उपयोग ज्यादातर शीतल पेय की बोतलों और कपड़ों में किया जाता था।

यह 79% नमूनों में पाया गया। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम धरती के दिल कहलाने वाले इस खूबसूरत महाद्वीप को लगातार अपनी गतिविधियों से गंदा व प्रदूषित कर रहे हैं। अंटार्कटिका में प्लास्टिक का मिलना यह दर्शाता है कि दुनिया अपने कचरे का निस्तारण ठीक से नहीं कर रही है और धरती पर लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। आज अंटार्कटिका में जो प्लास्टिक मिल रहा है, संभवतया वह बहुत पहले इस्तेमाल हुआ होगा, क्यों प्लास्टिक के ये कण बहुत ही महीन हैं और प्लास्टिक को अपघटित होने में सैकड़ों हजारों वर्ष का लंबा समय लग जाता है।

यहां यह भी विदित हो कि माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के वे कण होते हैं, जिनका व्यास 5 मिमी. से कम होता है।

हम आने वाली पीढ़ियों के लिए माइक्रोप्लास्टिक छोड़ रहे हैं, हालांकि वर्तमान में जो प्लास्टिक अंटार्कटिका में मिला है वह हमारी पीढ़ी का नहीं है। कुछ समय पहले प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अंटार्कटिका के आसपास के पानी में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा अब तक अनुमानित पांच गुना अधिक है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अंटार्कटिक महासागर लगभग 8.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला है और पृथ्वी के महासागरों का 5.4% प्रतिनिधित्व करता है। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र असुरक्षित है। ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिक सागर में प्रवाह या माइक्रोप्लास्टिक के बारे में सभी उपलब्ध जानकारी का अध्ययन किया है।

उन्होंने गणना की है कि क्षेत्र में पर्यटन, मछली पकड़ने और वैज्ञानिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों से 500 किलोग्राम तक माइक्रोबीड्स और 25.5 बिलियन सिंथेटिक फाइबर प्रति दशक पानी में प्रवेश करते हैं। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2019 के एक स्टडी में यह अनुमान लगाया गया है कि अंटार्कटिक प्रायद्वीप के पास सतही जल में प्रति वर्ग किलोमीटर औसतन लगभग 1,800 प्लास्टिक के टुकड़े थे। जानकारी देना चाहूंगा कि माइक्रोप्लास्टिक अंटार्कटिक महासागर की सभी परतों में पाए जाते हैं, जिसमें दक्षिणी ध्रुव के तट पर समुद्र तल भी शामिल है।

एडवेंचर साइंस के हालिया शोध से पता चलता है कि अंटार्कटिक प्रायद्वीप के आसपास के समुद्र में प्रति लीटर औसतन 22 माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े होते हैं।

भारतवंशी ने अमेरिका में बजाया भगवान श्री राम के नाम का डंका

अजय कुमार शुक्ला

मौजूदा समय में पूरी दुनिया में सुर्खियों में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर है। भगवान श्री राम के जन्मस्थली वाले जिले फैज़ाबाद सटे जौनपुर जिले के मूल निवासी सीवी यादव ने अमेरिका में भगवान श्री राम के नाम का डंका बजा दिया है। हाल में ही अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की है। अमेरिका के जॉर्जिया में भगवान राम का भव्य मंदिर और रामायण म्यूजियम बनवाने की तैयारी में जुटे हैं। जार्जिया में बनने वाले रामायण म्यूजियम और राम मंदिर के लिए भूमि पूजन के लिए मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ से लखनऊ में मिलकर आमन्त्रण दिया है। इसी दौरान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से सी बी यादव ने की मुलाकात की। यूपी के जौनपुर जिले के बदलापुर क्षेत्र के नेवादा मुखलिसपुर गांव के सी बी यादव रहने वाले वाले हैं। सी बी यादव (चंद्रभूषण यादव) अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत के प्रथम कमिश्नर हैं। भारत दौरे पर आए सी बी यादव ने एक दिन पूर्व लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें अगले वर्ष अमेरिका के जार्जिया में रामायण म्यूजियम और भगवान राम के भव्य मंदिर के भूमि पूजन करने के लिए मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया है।

सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री योगी जी ने कार्यक्रम में भाग लेने की सहमति प्रदान कर दी है। लखनऊ प्रवास के दौरान सी बी यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवास पर उनसे और उनकी पत्नी डिंपल यादव से मुलाकात की। कुछ दिनों पूर्व भारत के दौरे पर आए श्री यादव ने वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किया । इसके उपरांत बदलापुर क्षेत्र के नेवादा मुखलिसपुर पैतृक गांव में पहुंचकर परिवार वालों से थोड़ी देर मुलाकात की और लखनऊ रवाना हो गए। बातचीत के दौरान सी बी यादव ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर बनने के बाद पूरा देश रामायण हो गया है। उन्होंने भी अमेरिका के जॉर्जिया में रामायण म्यूज़ियम और भगवान राम के भव्य मंदिर बनाने के लिए जमीन ले रखा है। शीघ्र ही उस पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। जॉर्जिया में बन रहे रामायण म्यूजियम और भव्य राम मंदिर के भूमि पूजन के लिए 2025 में हिंदू हृदय सम्राट और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विधिवत आमंत्रण भेजूंगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत देश में पुराने और जीवन सिंह मंदिरों और धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार करने का समय आ गया है। उन्होंने जौनपुर के प्रसिद्ध माता शीतला चौकिया धाम में मूलभूत आवश्यक सुविधाओं व गेस्ट हाउस आदि बनवाने की बात भी की। जौनपुर जिले के बदलापुर में प्राथमिक से लेकर जूनियर हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात सी बी यादव इलाहाबाद चले गए और वहां पर इंटर तक पढ़ाई की। इसके पश्चात महाराष्ट्र के इंजीनियरिंग कालेज से कंप्यूटर साइंस से स्नातक की डिग्री प्राप्त

की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनकी शादी सुगंधा के साथ हो गई। अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ 2003 में अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में जाकर व्यवसाय शुरू कर दिया। व्यवसाय में सफलता हासिल करने के दौरान सी बी यादव जॉर्जिया के गवर्नर ब्रेन कैंप के नजदीक आए। गवर्नर ब्रायन कैंप के सहयोग और खुद की इच्छा शक्ति के बल पर श्री यादव ने जर्जियाई आयोग के प्रथम सदस्य का पद प्राप्त किया। 20 वर्ष पूर्व जॉर्जिया (अमेरिका) के कैमडेन शहर में एक छोटा व्यवसाय शुरू करने वाले सी बी यादव आज कई किराना स्टोर और मोटर व्यवसाय के मालिक भी हैं। बताते चलें कि जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन कैम्प की पहचान अमेरिका में भारत के सबसे बड़े मददगार के रुप में की जाती है।

सी बी यादव अमेरिका में छोटे व्यवसाय के विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नियमों को सुव्यवस्थित करने के तरीकों पर विचार करने के लिए 2019 में गवर्नर ब्रायन केम्प द्वारा स्थापित जॉर्जियाई प्रथम आयोग में कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं। वह किंग्सलैंड, कैमडेन काउंटी, दक्षिण जॉर्जिया में रहने वाले स्थानीय राजनीतिक क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। अपनी राजनीतिक गतिविधियों के अलावा, वह क्षेत्र में कई होटलों और मोटल के मालिक और उनके प्रबंधन कर्ता भी है।

गठबन्धन के घटक- दोस्त भी और दुश्मन भी

राजेश कुमार पासी

वर्तमान भारतीय राजनीति का सच यह है कि भाजपा इतनी ताकतवर पार्टी बन चुकी है कि उसका मुकाबला विपक्ष की कोई भी पार्टी अकेले नहीं कर सकती । इस सच को विपक्षी दल अच्छी तरह से जान चुके हैं, इसलिए उन्होंने भाजपा का मुकाबला करने के लिये इंडिया गठबन्धन का गठन किया है । राज्यों में कई विपक्षी दल बहुत मजबूत हैं और वहां पर वो भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं । दक्षिण भारत में भाजपा बहुत कमजोर है और दक्षिण भारत के किसी भी राज्य में भाजपा की सरकार नहीं है । दक्षिण भारत के एक राज्य कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी लेकिन वहां भी अब कांग्रेस की सरकार आ चुकी है । केरल, तमिलनाडू और आन्ध्रप्रदेश में भाजपा अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही है । बंगाल में टीएमसी, पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी और झारखंड में विपक्षी गठबन्धन की सरकार चल रही है । उड़ीसा में बीजेडी लम्बे समय से शासन कर रही है । इसके अलावा तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार चल रही है । देखा जाये तो राज्यों के स्तर पर विपक्ष कमजोर दिखाई नहीं देता है । समस्या राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लोकसभा चुनावों की है । राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के मुकाबले कोई नेता भारतीय राजनीति में दिखाई नहीं दे रहा है । लोकसभा के चुनावों में बहुमत प्राप्त करने वाला दल या गठबन्धन ही केन्द्र में सरकार बना सकता है । देश की जनता प्रधानमंत्री के चेहरे को देखकर वोट देती है और मोदी का विश्वसनीय चेहरा उसके सामने है । किसी भी पार्टी का नेता मोदी के आसपास भी नहीं है ।

इन परिस्थितियों को देखते हुए ही विपक्षी दलों ने एक गठबंधन बनाने की कोशिश की लेकिन यह कोशिश सफल होती दिखाई नहीं दे रही है । जुलाई, 2023 में जो गठबन्धन अस्तित्व में आया था, वो जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रहा है । मीडिया में चर्चा करने के लिए या मोदी का विरोध करने के लिए तो गठबंधन दिखाई देता है लेकिन एनडीए के खिलाफ एकजुट होकर लड़ता हुआ गठबंधन सिर्फ एक हवाबाजी लगता है । ये हालत तब है, जब सभी विपक्षी दल जानते हैं कि वो अगर एकजुट होकर एनडीए के खिलाफ उतर जायें तो मोदी का मुकाबला कर सकते हैं । इसमें उनको कामयाबी मिलेगी या नहीं, ये नहीं कहा जा सकता लेकिन इतना तय है कि वो लड़ते हुए दिखाई देंगे । अलग-अलग लड़ने से विपक्ष कहीं भी मुकाबले में दिखाई नहीं देगा । इसका कारण यह है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का प्रभाव कुछ राज्यों तक सिमट गया है । जहां कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है, वहां भाजपा को इतनी बढ़त हासिल है कि उसके लिए एक दर्जन सीटें जीतना भी मुश्किल लग रहा है ।

पाना चाहते हैं श्रीहरि विष्णु कृपा तो इस विधि से करें पूजा

षटतिला एकादशी शुभ मुहूर्त

हिंदी कैलेंडर के अनुसार षटतिला एकादशी की शुरुआत 5 फरवरी 2024 की शाम 5:24 बजे से होगी जिसका समापन अगले दिन 6 फरवरी की शाम 4:07 बजे होगा। उदया तिथि के चलते व्रत 6 फरवरी को रखा जाएगा।

षटतिला एकादशी का पूजा मुहूर्त

षटतिला एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा का मुहूर्त 6 फरवरी 2024 की सुबह 9:51 बजे से दोपहर 1:57 बजे तक रहेगा।

षटतिला एकादशी पूजा विधि

-इस दिन सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं और स्वच्छ पीले रंग के वस्त्र धारण करें।

-हाथ में जल लेकर भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें।

-अब एक लकड़ी की चौकी पर पीले रंग का साफ वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु की तस्वीर या प्रतिमा को स्थापित करें, और धूप दीप, गंध, फूल, फल और षोडशोपचार से उनका पूजा अर्चना करें।

-भगवान को भोग लगाने के लिए उड़द और तिल मिलाकर खिचड़ी बनाएं।

-रात के समय 108 बार 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमः' मंत्र का जाप करते हुए तिल से हवन करें।

-रात के समय भगवान विष्णु के निमित्त भजन करें और अगले दिन ब्राह्मणों को भोजन कराएं।

-इसके पश्चात खुद भी तिल युक्त भोजन ग्रहण करें।

षटतिला एकादशी व्रत का महत्व

हिंदू धर्म में षटतिला एकादशी का विशेष महत्व है, जो जातक इस व्रत को करता है उसके घर में सुख समृद्धि बनी रहती है। उसे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तिल और तिल से बनी चीजों का सेवन और दान करना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है।

-मुकेश ऋषि

पाना चाहते हैं श्रीहरि विष्णु कृपा, इस विधि से करें पूजा, जानें शुभ मुहूर्त, व्रत पारण का समय, महत्वभगवान विष्णु को समर्पित प्रत्येक एकादशी में षटतिला एकादशी अन्य एकादशी की तरह महत्वपूर्ण मानी गई है। इस एकादशी में भगवान विष्णु को तिल का भोग लगाया जाता है और तिल का ही दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन जितनी तिल का दान करता है उसे उतने हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है। इस बार षटतिला एकादशी का व्रत 6 फरवरी 2024, दिन मंगलवार को रखा जा रहा है।

आंखें बंद कर लेने से कोई कभी मुक्त नहीं हो सकता

जब हम सेक्स को पूरी तरह से समझ सकेंगे, तो ही हम सेक्स का अतिक्रमण कर सकेंगे। जगत में ब्रह्मचर्य का जन्म हो सकता है, मनुष्य सेक्स के ऊपर उठ सकता है, लेकिन सेक्स को समझ कर, सेक्स को पूरी तरह पहचान कर। उस ऊर्जा के पूरे अर्थ, मार्ग, व्यवस्था को जान कर उससे मुक्त हो सकता है। आंखें बंद कर लेने से कोई कभी मुक्त नहीं हो सकता। आंखें बंद कर लेने वाले सोचते हों कि आंख बंद कर लेने से शत्रु समाप्त हो गया है, तो वे पागल हैं। मरुस्थल में शुतुरमुर्ग भी ऐसा ही सोचता है। दुश्मन हमले करते हैं तो शुतुरमुर्ग रेत में सिर छिपा कर खड़ा हो जाता है और सोचता है कि जब दुश्मन मुझे दिखाई नहीं पड़ रहा तो दुश्मन नहीं है। लेकिन यह तर्क– शुतुरमुर्ग को हम क्षमा भी कर सकते हैं, आदमी को क्षमा नहीं किया जा सकता।

सेक्स के संबंध में आदमी ने शुतुरमुर्ग का व्यवहार किया है आज तक। वह सोचता है, आंख बंद कर लो सेक्स के प्रति तो सेक्स मिट गया।

अगर आंख बंद कर लेने से चीजें मिटती होतीं, तो बहुत आसान थी जिंदगी, बहुत आसान होती दुनिया। आंखें बंद करने से कुछ मिटता नहीं, बल्कि जिस चीज के संबंध में हम आंखें बंद करते हैं, हम प्रमाण देते हैं कि हम उससे भयभीत हो गए हैं, हम डर गए हैं। वह हमसे ज्यादा मजबूत है, उससे हम जीत नहीं सकते हैं, इसलिए हम आंख बंद करते हैं। आंख बंद करना कमजोरी का लक्षण है।

और सेक्स के बाबत सारी मनुष्य-जाति आंख बंद करके बैठ गई है। न केवल आंख बंद करके बैठ गई है, बल्कि उसने सब तरह की लड़ाई भी सेक्स से ली है। और उसके परिणाम, उसके दुष्परिणाम सारे जगत में ज्ञात हैं।

अगर सौ आदमी पागल होते हैं, तो उसमें से अट्ठानबे आदमी सेक्स को दबाने की वजह से पागल होते हैं। अगर हजारों स्त्रियां हिस्टीरिया से परेशान हैं, तो उसमें सौ में से निन्यानबे स्त्रियों के हिस्टीरिया के, मिरगी के, बेहोशी के पीछे सेक्स की मौजूदगी है, सेक्स का दमन मौजूद है। अगर आदमी इतना बेचैन, अशांत, इतना दुखी और पीड़ित है, तो इस पीड़ित होने के पीछे उसने जीवन की एक बड़ी शक्ति को बिना समझे उसकी तरफ पीठ खड़ी कर ली है, उसका कारण है। और परिणाम उलटे आते हैं।

अगर हम मनुष्य का साहित्य उठा कर देखें, अगर किसी देवलोक से कभी कोई देवता आए या चंद्रलोक से या मंगल ग्रह से कभी कोई यात्री आए और हमारी किताबें पढ़े, हमारा साहित्य देखे, हमारी कविताएं पढ़े, हमारे चित्र देखे, तो बहुत हैरान हो जाएगा। वह हैरान हो जाएगा यह जान कर कि आदमी का सारा साहित्य सेक्स ही सेक्स पर क्यों केंद्रित है? आदमी की सारी कविताएं सेक्सुअल क्यों हैं? आदमी की सारी कहानियां, सारे उपन्यास सेक्स पर क्यों खड़े हैं? आदमी की हर किताब के ऊपर नंगी औरत की तस्वीर क्यों है? आदमी की हर फिल्म नंगे आदमी की फिल्म क्यों है? वह आदमी बहुत हैरान होगा; अगर कोई मंगल से आकर हमें इस हालत में देखेगा तो बहुत हैरान होगा। वह सोचेगा, आदमी सेक्स के सिवाय क्या कुछ भी नहीं सोचता? और आदमी से अगर पूछेगा, बातचीत करेगा, तो बहुत हैरान हो जाएगा। आदमी बातचीत करेगा आत्मा की, परमात्मा की, स्वर्ग की, मोक्ष की। **(क्रमशः)**

रात को कपड़े धोने वाले करते हैं अपने सौभाग्य का सफाया

वास्तुशास्त्र में कई ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। भारतीय वास्तुशास्त्र किसी भी वस्तु की ऊर्जा पर निर्भर करता है एवं किसी भी स्थान पर दिशाओं से बाहरी ऊर्जा ही वास्तु को शुभ अथवा अशुभ बनाती है। वास्तुशास्त्र का प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है अपितु इसका प्रभाव हर जीव और निरजीव वस्तु पर भी पड़ता है। ब्रह्मांड का हर कण स्वयं में एटोमिक ऊर्जा का निर्वाह करता है। संपूर्ण संसार की हर वस्तु अणु से निर्मित होती है। अणु ही प्रणात्मक और धनात्मक ऊर्जा से चार्ज होता है। कुछ ऐसे काम शास्त्रों में बताए हैं, जिन्हें रात को नहीं करना चाहिए क्योंकि वो काम हमारे जीवन पर अपना बुरा प्रभाव डालते हैं। जिससे बहुत सारी परेशानीयों से रूबरू होना पड़ता है। रात के समय कपड़े धोना भी ऐसा ही निषिध काम है। जो अकसर लोग करते हैं। जो लोग रात को कपड़े धोते हैं या उन्हें अंधेरी रात में सूखने के लिए डालते हैं, वह कभी भी सुखी जीवन नहीं जी पाते।

रात को कपड़े धोने से विविध धनात्मक ऊर्जा पानी में घुलकर शुन्य हो जाती है। उदाहरण के तौर पर जब कभी हम ऊनी कपड़े पहनते हैं तो उनमें से चींगारी या विधुत आवेग निकलता है। किसी भी प्रकार के कपड़े में अणु द्वार निर्मित विधुत आवेग संचारित होता है। रात को कपड़े धोने से धनात्मक विधुत आवेग पानी में घुलकर बाहर निकल जाता है।

कभी भी कपड़े ड्रायर और छांव में न सुखाएं क्योंकि कृत्रिम विधुत आवेग जन्म लेता है, जो वास्तु के अनुसार शरीर के लिए हानिकारक होता है। इससे त्वचा और रोमों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। रात के समय बाहर कपड़े सुखाने पर कपड़ों पर सूर्य की धनात्मक किरणे न पड़ने के कारण कपड़ों पर मृत ऊर्जा प्रभावी हो जाती है। चाईनिज वास्तु शास्त्र अर्थात फेंगशुई में भी रात को बाहर कपड़े सुखाने पर मनाही है क्योंकि रात के समय कपड़े सुखाने पर कपड़ों में मृत 'ची' का प्रभाव पड़ता है जो ठीक नहीं है। धूप में कपड़े सुखाने से कपड़ों पर यांग ऊर्जा का प्रभाव पड़ता है, जो शरीर और सौभाग्य के लिए अच्छा होता है।

घर में सुख–शांति व आरोग्यता के लिए अपनाएं ये वास्तु टिप्स

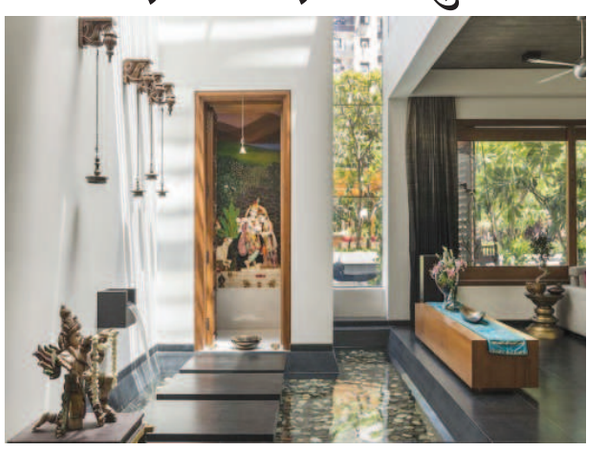

कोई भी फ्लैट या मकान तब घर बनता है, जब उसमें रहने वाले लोग प्रसन्न हों। घर में सुख और शांति व आरोग्यता बनी रहे, इसमें सबसे अहम रोल वास्तु निभाता है। फ्लैट, मकान यानी घर का वास्तु ठीक होने पर दिन दोगुनी तरक्की होनी शुरू हो जाती है। अगर आप नया फ्लैट ले रहे हैं या मकान बनवा रहे हैं तो सबसे पहले उसके वैंटिलेशन पर ध्यान दें। यह उत्तर या पूर्व दिशा में बना होना चाहिए।

घर के सभी कोने समकोण होने चाहिएं। इनमें कोण वेध वास्तु दोष को प्रभावित करता है, जो व्यक्ति के लिए परेशानी से भरा हो सकता है।

किसी भी घर में टॉयलैट और बाथरूम की दिशा वास्तु के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होती है। घर में दक्षिण या पश्चिम दिशा में टॉयलैट या बाथरूम होना चाहिए।

किसी भी अपार्टमैंट फ्लैट की ईशान यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भगवान का मंदिर, पूजा स्थान होना शुभ होता है।

घर या रसोई में ध्यान दें कि उसका दरवाजा खाना बनाने वाले की पीठ की तरफ न हो। ऐसा होना किचन में खाना बनाने वाले के लिए परेशानी खड़ा कर सकता है।

किचन में बर्तन धोने का सिंक दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए।

कोई भी नया काम शुरू करने से पहले ध्यान रखें ये बात, मनचाही कामयाबी पहुंचेगी आपके द्वार

जीवन में जल्द से जल्द तरक्की पाना हर व्यक्ति की कामना होती है। इस सपने को पूरा करने लिए व्यक्ति मेहनत के साथ-साथ ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का सहारा लेता है। वास्तु शास्त्र में जीवन से जुड़ी हर समस्या का हल बताया है। जब कोई व्यक्ति नया काम शुरू करता है या फिर किसी जगह पर इन्वेस्टमेंट करता है तो सबसे पहले उसके मन में यही बात आती है कि कारोबार में तरक्की मिलेगी या नहीं। कई बार बहुत मेहनत करने के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती है इसका कारण वास्तु दोष भी होता है। अगर कोई भी नया काम करने से पहले इन वास्तु नियमों का ध्यान रख लिया जाए तो कभी भी असफलता का सामना नहीं करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कोई भी नया कार्य शुरू करने से पहले कौन सी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

मुख की दिशा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक जब भी आप कोई नया काम शुरू करते हैं उस समय आपका मुख किस तरफ है यह बहुत ही मायने रखता है। बता दें कि अगर अपने काम से जुड़ा कोई भी कागज़ साइन कर रहे हैं तो अपना मुख हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में ही रखें। ऐसा करने से लगातार काम में सफलता देखने को मिलती है। इसी के साथ अगर आपका काम धन के लेन-देन से जुड़ा है तो मुंह हमेशा उत्तर दिशा में होना चाहिए। इसे कुबेर की दिशा कहा जाता है। ऐसा

करने से कभी भी पैसों की तंगी से झूझना नहीं पड़ता है।

अगर आप है मालिक

जब को व्यक्ति अपना काम खोलता है तो उसे बॉस कहा जाता है। अगर आप भी अपने ऑफिस में बॉस हैं तो आपको हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए। वास्तु के अनुसार ऐसा करने से काम में किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।

इस जगह लगाएं वाटर फाउंटेन

अपने ऑफिस में उत्तर-पूर्व दिशा की तरफ वाटर फाउंटेन बेहद ही शुभ होता है। अगर ऐसा नहीं करना चाहते तो इस जगह फिश एक्वेरियम को भी रखा जा सकता है। लेकिन इसको रखते समय इस बात का बेहद ध्यान रखें कि इसमें नौ मछलियां हो और एक काली मछली। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से काम में आणि वाली हर बाधा दूर हो जाती है और जल्द ही तरक्की के रास्ते खुलते हैं।

ध्यान रखें ये बात

अपनी माइंड पावर को बढ़ाने और चीजों को याद रखने के लिए कई लोग स्टिकी नोट की मदद लेते हैं और अपने कंप्यूटर या डेस्क पर चिपका लेते हैं। वास्तु के अनुसार देखा जाए तो ऐसा करना बहुत ही अशुभ होता है। ऐसी गलती करने से बचना चाहिए।

श्री कृष्ण ने कहा, जिस घर में होता है ये काम वहां कोई क्लेश नहीं होता

प्रणाम में बड़ी ताकत होती है। पहले लोग सुबह-सुबह उठकर घर के बड़े-बुजुर्गों को झुक कर प्रणाम करते थे, उनके चरण स्पर्श पर आशीर्वाद प्राप्त करते थे, विशेषकर महिलाएं, लेकिन आजकल यह प्रथा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है और हम बुजुर्गों के आशीर्वादों से वंचित। वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याएं हैं, उनका मूल कारण यही है कि हम घर के बड़े-बुजुर्गों का आदर नहीं करते और जाने-अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है। यदि घर के बच्चे और बहुएं प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो शायद किसी भी घर-परिवार में कभी कोई क्लेश ही न हो, दरअसल बड़ों के दिए हुए आशीर्वाद हमारे लिए कवच की तरह काम करते हैं और उनको दुनिया का कोई भी अस्त्र-शस्त्र नहीं भेद सकता।महाभारत युद्ध के दौरान दुर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर भीष्म पितामह ने घोषणा कर दी कि वह कल पांडवों का वध कर देंगे। पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गई क्योंकि भीष्म पितामह की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था। श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि तुम जाकर भीष्म पितामह को प्रणाम करो। द्रौपदी ने उनके पास जाकर

पितामह को प्रणाम किया तो उन्होंने 'अखंड सौभाग्यवती भवः' का आशीर्वाद दे दिया और पूछा, ''तुम इतनी रात में अकेली यहां कैसे आई हो, क्या तुमको श्रीकृष्ण लेकर आए हैं। मेरे एक वचन को मेरे ही दूसरे वचन से काट देने का काम श्री कृष्ण ही कर सकते हैं।'' शिविर से वापस लौटते समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन, दुशासन आदि की पत्नियां भी पांडवों को प्रणाम करती होतीं तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती।

तात्पर्य है कि सभी इस प्रणाम संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें तो घर ही स्वर्ग बन जाए क्योंकि प्रणाम प्रेम है। अनुशासन ही शीतलता है, यह झुकना सिखाता है, क्रोध और अहंकार मिटाता है। 'प्रणाम' हमारे आंसुओं को धो देता है और 'प्रणाम' ही हमारी संस्कृति है।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

बालक युनेज-सैंडो अत्यंत दुर्बल था। अपनी बुरी आदतों के कारण उसने बचपन में ही अपना स्वास्थ्य खराब कर लिया। एक दिन सैंडो अपने पिता के साथ अजायबघर देखने गया। रोम की गैलरी में उसने प्राचीन काल के बलिष्ठ पुरुषों की मूर्तियां देखीं। उसे विश्वास न हुआ कि ऐसी मांसल भुजाओं वाले स्वस्थ और बलवान लोग भी इस संसार में हो सकते हैं। सैंडो इन प्रतिमाओं को देखकर प्रभावित हुआ।

उसने पिता से पूछा "पिता जी ये प्रतिमाएं काल्पनिक हैं, अथवा ऐसा स्वास्थ्य कभी संभव हो सकता है ?" पिता ने बड़े आत्मविश्वास के साथ कहा, "हां, संसार में संभव क्या नहीं है, यदि तुम भी नियमित व्यायाम और परिश्रम करो, संयमी बन सको तो ऐसा स्वास्थ्य जरूर प्राप्त कर सकते हो।" बात सैंडो के मन में बैठ गई। पिछली खराब जिंदगी का चोला उसने उतार फैंका और नियमपूर्वक व्यायाम एवं कठोर श्रम करना आरंभ कर दिया। फलस्वरूप वह एक प्रख्यात बलवान बना। उसने व्यायाम की अनेक विधाओं की भी खोज की जिन्हें सैंडों की कलाएं कहा जाता है। सच है कि दृढ़ आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम के बल पर कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

प्रेम कहानी के बाद युद्ध भूमि में दिखेंगे शाहिद कपूर! 'छत्रपति शिवाजी' के रोल में आएंगे नजर?

शाहिद कपूर बॉलीवुड के सबसे चहेते एक्टर्स में से हैं। अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इन सब के बीच शाहिद अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। खबर है कि उन्हें एक नई फिल्म ऑफर की गई है। फिल्म में अभिनेता को छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाने का ऑफर दिया गया है।

शाहिद की अपनी अगली फिल्म के लिए 'ओएमजी 2' के डायरेक्टर अमित राय से बातचीत चल रही है। जिसमें दोनों के किसी हिस्टॉरिकल फिल्म पर साथ काम करने की चर्चा है। हालांकि, फिल्म की औपचारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कहा जा रहा है फिल्म का बजट काफी भारी भरकम होने वाला है। शाहिद की यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी के पराक्रम और शौर्य को दर्शाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छत्रपति शिवाजी भारतीय सिनेमा की अब तक की महंगी फिल्मों में से एक होगी। बता दें कि डायरेक्टर अमित राय को इस तरह के विषयों पर काम करना काफी पसंद है। यही वजह है कि उनकी स्टोरी और विजन से प्रोड्यूसर्स भी काफी प्रभावित हुए हैं और अब कास्ट को फाइनल करने की बात चल रही है।

रिपोर्ट्स की मानें, तो कास्ट की बात छिड़ते ही सबसे पहले नाम शाहिद कपूर का आया है। वहीं, शाहिद ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच करने पर अपना भरपूर उत्साह दिखाया है और इसमें काम करने के लिए हां कह दिया है। प्रोड्यूसर्स अब इसके लिए फाइनेंसर्स और स्टूडियो की तलाश में जुट गए हैं। किसी टॉप स्टूडियो के फिल्म से जुड़ने के बाद ही उनका नाम और फिल्म को औपचारिक रूप से अनाउंस किया जाएगा। गौरतलब है कि शाहिद कपूर की कृति सेनन के साथ 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' आगामी 9 फरवरी को रिलीज होगी और इसमें शाहिद के साथ अभिनेत्री कृति सेनन भी हैं। यह फिल्म एक इंसान और रोबोट के प्यार की कहानी है। शाहिद कपूर इसमें आर्यन का रोल प्ले कर रहे हैं, तो कृति सिफरा के किरदार में नजर आएंगी, जो एक रोबोट हैं।

ड्रीम गर्ल बन दिलों पर राज करने को तैयार करिश्मा कपूर, मर्डर मुबारक में आएंगी नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर जल्द ही 'मर्डर मुबारक' के साथ अपना कमबैक करेंगी। सस्पेंस, कॉमेडी और रोमांस से भरपूर ये फिल्म 15 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज नेटफ्लिक्स ने एक वीडियो साझा कर 'मर्डर मुबारक' की घोषणा की है। निर्देशक होमी अदजानिया ने इसे निर्देशित किया है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा।

'मर्डर मुबारक' अनुजा चौहान की किताब क्लब यू टू डेथ का स्क्रीन रूपांतरण है। मेकर्स आज फिल्म का एक वीडियो साझा किया है। यह वीडियो बेहद ही रोचक है। इसे देखने के बाद फिल्म का देखने का उत्साह और बढ़ गया है। करिश्मा कपूर के सथ इसमें इसमें सारा अली खान, विजय वर्मा, डिंपल कपाड़िया, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा और सुहैल नैय्यर जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे।

ये सभी कलाकार फिल्म में कुशलतापूर्वक अपने किरदारों के गुप्त उद्देश्यों को छिपाते हैं। वहीं, पंकज त्रिपाठी भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे, जो एक गैर-पारंपरिक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। वह एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उनकी दुनिया में कदम रखते हैं। वह जानते हैं कि वहां जो दिखता है उससे कहीं अधिक है।

राजनेता बनने के बाद जनता के बीच पहली बार आए विजय, फैंस को 'कॉमरेड' कहकर किया संबोधित

तमिल सुपरस्टार दलपति विजय ने अपने अभिनय का सिक्का चलाने के बाद अब राजनीति की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने अपनी पार्टी के नाम का एलान कर दिया है। अभिनेता ने अपनी पार्टी का नाम तमिलागा वेट्री कजम रखा है। मशहूर अभिनेता ने यह भी बताया है कि वह अपने सारे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के बाद राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय छोड़ देंगे।

राजनीति में कदम रखने की घोषणा के बाद 4 फरवरी, रविवार को अभिनेता पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। विजय ने भी बड़ी शालीनता से प्रशंसकों के साथ एक सेल्फी ली। फैंस अभिनेता की एक झलक पाने के लिए उनके घर के सामने इकट्ठा हुए थे।

प्रशंसकों के साथ मुलाकात और अभिवादन के बाद लियो अभिनेता ने पार्टी के आधिकारिक पेज पर एक बयान भी दिया, जहां उन्होंने अपनी नई यात्रा में उनका समर्थन करने के लिए प्रशंसकों और शुभचिंतकों को धन्यवाद

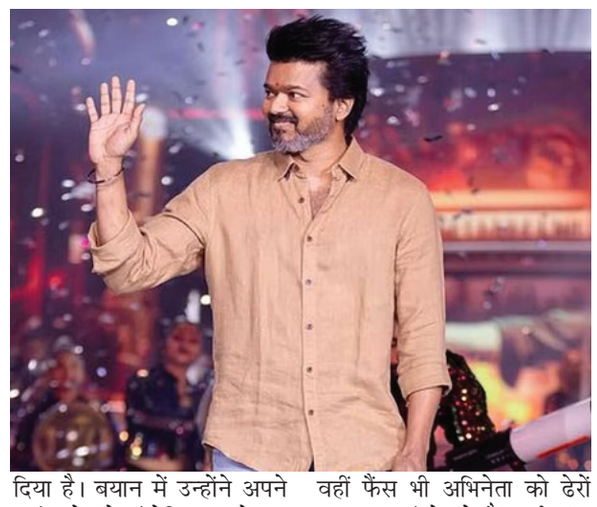

दिया है। बयान में उन्होंने अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा, 'एन नेन्जिल कुडियिरुक्कम थोजारगल', जिसका मोटे तौर पर अनुवाद 'मेरे दिल में रहने वाले कॉमरेड' है। यह बयान विजय के पार्टी के नारे के रूप में माना जा रहा है, जिसे वह अपनी सभी सार्वजनिक प्रस्तुतियों में इस्तेमाल करते हैं। दलपति विजय ने अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं, फिल्म बिरादरी के दोस्तों और अपना समर्थन देने वाले अन्य लोगों को भी धन्यवाद दिया है। वहीं फैंस भी अभिनेता को ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो 2023 में विजय को 'लियो' और 'वरिसु' में देखा गया था। वह वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका अस्थायी नाम थलपति 68 है। फिल्म का निर्देशन वेंकट प्रभु कर रहे हैं। फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। विजय के फैंस के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं होने वाली है। वे इसका खूब जश्न मना रहे हैं।

'देश का नाम रोशन करते रहें', अनूप ने जाकिर हुसैन-राकेश चौरसिया को ग्रैमी मिलने पर दी बधाई

लॉस एंजिल्स में 66वें ग्रैमी अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया। भारत ने इस साल ग्रैमी अवॉर्ड्स में बड़ी जीत हासिल की है। वहीं, ग्रैमी अवार्ड्स 2024 में भारतीय संगीतकारों का भी दबदबा देखने को मिला। तबला वादक जाकिर हुसैन समेत चार संगीतकारों ने ये पुरस्कार अपने नाम किया। भजन सम्राट अनूप जलोटा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर भारतीय संगीतकारों को मिली इस बड़ी सफलता पर खुशी जाहिर की है।

वीडियो साझा कर दी बधाई

अनूप जलोटा ने वीडियो साझा कर कहा, 'भारतीय संगीतकारों को ग्रैमी अवार्ड मिलने पर मुझे खुशी है। उस्ताद जाकिर हुसैन सहाब और छोटे भाई राकेश चौरसिया आप दोनों को ग्रैमी अवार्ड मिला है, मुझे बहुत खुशी है। आप पहले से ही हमारे देश का नाम रोशन करते रहे हैं। एक बार फिर आपने बहुत बड़ा सम्मान देश को दिलाया है। आप दोनों को बहुत-बहुत मुबारक हो।'

इन भारतीय संगीतकारों ने जीता ग्रैमी अवार्ड

इस साल का ग्रैमी भारत के लिए और भी खास बन गया है, क्योंकि शंकर महादेवन, सेल्वगणेश विनायकराम, गणेश राजगोपालन, उस्ताद जाखिर हुसैन और उत्कृष्ट बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने ग्रैमी अवार्ड अपने नाम किया है। शंकर महादेवन और जाकिर हुसैन के बैंड 'शक्ति' ने 'दिस मोमेंट' के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम का पुरस्कार जीता। तबलावादक जाकिर हुसैन ने तो एक साल में तीन-तीन ग्रैमी जीतकर कमाल कर दिया। बांसुरीवादक राकेश चौरसिया ने भी एक साल में ही 2 ग्रैमी अपने नाम किए हैं।

इन संगीतकारों ने अपने नाम किया ग्रैमी

इस दौरान सिंगर टेलर स्विफ्ट, ओलिविया रोड्रिगो, माइली साइरस और लाना डेल रे ने कई ग्रैमी अवॉर्ड्स अपने नाम किए। दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक अवॉर्ड्स में से एक इस इवेंट में बिली इलिश, दुआ लीपा, बिली चाइल्ड, कोको जोनस, ओलिविया रोड्रिगो और कई पॉपुलर स्टार्स को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

फर्जीवाड़ा करने पर पूनम की पीआर एजेंसी ने मांगी माफी, कहा- 'उनकी मां कैंसर से लड़ाई लड़ी हैं'

अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे को लेकर शुक्रवार को खबर आई थी कि उनका निधन हो गया। हालंकि, शनिवार को पूनम खुद सामने आईं और कहा कि वे जिंदा हैं। विवादों में रहने वालीं पूनम पांडे ने कैंसर जागरूकता के नाम पर ये जो कुछ किया, उससे सोशल मीडिया पर एक नई बहस छिड़ गई है। हर कोई उनके इस करनामे की कड़ी आलोचना कर रहा है। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने मॉडल-अभिनेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इसके बाद अब विवादास्पद अभियान के लिए जिम्मेदार एजेंसी श्बांग ने सोशल मीडिया पर सार्वजनिक माफी जारी की।

श्बांग के आधिकारिक हैंडल ने पूनम पांडे के इस पब्लिसिटी स्टंट को लेकर माफी पोस्ट साझा किया है। इसमें लिखा है, 'हां, हम हॉटरफ्लाई के सहयोग से सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने की पूनम पांडे की पहल में शामिल थे। इसके लिए हम दिल से माफी मांगना चाहेंगे। विशेष रूप से उन लोगों के प्रति जो किसी भी प्रकार के कैंसर की कठिनाइयों का सामना करने और किसी प्रियजन के कारण उत्पन्न हुए हैं।'

पोस्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि उनके विवादास्पद कदम का उद्देश्य भारत

में चिंताजनक आंकड़ों का हवाला देते हुए सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। साझा किए गए पोस्ट में लिखा, 'हमारे कार्य एक अद्वितीय मिशन द्वारा संचालित थे। सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना। 2022 में, भारत में 123,907 सर्वाइकल कैंसर के मामले और 77,348 मौतें दर्ज की गईं। स्तन कैंसर के बाद, सर्वाइकल कैंसर भारत में मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित करने वाली दूसरी सबसे अधिक घातक बीमारी है।'

कंपनी ने आगे जानकारी दी कि पूनम पांडे की मां कैंसर से जूझ चुकी हैं और इसलिए वह इस बीमारी के प्रभाव को जानती हैं। कंपनी ने लिखा, 'आपमें से बहुत से लोग अनजान होंगे, लेकिन पूनम की अपनी मां ने कैंसर से बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। इतने करीबी व्यक्तिगत जीवन में इस तरह की बीमारी से लड़ने की चुनौतियों से गुजरने के बाद, वह रोकथाम के महत्व और जागरूकता की गंभीरता को समझती हैं। खासकर जब टीका उपलब्ध हो। सर्वाइकल कैंसर के बारे में लोगों की जिज्ञासा में कोई बदलाव नहीं आया। जब हमारे माननीय वित्त मंत्री ने कुछ दिन पहले ही केंद्रीय बजट के दौरान इसका उल्लेख किया था।'

पीआर कंपनी ने आगे कहा, 'पूनम के इस कदम के परिणामस्वरूप अब 'सर्वाइकल कैंसर' और इससे संबंधित शब्द गूगल पर सबसे अधिक खोजा जाने वाला विषय बन गया है। इस देश के इतिहास में यह पहली बार है कि 'सर्वाइकल कैंसर' शब्द एक हजार से अधिक बार सुर्खियों में है। फिर भी हम उन लोगों से गहराई से क्षमा चाहते हैं जो इस पहल के कारण आहत हुए होंगे। हम समझते हैं कि हमारे तरीकों ने दृष्टिकोण के बारे में बहस छेड़ दी होगी। हालांकि हमें किसी भी परेशानी के लिए खेद है, लेकिन अगर इस कदम के परिणामस्वरूप बहुत आवश्यक जागरूकता फैलती है और मौतों को रोका जा सकता है, तो यह इसका वास्तविक प्रभाव होगा।'

मुझे यहां तक पहुंचने में लगे 19 साल, '12वीं फेल' का क्लाइमेक्स सीन फिल्माने पर रो पड़े थे विक्रांत

विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' एक ऐसी फिल्म है, जिसने लगभग सभी के दिलों को छू लिया है। प्रशंसकों से लेकर मशहूर हस्तियों तक, हर कोई फिल्म को लेकर उत्साहित है और वे लगातार अब तक फिल्म और इसके कलाकारों की प्रशंसा कर रहे हैं। फिल्म के अलावा अभिनेता विक्रांत मैसी और मेधा शंकर को उनके शानदार अभिनय के लिए सराहा गया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में विक्रांत ने कहा कि यह फिल्म उनके करियर में एक रीस्टार्ट पल है। वहीं, अब फिल्म के सह-लेखक ने सेट से एक भावनात्मक क्षण साझा किया है।

जसकुंवर कोहली, जो फिल्म '12वीं फेल' के सह-लेखक, एसोसिएट डायरेक्टर और एडिटर भी हैं, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्लाइमेक्स सीन की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने दो तस्वीरें साझा करते हुए सेट की असली घटना बताई।

उन्होंने खुलासा किया कि अंतिम परिणाम दृश्य की शूटिंग के दौरान विक्रांत मैसी को बार-बार अपने घुटनों पर गिरना पड़ता था, लेकिन हर बार वे गहराई से रोते थे और यह अविश्वसनीय था। जसकुंवर ने आगे खुलासा किया कि वह टेक के बीच में खुद से बस एक पंक्ति कहते थे, 'मैं भी यहां तक बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के पहुंचा हूं, वो भी नंगे पैर।' आगे अपने कैप्शन में उन्होंने बताया कि जब शूट पूरा हुआ तो विक्रांत मैसी फर्श पर बैठ गए और रोना बंद नहीं किया, वे रोते रहे, जबकि मेधा शंकर ने उन्हें धीरे से कंधों से पकड़ लिया। जसकुंवर ने तब खुलासा किया कि विक्रांत ने उस समय मेधा कहा था, 'यह मेरी भी कहानी है।' विक्रांत ने अपने आंसुओं के माध्यम से मेधा से कहा, 'मुझे यहां तक पहुंचने में 19 साल लग गए और मैं भी बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के यहां पहुंचा हूं मेधा, नंगे पांव... यह मेरी भी कहानी है। उन्होंने अंत में लिखा, 'फिल्म के इस प्रतिष्ठित क्षण में सिर्फ मनोज कुमार शर्मा ही नहीं, बल्कि विक्रांत मैसी भी थे। सिक्के के दोनों पहलू एक अवास्तविक मानवीय अनुभव में मिश्रित हो गए। दोनों ने इसे एक साथ, एक ही समय में बनाया। हाल ही में '12वीं फेल' ने थिएटर में 100 दिन पूरे किए। यह पूरी कास्ट और क्रू के लिए जश्न का पल था, जो एक साथ एकत्र हुए थे। इस यादगार अवसर के दौरान नायक मनोज कुमार शर्मा की भूमिका निभाने वाले विक्रांत मैसी ने फिल्म को अपने करियर का रीस्टार्ट पॉइंट बताया। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, 'अगर हम 12वीं फेल के बारे में बात करें तो यह वास्तव में मेरे लिए मेरे करियर को फिर से शुरू करने का क्षण था।'वहीं अभिनेता की अगली परियोजनाओं के बारे में बात करें तो '12वीं फेल' के बाद अब विक्रांत मैसी राजकुमार हिरानी के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक वेब सीरीज के लिए राजकुमार हिरानी और विक्रांत साथ आएंगे। शो में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह साइबर क्राइम पर आधारित होगी और अभिनेता साइबर क्राइम सुरक्षा विशेषज्ञ की भूमिका निभाएंगे।

बोल्ड लुक को लेकर फिर ट्रोल हुईं रुबीना

रकुल प्रीत ही नहीं श्रद्धा कपूर भी करने जा रही हैं शादी? सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो

साल 2024 की शुरूआत होते ही कई सेलेब्स की शादी की खबरें सामने आने लगी हैं। जहां एक तरफ रकुल प्रीत सिंह अपनी शादी को लेकर लाइम लाइट में बनी हुई हैं। तो वहीं इस लिस्ट में अब शक्ति कपूर की बेटी का नाम भी जुड़ने वाला है।

एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी शादी की खबरों को हवा दी है। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अकसर ही अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती नजर आती हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं।

एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा कभी-कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ जाती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है और साथ ही एक सवाल भी पूछा है। जिसे देखने के बाद एक्ट्रेस की शादी की खबरें तेज हो गई हैं। एक्ट्रेस के आज के कैप्शन के बाद उनके फैंस अंदाजा लग रहे हैं कि एक्ट्रेस ने शादी का मन बना लिया है।

श्रद्धा कपूर ने शेयर की तस्वीरें

दरअसल श्रद्धा कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें वह बहुत ही सुंदर लग रही हैं। तस्वीरों में वह गुलाबी रंग की सूट पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने सूट के साथ लंबे गोल्डन झुमके पहने हुए हैं और बिंदी भी लगाई हुई है। अपनी इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'अच्छी लग रही हूं, शादी कर लूं ?

फैंस की प्रतिक्रियाएं

श्रद्धा कपूर की फोटो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि हां हां जरूर जल्दी-जल्दी। एक यूजर ने लिखा कि' शादी के लिए पंडित चाहिए तो मुझे ही बुलाना।' एक यूजर ने लिखा कि 'ट्रैफिक जाम हो गया है, इस फोटो की वजह से।' एक यूजर ने लिखा कि 'मुझे 21 साल का तो होने दीजिए।' एक यूजर ने लिखा 'पापा शक्ति कपूर से पूछ रही हो या मुझसे। मैं तो तैयार हूं।'

कैसा पति चाहती हैं श्रद्धा कपूर?

श्रद्धा कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि "मैं जब भी शादी करूंगी और जिससे भी करूंगी, मैं उस शख्स के साथ पूरी तरह क्रैक होने वाली हूं।" श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें तो 'तू झूठी मैं मक्कार' के हिट के बाद श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्मों 'स्त्री 2' और 'चंदू चैम्पियन' की शूटिंग में बिजी हैं। ये फिल्में अगले साल तक रिलीज होंगी।

सिर्फ नमक ही नहीं, अधिक मात्रा में चीनी भी हृदय के लिए हानिकारक, ये स्ट्रोक का भी बढ़ा देती है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मौजूदा समय में तेजी से बढ़ती अधिकतर क्रोनिक बीमारियों के लिए आहार में गड़बड़ी को प्रमुख कारण पाया गया है। जो चीजें शरीर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रही हैं, उनमें नमक और चीनी का ज्यादा सेवन प्रमुख है। जो लोग अधिक मात्रा में नमक-सोडियम का सेवन करते हैं, उनमें हार्ट की बीमारियों-हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक हो सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि सिर्फ नमक ही नहीं, अधिक मात्रा में चीनी का सेवन भी हार्ट की समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है?

चीनी के अधिक सेवन को मुख्यरूप से डायबिटीज के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता रहा है। पर यह आपमें हृदय रोगों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। हाल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने अधिक चीनी के सेवन के हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर अलर्ट किया है। सभी लोगों के लिए इसपर ध्यान देना आवश्यक हो जाता है।

अधिक मात्रा में चीनी हो सकती है हानिकारक

बीएमसी मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि आहार में अधिक मात्रा में शर्करा (चीनी या फिर ऐसी चीजें जिसमें सफेद प्रोसेस्ड चीनी मिलाई जाती है) इसके अधिक सेवन से हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिर्फ नमक ही नहीं, चीनी का भी अधिक सेवन करना आपमें हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाने वाली हो सकती है। किसी भी रूप में चीनी के अधिक सेवन से बचना जरूरी है।

अध्ययन में क्या पता चला?

यूनाइटेड किंगडम में 37 से 73 वर्ष की आयु के 1.10 लाख से अधिक लोगों की खाने की आदतों पर आधारित आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जिसके स्वास्थ्य परिणामों को लगभग नौ वर्षों तक ट्रैक किया गया था। शोध के परिणामों से पता चला कि चीनी का अधिक सेवन किसी व्यक्ति में हृदय रोगों का जोखिम 6% और स्ट्रोक के खतरे को 10% तक बढ़ाने वाली हो सकती है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और अध्ययन के लेखक कोडी वाटलिंग कहते हैं, प्रतिभागियों द्वारा खाई जाने वाली चीनी का सबसे आम रूप प्रोसेस्ड चीना और मिष्ठान्न था। कुछ लोगों ने कुकीज, शर्करायुक्त पेस्ट्री के माध्यम से भी शर्करा का सेवन किया था। फलों और सब्जियों में प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली शर्करा को हानिकारक नहीं माना जाता है और उसे इस विश्लेषण से बाहर रखा गया था।

हृदय रोग या स्ट्रोक का खतरा

शोधकर्ता वाटलिंग ने कहा कि जिन लोगों में हृदय रोग या स्ट्रोक का खतरा सबसे अधिक पाया गया, उन्होंने प्रतिदिन लगभग 95 ग्राम चीनी का सेवन किया था। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी दिशानिर्देश सुझाव देते हैं कि ऐडेड शुगर की मात्रा दैनिक कैलोरी के 10% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पोषण विभाग के प्रोफेसर वाल्टर विलेट कहते हैं, चीनी-मीठे पेय पदार्थों से परहेज करना शायद सबसे महत्वपूर्ण चीज है जो हम कर सकते हैं। ये डायबिटीज और हार्ट दोनों के खतरे को कम करने में मददगार हो सकती है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शर्करा वाली चीजों के सेवन के कारण शरीर में वसा का अधिक संचय होने लगता है, जो रक्त के प्रवाह को बाधित करने वाली समस्या हो सकती है इससे हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से रक्तचाप बढ़ने का भी जोखिम रहता है जो हार्ट की समस्याओं के प्रमुख कारकों में से एक है।

शरीर के लिए शर्करा युक्त खाद्य-पेय पदार्थ के नुकसान देखे गए हैं, जिस सफेद चीनी का हम सेवन करते हैं वह सबसे हानिकारक हो सकती है। इसकी जगह पर गुड़ जैसे वैकल्पिक चीजों का सेवन करना लाभकारी हो सकता है।

धमनियों में ब्लाक बनना हृदय रोगों का प्रमुख कारण रक्त वाहिकाओं को साफ रखने के लिए खाएं ये चीजें

स्वस्थ और पौष्टिक आहार सिर्फ शरीर को पोषण ही नहीं देते हैं, इससे शरीर निरोगी भी होता है। अध्ययनों में पाया गया है कि आहार में पर्याप्त पौष्टिकता का ध्यान रखकर कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। अगर हम सिर्फ आहार में ही सुधार कर लें तो इससे करीब 40 फीसदी क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं। हृदय रोग-डायबिटीज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव में भी पौष्टिक आहार से लाभ मिल सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि हृदय रोग के अधिकतर मामले धमनियों में प्लाक बनने से संबंधित होते हैं। प्लाक बनने से रक्त के सामान्य प्रवाह में बाधा आ जाती है, जिसके कारण हृदय को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता है। इस तरह की समस्याओं से बचाव करने में भी आहार में सुधार करके विशेष लाभ पाया जा सकता है।

धमनियों में प्लाक से हृदय रोगों का खतरा

धमनियों में प्लाक बनने का मतलब धमनियों की भीतरी दीवारों पर वसायुक्त जमाव, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से है। इस स्थिति को एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है और यह विभिन्न हृदय रोगों का प्रमुख कारक मानी जाती है। आहार में गड़बड़ी के कारण वसा के जमाव का खतरा अधिक हो जाता है। गड़बड़ खानपान के कारण कम उम्र के लोगों में भी इस समस्या को तेजी से बढ़ते हुए देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ खाद्य पदार्थ धमनियों में प्लाक को कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। सभी लोगों को आहार में इनकी मात्रा जरूर बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

नट्स और स्वस्थ तेल

हृदय रोगों से बचाने और धमनियों को स्वस्थ रखने में नट्स के सेवन को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। बादाम और अखरोट जैसे मेवे स्वस्थ वसा, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। इनसे बैड कोलेस्ट्रॉल और शरीर में सूजन की समस्या कम होती है। ज्यादातर नट्स में एल-आर्जिनिन नामक एमिनो एसिड होता है जो स्वस्थ रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में सहायक है।

नट्स की ही तरह खाने के लिए स्वस्थ तेल का चयन करना भी आवश्यक है। ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट और एंटीऑक्सीडेंट, शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मददगार हैं। ऑलिव ऑयल का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर और धमनियों में प्लाक बनने की समस्या कम हो सकती है।

हल्दी का करें सेवन

हल्दी को कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी माना जाता रहा है। शोधकर्ता बताते हैं, हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक होता है, जो एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। यह धमनियों में सूजन को कम करने और प्लाक के निर्माण को रोकने में मददगार हो सकता है। करक्यूमिन को अध्ययनों में रक्त के थक्कों के जोखिम को कम करके, बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी फायदेमंद पाया गया है। भोजन के अलावा रोजाना एक कप हल्दी वाले दूध के सेवन से शरीर को लाभ मिल सकता है।

लहसुन में होते हैं कारगर यौगिक

लहसुन हमारे किचन में मौजूद अति प्रभावी औषधि है जिसे एंटी-इंफ्लामेटरी प्रभावों के लिए जाना जाता है। लहसुन में एलिसिन नामक यौगिक होता है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और धमनियों में प्लाक के निर्माण को रोकने में मदद करता है। रक्तचाप को कम करने, रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने और रक्त के थक्कों के जोखिम को कम करने में भी लहसुन के सेवन को लाभकारी पाया गया है। आहार में लहसुन को जरूर शामिल करें।

अक्सर बनी रहती है कब्ज-पाचन की दिक्कत? कहीं ज्यादा तनाव तो नहीं ले रहे हैं आप

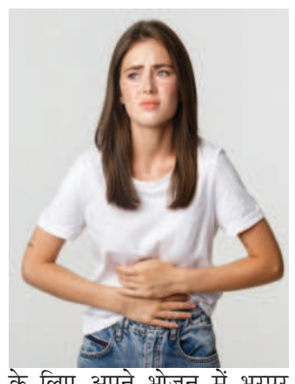

आहार में गड़बड़ी के कारण पाचन की समस्या जैसे कब्ज-अपच होना काफी सामान्य है। पर क्या आपको अक्सर ही इस तरह की दिक्कत बनी रहती है? अगर हां तो इस बारे में किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। कब्ज की लंबे समय तक बनी रहने वाली दिक्कत कई प्रकार की गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकती है।

आहार से संबंधित समस्याएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पाचन-कब्ज की अधिकतर समस्याएं आहार में गड़बड़ी से संबंधित होती हैं। ज्यादा तैलीय, हाई फैट वाली चीजें कब्ज पैदा कर सकते हैं। डेयरी उत्पाद, अंडे, गरिष्ठ मिठाइयों का अधिक सेवन भी समस्याकारक माने जाते हैं। यदि आप इन चीजों का सेवन करते हैं तो पाचन को ठीक रखने के लिए अपने भोजन में भरपूर मात्रा में फाइबर युक्त सब्जियां और साबुत अनाज को भी शामिल करें। ये चीजें कब्ज-अपच की दिक्कतों से बचाने में मददगार हो सकती हैं।

कहीं आप भी तो नहीं ले रहे बहुत ज्यादा तनाव?

ज्यादा तनाव और चिंता की समस्या को शरीर में कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाला पाया गया है। इससे न सिर्फ रक्तचाप और हृदय गति बढ़ सकती है साथ ही अक्सर तनाव की समस्या कब्ज के भी जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। तनाव की स्थिति उन मांसपेशियों को प्रभावित करती है जो आपके शौच जाने के तरीके को नियंत्रित करती हैं। अक्सर बनी रहने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण गंभीर पाचन की दिक्कतों का खतरा हो सकता है।

कई और गंभीर रोगों का हो सकती है संकेत

कब्ज-पाचन की अक्सर बनी रहने वाली समस्याओं के कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारण हो सकते हैं। ऐसी स्थितियां जो आपके मस्तिष्क और रीढ़ को प्रभावित करती हैं- जैसे पार्किंसंस रोग, रीढ़ की हड्डी की क्षति या मस्तिष्क की चोटें भी आपके पाचन को प्रभावित करने वाली हो सकती है। मधुमेह और थायरॉयड ग्रंथि की समस्याएं भी पाचन विकारों का कारण हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर लंबे समय तक आपको कब्ज या पाचन की दिक्कत रहती है तो डॉक्टर की सलाह लेकर जांच जरूर कराएं।

उम्र के साथ होने वाली दिक्कत

डॉक्टर बताते हैं, जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, कब्ज होने की दिक्कत भी अधिक होती जाती है। ऐसा आंशिक रूप से इसलिए होता है क्योंकि आप उम्र बढ़ने पर कम सक्रिय हो सकते हैं और मेटाबॉलिज्म की दिक्कतें भी बढ़ने लग जाती हैं। पाचन की दिक्कतों से दूर रहने के लिए आहार और जीवनशैली में बदलाव के बारे में अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें, जो बुढ़ापे के साथ आपको नियमित रहने में मदद कर सकती हैं।

ब्लड शुगर लेवल बढ़ना या लो होना दोनों खतरनाक ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत जाएं डॉक्टर के पास

ब्लड शुगर का बढ़ना स्वास्थ्य के लिए समस्याकारक स्थिति मानी जाती है। लंबे समय तक शुगर का लेवल बढ़े रहने से शरीर के अन्य अंगों जैसे आंखें, हार्ट, किडनी पर भी नकारात्मक असर हो सकता है। डायबिटीज के शिकार लोगों में अक्सर शुगर लेवल अधिक होने की समस्या देखी जाती है। पर क्या आप जानते हैं, शुगर बढ़ने की तरह ही इसका लो स्तर भी आपके लिए बड़ी मुश्किलों का कारण बन सकती है। अक्सर लो शुगर लेवल के कारण कोमा होने का भी खतरा हो सकता है।

ज्यादातर लोगों में सुबह का फास्टिंग ग्लूकोज लेवल 70 से 100 मिलीग्राम/डीएल के बीच का स्तर सामान्य माना जाता है। वहीं भोजन के बाद 140 मिलीग्राम/डीएल या उससे कम का स्तर सामान्य शुगर लेवल है। हालांकि अगर आपका शुगर लेवल अक्सर 70 मिलीग्राम/डीएल से कम बना रहता है तो इसे लो शुगर माना जाता है। इस स्थिति को हाइपोग्लाइकेमिया कहा जाता है। ये सेहत के लिए गंभीर संकेत हो सकती है।

लो शुगर लेवल खतरनाक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हाइपोग्लाइसीमिया की समस्या अधिकतर मधुमेह का उपचार ले रहे लोगों में देखी जाती है, पर इसका जोखिम किसी को भी हो सकता है। हाइपोग्लाइसीमिया में तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है। समय पर इलाज न मिलने पर झटके आना, जबड़ों के सख्त होने, चेतना की हानि और कोमा का भी खतरा हो सकता है। यही कारण है कि डायबिटीज रोगियों को नियमित अंतराल पर शुगर की जांच कराते रहने की सलाह दी जाती है।

हाइपोग्लाइसीमिया क्यों होता है?

हाइपोग्लाइसीमिया तब होता है जब आपके ब्लड शुगर (ग्लूकोज) का स्तर शारीरिक कार्यों को जारी रखने के लिए बहुत कम हो जाता है। ग्लूकोज हमारे ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। मधुमेह की दवा की अधिकता, इंसुलिन लेने के साथ शुगर कम करने वाले अन्य उपाय हाइपोग्लाइसीमिया का कारण बन सकते हैं। बिना कुछ खाए भारी मात्रा में शराब पीने से भी अचानक से शुगर का लेवल बहुत कम हो जाने की समस्या देखी जाती रही है।

यदि किसी बीमारी के कारण शरीर अधिक मात्रा में इंसुलिन का उत्पादन करने लग जाए तो इसके परिणामस्वरूप भी हाइपोग्लाइसीमिया हो सकता है।

कैसे पहचानें लो शुगर के लक्षण

यदि रक्त शर्करा का स्तर बहुत कम हो जाता है, तो इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। रोगी को अस्थिरता-बेचैनी, पसीना आने, अनियमित या दिल की धड़कन तेज होने, थकान, चिड़चिड़ापन, शरीर में झुनझुनी या सुन्न होने की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक लो रहने वाले शुगर लेवल के कारण भ्रम, असामान्य व्यवहार जैसी दिक्कत, बोलने में कठिनाई, धुंधला दिखने की भी समस्या होने लगती है।

लो शुगर हो जाए तो क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यदि हाइपोग्लाइसीमिया की पहचान न हो पाए या इसे अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो रोगी को झटके आने, कोमा यहां तक कि मौत भी हो सकती है।

अगर किसी में अचानक से शुगर लेवल कम हो गया हो तो तुरंत 15 से 20 ग्राम तेजी से काम करने वाले कार्बोहाइड्रेट या मीठे बिस्किट दें। फलों का रस, सोडा, शहद या मीठी कैंडी से भी शुगर बढ़ाया जा सकता है। लक्षणों में थोड़ा आराम मिलते ही रोगी को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

क्या टॉन्सिल का आयुर्वेद में उपचार है?

प्रश्न : मेरी 12 साल की बेटी के टॉन्सिल अक्सर बड़े हो जाते हैं। डॉक्टर इसे ऑपरेशन से निकाल देने की सलाह देते हैं । क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपया कर बताएं।

- अप्पा राव, मेडचल

उत्तर : टॉन्सिल ग्रंथि हमारे पाचन तंत्र की पहली सुरक्षा कड़ी है। भोजन या किसी भी पेय में जो हानिकारक जैव तत्व होते हैं - टांसिल या तुंडीकेरी ग्रंथि उसे पहले ही खत्म कर देती हैं। आज पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान के दिग्गज शल्य चिकित्सक भी एकमत से स्वीकार करते हैं कि टांसिल को जहां तक हो सके बचाना चाहिए, उसे निकालना या टांसिलेक्टमी को जहां तक हो सके टालना या नहीं करना चाहिए। कंठशोध, गलग्रंथिशोथ या तुंडीकेरिशोथ का आयुर्वेद में उपचार है।

ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस की 25 टिकिया, सितोपलादि चूर्ण 100 ग्राम, अभ्रक भस्म 1000 पुटी एक ग्राम, गिलोय सत्व 100 ग्राम, यष्टिमधु चूर्ण 100 ग्राम, श्रृंग भस्म 10 ग्राम को पूरा मिलाकर एक जीव कर लें। इसे सुरक्षित डब्बी में भर लें। इसे 3 ग्राम की मात्रा में सुबह - दोपहर- शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु एवं ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी गुनगुने पानी से दें। हर बार भोजन या कोई भी पेय लेने पर गरारे या कुल्ली करें। हर प्रकार के मीठे, मिठाई, गुड़, शक्कर आदि से बने पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी मलाई, ठंडे पेय एवं बहुत ज्यादा पके मीठे फल से पूरा परहेज करें। बासी भोजन, फ्रिज में रखे भोजन, ठंडे पानी, दही से भी परहेज करें। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कम से कम तीन से चार माह चिकित्सा चालू रखें। ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रश्न : मुझे ड्योडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- नागेंद्र वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल ड्योडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 -4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना, धूप, वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले 2 माह से छींके बहुत आती है। नाक से पानी भी बहने लगता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती संगीता रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामिन्स के प्रयोग से उनींदापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभाव यानी साइड इफेक्ट से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तन जन्य एलर्जिक सर्दी - जुकाम में औरा एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे महालक्ष्मी विलास रस या लक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है। इसके साथ यदि खांसी हो तब औरा फ्रीलंझ सिरप का प्रयोग करें। यदि खांसी के साथ कफ या बलगम हो और श्वास लेने में कठिनाई हो तब ऊंझा कफकेशरी सिरप का प्रयोग उचित और हानि रहित है। तेज नजले में नाक में षडबिंदु तेल का प्रयोग तुरंत नतीजे देता है एलर्जिक प्रतिश्याय में तेज सुगंध, इत्र - फुलेल, धूल -धूआं से एवं जहां प्रदूषित वातावरण हो वहां जाने से बचें । दही, केला, अमरूद, अन्नानास, आइसक्रीम, आदि से परहेज जरूरी है । घर का वातावरण साफ सुथरा रखें। सोने का कमरा हवादार एवं शांत हो।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

सोने से पहले बनाइए ये एक आदत, नींद की दिक्कत के साथ कई बीमारियों का भी कम होगा जोखिम

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रात की अच्छी नींद कितनी जरूरी है, इसके बारे में कई मेडिकल रिपोर्ट्स में चर्चा की गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सोने से पहले की कुछ आदतों के बारे में भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है। डॉक्टर्स कहते हैं, सभी लोगों को सोने से पहले हल्दी वाले दूध का सेवन जरूर करना चाहिए, ये वास्तव में आपकी सेहत को गजब का बूस्ट दे सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को सोने से पहले एक कप हल्दी वाला दूध जरूर पीना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि हल्दी वाले दूध में शरीर को आराम देने वाले गुण होते हैं, मुख्य रूप से इसकी सूजन को कम करने और तंत्रिका तंत्र को शांत करने की क्षमता इसे काफी खास बनाती है। कई लोगों का मानना है कि सोने से पहले गर्म हल्दी वाला दूध पीने से आराम मिलता है और नींद की गुणवत्ता में भी सुधार हो सकता है।

हल्दी दूध के कई फायदे

आयुर्वेद विशेषज्ञ कहते हैं, हल्दी में मौजूद करक्यूमिन वास्तव में शरीर के लिए बहुत कारगर है। वयस्कों में स्मृति और ध्यान को बेहतर बनाने में मदद करने के साथ ये कई क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मददगार हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन की मात्रा आपको अच्छी नींद पाने में मदद कर सकती है साथ ही डायबिटीज, इंफ्लामेशन जैसी शारीरिक समस्याओं को कंट्रोल करने में भी इससे लाभ हो सकता है। मेडिकल साइंस ने भी हल्दी वाले दूध को बहुत फायदेमंद पाया है।

शरीर को मिलता है आराम, नींद में सुधार

हल्दी में पाया जाने वाला सक्रिय घटक करक्यूमिन, अपने मजबूत एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग किया जाता रहा है। एंटीऑक्सिडेंट ऐसे यौगिक होते हैं जो कोशिकाओं की क्षति को कम करने में मदद करते हैं। अगर दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका सेवन किया जाए तो मांसपेशियों को आराम मिलता है। इससे न सिर्फ अच्छी नींद मिलती है साथ ही एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ये पेय आपको संक्रमण और बीमारी के जोखिमों से बचाने में भी लाभकारी है।

क्रोनिक बीमारियों से बचने का तरीका

शोध में पाया गया है कि करक्यूमिन, कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे इंफ्लामेशन, कैंसर, मेटाबोलिक सिंड्रोम, अल्जाइमर और हृदय रोग को कम करने में भी फायदेमंद हो सकती है। इसकी एंटी-इंफ्लामेटरी प्रकृति ऑस्टियोआर्थराइटिस और रुमेटीइड आर्थराइटिस से होने वाले जोड़ों के दर्द को कम करने में भी सहायक है। हल्दी वाले दूध से मूड को सुधारने और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में भी विशेष लाभ पाया जा सकता है।

शुगर को कंट्रोल करने में लाभकारी

कुछ अध्ययन यह भी कहते हैं कि अगर आप रोजाना सोने से पहले हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं तो ये फास्टिंग शुगर को कंट्रोल करने में आपके लिए विशेष फायदेमंद हो सकती है। दूध में मौजूद कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों के साथ हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन, इंसुलिन के उपयोग को बढ़ाकर शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकने में सहायक है। डायबिटीज रोगियों के लिए ये पेय काफी लाभकारी हो सकती है।

यूपीएससी का एग्जाम ज्यादा कठिन या आईआईटी जेईई?

आनंद महिंद्रा की पोस्ट से छिड़ी नई बहस, 12वीं फेल का क्यों किया जिक्र

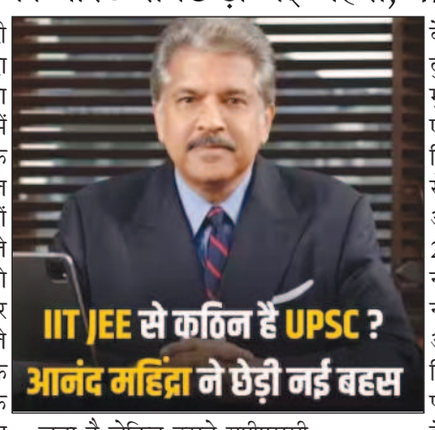

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ना सिर्फ देश के शीर्ष उद्योगपतियों में से हैं, बल्कि सम-सामयिक विषयों पर अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहते हैं। अब उनकी हालिया पोस्ट जो कि भारत के सबसे प्रतिष्ठित और कठिन माने जाने वाले कॉम्पटीटिव एग्जाम यूपीएससी के बारे में है, उसने नेटिजन्स के बीच देश के कुछ मुख्य एग्जाम्स के बीच कौनसी परीक्षा सबसे कठिन है, इस पर बहस छेड़ दी है।

पहले जानिए आखिरकार आनंद महिंद्रा ने यूपीएससी को लेकर क्या कहा है, उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि-

12वीं फेल देखने के बाद मैंने चारों ओर देखा और हमारी प्रवेश परीक्षाओं के जैसे कठिनाई के बारे में कई युवाओं से बात की। उनमें से एक आईआईटी से ग्रेजुएट था जो एक बिजनेस स्टार्टअप से जुड़ा है लेकिन उसने यूपीएससी परीक्षा भी दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूपीएससी आईआईटी जेईई से कहीं अधिक कठिन है। मुझे आश्चर्य है कि अगर यह एक आम धारणा है, तो इस स्थिति में इस रैंकिंग को बदलने की जरूरत है!

ग्लोबल रैंकिंग में बदलाव होना चाहिए !- आनंद महिंद्रा

आनंद महिंद्रा ने अपनी पोस्ट में साफ तौर पर कहा है कि एक छात्र से बात करने के बाद उन्हें लगता है कि ग्लोबल रैंकिंग में बदलाव होना चाहिए। महिंद्रा ग्रुप के चेयरपर्सन ने दुनिया की 10 सबसे मुश्किल परीक्षाओं पर एक पोस्ट भी साझा किया है। इसमें भारत से तीन शामिल हैं - आईआईटी जेईई नंबर 2 पर, यूपीएससी नंबर 3 पर, और गेट नंबर 8 पर। हालांकि आनंद महिंद्रा ने कहा कि अगर उन्हें जो फीडबैक मिला है, वह है यह सच है तो इसे रिफ्लेक्ट करने के लिए वर्ल्ड रैंकिंग को अपडेट किया जाना चाहिए।

आनंद महिंद्रा ने किया बॉलीवुड फिल्म 12वीं फेल का जिक्र

जाहिर तौर पर आनंद महिंद्रा ने पिछले साल आई बॉलीवुड फिल्म 12वीं फेल का जिक्र किया। दरअसल सिनेमाप्रेमियों के बीच ये फिल्म अच्छी चर्चा का विषय बनी थी। इसमें एक आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की कहानी है जो बेतहाशा गरीबी से लड़कर आईपीएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहते थे और 12वीं कक्षा में एक बार फेल होकर भी इस मुकाम तक पहुंच पाए थे। इस फिल्म में विक्रांत मैसी ने मुख्य भूमिका निभाई है और फिल्म को बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला है। मूवी के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा को भी इस फिल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है।

नेटिजन्स के बीच छिड़ गई बहस

आनंद महिंद्रा के इस पोस्ट के बीच इस मुद्दे पर नई बहस छिड़ गई है और नेटिजन्स इसको लेकर अलग-अलग तरीके से रिएक्ट कर रहे हैं। कुछ का मानना है कि हां - यूपीएससी देश की सबसे मुश्किल परीक्षा है तो कुछ का कहना है कि आईआईटी जेईई को ज्यादा कठिन एग्जाम के तौर पर ही देखा जाना चाहिए क्योंकि ये बेहद कड़ी टेक्निकल परीक्षा है। आनंद महिंद्रा की इस पोस्ट को अब करीब चार हजार लाइक्स मिल चुके हैं।

क्या है राजीव गांधी इक्विटी स्कीम? निवेश करने पर मिलती है 50 हजार रुपए की टैक्स छूट

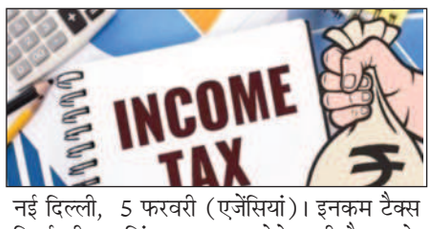

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न की फाइलिंग जल्द शुरू होने वाली है। उसके बाद से कई टैक्सपेयर फाइल करने में लग जाएंगे। अगर आप उन लोगों की लिस्ट में है और इस बात को लेकर चिंतित हैं कि टैक्स सेविंग का कोई तरीका मिल जाए तो यह खबर आपके लिए है। हम इसमें एक ऐसी स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका फायदा आप ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत उठा पाएंगे। उस स्कीम का नाम राजीव गांधी इक्विटी स्कीम है, जो टैक्स बेनिफिट्स प्रदान करती है, राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम छोटे निवेशकों को डोमेस्टिक कैपिटल मार्केट में बचत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

क्या है राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम?

राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम (आरजीईएसएस) की घोषणा 2012-13 में केंद्रीय बजट में की गई थी और 2013-14 में इसका और विस्तार किया गया। यह एक टैक्स सेविंग स्कीम है। यह विशेष रूप से नए निवेशकों के लिए डिज़ाइन की गई है, जिनके पास सिक्योरिटी मार्केट में बहुत कम या कोई अनुभव नहीं है और जिनकी प्रति वर्ष ग्रॉस इनकम एक निश्चित राशि से कम है। वह इसका फायदा उठा सकते हैं। जब योजना शुरू की गई थी तो 2012-13 में इनकम लिमिट 10 लाख रुपये रखी गई थी। 2013-14 में इसे बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया। आयकर अधिनियम की धारा 80सीसीजी के तहत, निवेशक वर्ष के दौरान निवेश की गई राशि में से 50 प्रतिशत की कटौती के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें उन्हें 50 हजार रुपए की टैक्स छूट मिल सकती है।इस योजना का उद्देश्य भारत के सिक्योरिटी मार्केटों में रीटेल निवेशकों के आधार का विस्तार करना और बदले में वित्तीय समावेशन और वित्तीय स्थिरता लाना है। यह देश में इक्विटी निवेश की संस्कृति को जन्म देकर बचत के प्रवाह को प्रोत्साहित करके घरेलू पूंजी बाजार में सुधार को प्रोत्साहित करता है।

दोपहर बाद मुनाफावसूली बढ़ने के चलते लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, मिड कैप इंडेक्स भी फिसला

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक साबित हुआ है. आज के ट्रेड में पूरे दिन उठापटक के बाद बाजार लाल निशान में क्लोज हुआ है. इससे पहले सुबह में बाजार तेजी के साथ खुला था. लेकिन दोपहर बाद निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते बाजार में तेज गिरावट आ गई. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 354 अंकों की गिरावट के साथ 71,731 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82 अंकों की गिरावट के साथ 21,771 अंकों पर क्लोज हुआ है.

सेक्टर का हाल

आज के कारोबार में ऑटो, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. लेकिन बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फाइनेंशियल सेक्टर्स, इंफ्रा, एफएमसीजी सेक्टर के शेयर्स गिरावट के साथ बंद हुए. आज के कारोबार में मिड कैप स्टॉक्स में भी गिरावट देखने को मिली है. जबकि स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी रही जिसके चलते निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुआ है.

मार्केट कैप में मामूली बदलाव

भारतीय शेयर बाजार में जोरदार गिरावट के बावजूद फार्मा स्टॉक्स में उछाल के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन रिकॉर्ड 382.67 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछला सत्र में 382.74 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 7000 करोड़ रुपये की गिरावट देखने को मिली है.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में टाटा मोटर्स 6.33 फीसदी, पावर ग्रिड 3.79 फीसदी, टाटा स्टील 2.81 फीसदी, सन फार्मा 2.75 फीसदी, एनटीपीसी 2.24 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि भारती एयरटेल 2.69 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.78 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.47 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

सीतारमण ने कुछ राज्यों को कोष न देने के आरोपों को नकारा

कहा- यह महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा गैर भाजपा शासित राज्यों के लिए जाने वाले कोष पर रोक लगाने के आरोपों पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से भद्दे विचार हैं और निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर ऐसा कह रहे हैं।

कांग्रेस नेता को जवाब

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने केंद्र पर धन नहीं देने का आरोप लगाया है। इसी को लेकर लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक सवाल पूछा, जिसके जवाब में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि प्रणाली अच्छी तरह से स्थित है और केंद्र सरकार वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार काम करती है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा, 'कुछ राज्यों के साथ भेदभाव होने की यह खबर महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार है और मुझे यह कहते हुए खेद है कि निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर इसे कहते हैं।' सीतारमण ने कहा कि कोई भी केंद्रीय वित्त मंत्री वित्त आयोग की सिफारिशों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है कि कोई वित्त मंत्री यह कहकर हस्तक्षेप कर सके कि उसे यह राज्य पसंद नहीं है, इसलिए उसका भुगतान बंद कर दिया जाए। यह बिल्कुल भी संभव नहीं है और न यह इस तरह से हो सकता है। प्रणाली को बहुत अच्छी तरह से स्थापित किया गया है।

यह है आरोप

गौरतलब है, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि कांग्रेस की राज्य इकाई – सभी विधायकों, विधान पार्षदों और सांसदों सहित – अंतरिम बजट में राज्य को उचित धनराशि आवंटित नहीं करने के लिए सात फरवरी को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक देश में दूसरा सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाला राज्य है और यह दुख की बात है कि हमारे राज्य को हर बार झटका लगता है। पिछले पांच साल से भाजपा सरकार कर्नाटक की अनदेखी कर रही है। यह अनुचित है।'

आरबीआई कब कम करेगा लोन ईएमआई क्या कहता है एसबीआई?

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी फरवरी की मॉनेटरी पॉलिसी की रिव्यू मीटिंग में रेपो रेट पर पॉज बटन दबाए रख सकता है। रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को लोन देता है। आरबीआई ने अपनी दिसंबर की बैठक में सर्वसम्मति से पॉलिसी रेट को 6.15 फीसदी पर रखने का फैसला लिया था। एसबीआई रिसर्च की इकोरैप रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई फरवरी पॉलिसी मीटिंग में भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। मजबूत अमेरिकी नॉन-एग्री पेरोल डेटा और सैलरी ने दरों में त्वरित कटौती की बाजार की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। आरबीआई की मीटिंग 6 फरवरी मंगलवार से शुरू हो रही है।

जून से पहले संभावना नहीं

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली रेपो दर में कटौती जून 2024 से हो सकती है। वैसे यह अगस्त 2024 तक आगे खिसक सकता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एवरेज कोर इंफ्लेशन (फूड और फ्यूल को छोड़कर सीपीआई) जो 2021 और 2022 (6 फीसदी औसत) के दौरान बेहद स्थिर थी, 2023 में तेजी से कम होकर 5 फीसदी हो गई है। रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है, कि सीपीआई वित्त वर्ष 2024 में 5.4 फीसदी और वित्त वर्ष 2025 में 4.6 फीसदी से 4.8 फीसदी के आसपास आने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली एमपीसी 6 फरवरी को शुरू होगी और 8 फरवरी तक चलेगी। 8 फरवरी को आरबीआई अपने फैसलों का ऐलान करेंगे।

2.50 फीसदी का हुआ था इजाफा

आरबीआई ने आखिरी बार 23 फरवरी 2023 को रेपो रेट में इजाफा किया था। मई 2022 से फरवरी 2023 तक आरबीआई ब्याज दरों को 4 फीसदी से बढ़ाकर 6.50 फीसदी तक लेकर आ गए थे। आरबीआई ने ऐसा महंगाई को रोकने के लिए ऐसा किया था। फरवरी 2023 आरबीआई ने 25 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया था। उसके बाद से 5 मीटिंग हो चुकी है। लेकिन कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। अगर इस मीटिंग में भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होता है तो लगातार 6वीं बार ऐसा होगा।अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी जनवरी की बैठक में प्रमुख ब्याज दर को लगातार चौथी बार फ्रीज रखते हुए 5.25-5.50 फीसदी पर वैसे ही छोड़ दिया। अमेरिकी मॉनेटरी पॉलिसी कमेटीने अपने बयान में कहा कि हालिया इंडीकेटर्स से पता चलता है कि आर्थिक गतिविधि ठोस गति से बढ़ रही है। कोविड के बाद महंगाई के खिलाफ लड़ाई में यूएस फेड ने ब्याज दरों को लगभग शून्य से बढ़ाकर अब 5.25-5.50 फीसदी कर दिया है।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर, पीएमआई 61.8 पर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)।भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और सकारात्मक मांग के दम पर जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। इस दौरान मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जनवरी में 61.8 पुहंच गया। यह दिसंबर में 59 पर था।खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर के अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है।एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, '' भारत की सेवा पीएमआई जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। नए व्यवसाय का विस्तार तेज गति से हुआ और भविष्य की गतिविधि के लिए प्रबंधकों की उम्मीदें मजबूत बनी हैं। कारोबारी गतिविधि सूचकांक में तेजी आई, जिससे संकेत मिलता है कि भारत का सेवा निर्यात मजबूत बना हुआ है।''नई निर्यात बिक्री तीन महीनों में सबसे तेज़ गति से बढ़ी। कंपनियों ने अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका सहित दुनिया भर में ग्राहकों से लाभ का संकेत दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 58.5 से बढ़कर 61.2 हो गया।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी, 5 फरवरी को गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 517 रुपए सस्ता होकर 62,625 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46,969 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी में आज हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। ये 1,319 रुपए सस्ती होकर 70,545 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,864 रुपए पर थी।

जनवरी में सोने में रही गिरावट

जनवरी में सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली थी। महीने की शुरुआत यानी 1 जनवरी को सोना 63,302 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 जनवरी को 62,685 रुपए पर आ गया है। यानी इस महीने अब तक इसकी कीमत में 617 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। वहीं चांदी भी 73,624 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 71,668 रुपए पर आ गई थी।

इस महीने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 के तहत 12 से16 फरवरी तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा। हालांकि, गोल्ड बॉन्ड किस रेट पर जारी किए जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। ये बॉन्ड 1 ग्राम सोने का होता है, यानी 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

पेटीएम डूबने की कगार पर पहुंची

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)।भारत की चर्चित फिनटेक कंपनी पेटीएम इन दिनों सुर्खियों में है। इसके पीछे एक बड़ा कारण आरबीआई द्वारा उसकी बैंकिंग सर्विस पर बैन लगाना है। इसको लेकर हर रोज अलग-अलग दिग्गज द्वारा बयान दिया जा रहा है। इन सबका असर कंपनी के शेयर पर भी देखने को मिल रहा है, जो पिछले कुछ दिनों में 40 फीसदी से अधिक नीचे आ गया है। भारत के आर्थिक परिदृश्य से जुड़ा जब भी कोई मामला आता है तो रघुराम राजन को याद किया जाता है। क्या आपको पता है कि जो पेटीएम आज संकट से जूझ रही है। कभी उसे हरी झंडी देने का काम रघुराम राजन ने ही किया था। चलिए इतिहास का पन्ना पलटते हैं।आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन पहले भी रेगुलेटरी बॉडी का उल्लंघन करने वाले इनोवेशन को वार्न कर चुके हैं। वह कहते हैं कि पेटीएम भारत के बैंकिंग सिस्टम में इनोवेशन की क्रांति पैदा करने वाले टॉप दावेदारों में से एक था। वह बताते हैं कि आरबीआई ने अगस्त 2013 में एक चर्चा पत्र के माध्यम से भारत में खास बैंकिंग जरूरतों को महसूस करते हुए आवेदकों को लाइसेंस जारी किए थे। पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा उन 11 आवेदकों में शामिल थे, जिन्हें आरबीआई ने अगस्त 2015 में पेमेंट बैंक स्थापित करने के लिए मंजूरी दी थी। पेटीएम पेमेंट बैंक वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) की एक शाखा है, जिसके पास 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शर्मा के पास बैंक की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। बता दें कि रघुराम राजन आरबीआई के 23वें गवर्नर के तौर पर सितंबर 2023 से सितंबर 2016 तक कार्य किए हैं।वह कहते हैं कि उन 11 एप्लीकेंट्स में वोडाफोन के एमपैसा, आदित्य बिड़ला मनी और टेक महिंद्रा अपने बैंक लाइसेंस प्राप्त करने के बावजूद इस बिजनेस में नहीं आए। हम पेमेंट बैंकों पर दांव लगा रहे हैं। पेटीएम एक इनोवेटिव फर्म है और इनोवेटिव कंपनियां हमेशा नियामकों के साथ सहज नहीं होती हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते हैं कि वे सिस्टम को कहां धकेलते हैं और इसलिए उनके पास पेमेंट बैंक का लाइसेंस है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर.. 05-25 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	कुंभ... 07-16 बजे
मंगल	मकर	में	मीन .. 08-53 बजे
बुध-	मकर	पें	मेष-- 10-29 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष-- 12-14 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन.. 14-14 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क... 16-27 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह... 18-38 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या.. 20-45 बजे
			तुला..... 22-50 बजे
			वृश्चिक 00-01 बजे
			धनु..... 03-18 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-50 सूर्यास्त. - 18-09
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तरं - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 16 -07 - तक उपरान्त द्वादशी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , मंगलवार 06 February
नक्षत्र - ज्येष्ठा - 07 - 34 - तक उपरान्त मूल
योग - व्याघात - 08 - 49 - तक उप हर्षण
करण- बालव - 16 - 07 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - षटतिला एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:21 से 16:47 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:50 - 08:14	अशुभ	काल	18:09 - 19:47	अशुभ
उत्पात	08:14 - 09:39	अशुभ	लाभ	19:47 - 21:21	शुभ
चंचल	09:39 - 11:05	शुभ	उत्पात	21:21 - 22:56	अशुभ
लाभ	11:05 - 12:30	शुभ	शुभ	22:56 - 24:30	शुभ
अमृत	12:30 - 13:56	शुभ	अमृत	24:30 - 02:04	शुभ
काल	13:56 - 15:21	अशुभ	चंचल	02:04 - 03:39	शुभ
शुभ	15:21 - 16:47	शुभ	रोग	03:39 - 05:13	अशुभ
रोग	16:47 - 18:09	अशुभ	काल	05:13 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं ।अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए ।नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुड़ी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे । दोस्तों और परिवार के साथ आनंद लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है ,वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है,उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा ।मछली खाते हुए सावधान रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राहुल गांधी ने चलाई 200 किलो कोयले से लदी साइकिल

बोले-आदिवासियों की सरकार बीजेपी को स्वीकार नहीं, एक साथ खड़े हुए तो सरकार बच गई

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का चौथा दिन है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को अपने यात्रा की शुरुआत रामगढ़ के महात्मा गांधी चौक से की। इस दौरान राहुल गांधी ने साइकिल पर कोयला ले जा रहे युवाओं से मुलाकात की।

रांची में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड में आपकी सरकार को क्यों हटाया गया। क्योंकि, यहां आदिवासियों की सरकार थी, जो बीजेपी को स्वीकार नहीं। लेकिन, हमलोग एक साथ खड़े हुए तो सरकार बच गई। केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके लोकतंत्र पर अटैक किया जा रहा है और जनता की आवाज को दबाया जा रहा है। हमारा गठबंधन लोकतंत्र की आवाज को कभी दबने नहीं देगा। मोदी जी कहा करते है वो पिछड़े वर्ग से है। जब उनसे कहा गया कि जाति जनगणना करवा दीजिए तो उन्होंने कहा कि देश में दो ही जाति है एक अमीर है, एक गरीब है।

नोट बंदी और जीएसटी के जरिए मोदी सरकार पर किया हमला

नोट बंदी, जीएसटी के बाद देश में भयंकर बेरोजगारी फैल गई है। छोटे व्यापारियों को देश में खत्म कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने नोट बंदी के नाम पर छोटे

व्यापारियों को खत्म कर दिया है। आज देश का युवा रोजगार हासिल नहीं कर सकता है। जब तक दिल्ली की सरकार नहीं बदलेगी, तब तक देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है।

धीरे-धीरे सार्वजनिक क्षेत्र को खत्म किया जा रहा है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार धीरे-धीरे सार्वजनिक क्षेत्र को खत्म कर रही है। केंद्र सरकार चाहती है कि एचईसी काम न करे और आने वाले दिनों में वे एचईसी का नाम बदलकर अडाणी का नेमप्लेट लगा देंगे। वे इसका निजीकरण करना चाहते हैं। मैं जहां भी जाता हूं, वहां मुझे पीएसयू के लोग हाथों में पोस्टर लेकर खड़े दिखते हैं। उन्होंने कहा कि बीएचईएल, एचएएल और एचईसी को धीरे-धीरे अडाणी के हवाले किया जा रहा है।

देश में हो रहे अन्याय मोदी जी के मंत्रियों को नहीं दिख रहा

राहुल गांधी ने कहा कि देश में आर्थिक अन्याय, महिलाओं के खिलाफ अन्याय और मजदूरों के खिलाफ अन्याय हो रहे है। ये अन्याय मोदी जी और उनके मंत्रियों को नहीं दिखता है। इसी को लेकर हमने न्याय यात्रा शुरू की है। हिंसा से कुछ नहीं होने वाला है। इससे बेरोजगारी और महंगाई फैलेगी। इससे केवल अडाणी जी का पैसा बढ़ेगा।

सरना धर्म कोड लागू होकर रहेगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड में लंबे समय से सरना धर्म कोड की मांग हो रही है, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। सरना धर्म कोड देना होगा। उन्होंने जनसभा को आह्वान करते हुए कहा कि हम सरना धर्म कोड दिलाकर रहेंगे।

जनसभा से पहले कोयले से लदी साइकिल के साथ फोटो किया शेयर

राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करने से पहले 200 किलो कोयले से लदी साइकिल को चलाया और इसका फोटो सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा- साइकिल पर 200-200 किलो कोयला लेकर रोज 30-40 किलोमीटर चलने वाले इन युवाओं की आय नाम मात्र है। बिना इनके साथ चले, इनके भार को महसूस किए, इनकी समस्याओं को नहीं समझा जा सकता। इन युवा श्रमिकों की जीवनगाड़ी धीमी पड़ी, तो भारत निर्माण का पहिया भी थम जाएगा।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान उन्होंने वहां स्कूली बच्चों से मुलाकात भी की। सुबह 10 बजे राहुल गांधी ने रांची में प्रवेश किया। शहर के इरबा ओरमांझी में शहीद शेख भिखारी एवं उमराव सिंह के शहादत स्थल में श्रद्धांजलि दी। राहुल यहां यहां सेबूटी मोड़, बरियातू रोड, एसएसपी आवास, राजभवन, रातू रोड, हरमू रोड, बाइपास होते हुए धुर्वा स्थित शहीद मैदान पहुंचेगा।

यहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेमंथ रेड्डी भी मौजूद रहेंगे। फिर यहां से वे खूंटी के लिए रवाना हो जाएंगे। वहां वे रात में आराम करेंगे। इसे लेकर शहर के ट्रैफिक में बदलाव किए गए हैं। वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं। इस जनसभा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेमंथ रेड्डी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, सभी विधायक सहित प्रदेश के तमाम पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यकर्ता रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि सभा ऐतिहासिक होगी। राहुल गांधी की रांची यात्रा को देखते हुए प्रशासन की ओर से विशेष तौर पर चौकसी बरती जा रही है। राहुल के खाने-पीने की जांच के लिए दो फूड इंस्पेक्टर को तैनात किया गए हैं। उनकी यात्रा में शामिल वीवीआईपी के खानों की भी जांच की जाएगी।

बेटी की शादी में आए मेहमानों को पिता ने बांटे हेलमेट

सभी ने पहनकर किया डांस

कोरबा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शादी का सिलसिला शुरू हो गया है। शादी के इस सीजन में लोग कुछ खास और अलग करना चाहते हैं। कोरबा में बस इसी तरह एक अलग ही अंदाज में शादी का नजारा देखने को मिला। यहां शादी में बाइक से आए लोगों को हेलमेट बांटा गया। इतना ही नहीं, लोगों ने हेलमेट पहनकर डांस भी किया और लोगों को सुरक्षा को लेकर जागरुक किया है। जानकारी के अनुसार, मुड़ापार के रहने वाले सेद यादव के परिवार में 38 सदस्य हैं। सेद कुमार यादव की बड़ी बेटी नीलिमा यादव स्पोर्ट्स टीचर हैं। नीलिमा की शादी बिलाईगढ़ जिले के लंकाहुडा गांव में रहने वाले खम्हन यादव से हुई। शादी कार्यक्रम के दौरान उनके यहां बाइक से आए मेहमानों को हेलमेट देकर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर जागरूक किया। घर के सदस्यों ने हेलमेट पहनकर डांस किया और लोगों को हेलमेट

पहनकर बाइक चलाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम काफी मनमोहक था, जिसे देखने आसपास की बस्ती के लोग भी पहुंचे हुए थे।

हेलमेट डांस में 12 सदस्यों ने डांस किया। इसके अलावा इस शादी कार्यक्रम में मनमोहन गड़वा बाजा का भी लोगों ने आनंद उठाया। सेद यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ कल्चर को जिंदा रखने के साथ शादी की गई। गढ़वा बाजा में लोग खूब लुफ्त उठाये। सेद यादव ने ये भी बताया कि शराब पीकर वाहन न चलाएं न ऐसे चालक के साथ बैठें। आए दिन शराब के नशा के चलते हादसे हो रहे हैं। कई लोगो की जान तक जा रही हैं, ऐसे लोगो को जागरूक करने के लिए इस तरह का कार्यक्रम रखा गया है।

अनियंत्रित होकर पलटी तेज रफ्तार माजदा गाड़ी, नौ लोग घायल

जांजगीर चांपा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अकलतरा थाना क्षेत्र के पिपरसत्ती गांव में मोड़ के पास तेज रफ्तार माजदा गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी गई। माजदा में 30 लोग सवार होकर चमत्कारी तालाब में नहाने के लिए जा रहे थे। इसमें से एक बच्ची सहित नौ लोगों को चोट आई है। सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार, अकलतरा थाना क्षेत्र के मधुवा गांव के रहने वाले सभी 30 लोग सोमवार सुबह करीब पांच बजे अपने घर से माजदा गाड़ी में सवार होकर मुंगेली जिले के पेंड्री गांव के तालाब में नहाने के लिए जा रहे थे। माजदा गाड़ी चालक तेज रफ्तार से चला रहा था। पिपरसत्ती गांव पहुंचे थे, तभी गाड़ी चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

47 दुकानों को प्रशासन ने तोड़ा

अंजुमन जमात खाना की बाउंड्री वॉल भी शामिल

कबीरधाम, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह नगर कवर्धा में सोमवार को अवैध कब्जा पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। शहर के कलेक्टोरेट रोड स्थित भोजली तालाब के पास अंजुमन जमात खाना की बाउंड्रीवॉल समेत अन्य लोगों के 47 दुकानों में प्रशासन का बुलडोजर चला है। यह कार्रवाई नगर पालिका और राजस्व विभाग के टीम ने की है। जानकारी के अनुसार, मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कार्रवाई की शुरूआत सोमवार सुबह नौ बजे से शुरू हुई। जिला प्रशासन का कहना है कि अवैध अतिक्रमण किए हुए लोगों को दो फरवरी को नोटिस दिया गया था। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके कारण कार्रवाई की गई। दूसरी ओर अतिक्रमण की कार्रवाई से दुकानदार नाराज हैं।

दुकानदारों का कहना है कि वे इस जगह में बीते 10 वर्ष से छोटी-मोटी दुकान लगाकर काम कर रहे हैं। बीते 10 वर्ष में उन्हें नहीं हटाया गया। अब कार्रवाई की जा रही है। इससे अब वे बेरोजगार हो जाएंगे। दुकानदारों ने जिला प्रशासन से किसी भी अन्य स्थान पर में जगह देने की मांग की है।

अंग्रेजी में अभिभाषण पर भूपेश ने राज्यपाल को टोका

कहा-समझ नहीं आ रहा, छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के अभिभाषण के साथ बजट सत्र का आगाज हो गया है। अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही पहले 5 मिनट, बाद में मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले राज्यपाल ने शीत सत्र की तरह जब अंग्रेजी में भाषण पढ़ना शुरू किया तो पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने इस बार भी उन्हें बीच में 2 बार टोका।

भूपेश ने कहा कि सदस्यों को अंग्रेजी नहीं आती इसलिए इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए। मंत्री ओपी चौधरी मेज थपथपाते हैं, तो सत्ता पक्ष के सभी लोग मेज थपथपाने लगते हैं।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि हमारी सरकार जनहितैषी सरकार है, जिसका फोकस किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों पर है। अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित की गई। इससे पहले उन्होंने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेई को भी याद किया।

राज्यपाल के अभिभाषण की मुख्य बातें

सुशासन का नया दौर शुरू करने के लिए सरकार संकल्पबद्ध

नवगठित विधानसभा के प्रथम सत्र के अपने अभिभाषण में मैंने कहा था कि मेरी सरकार छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री माननीय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदर्शों और सिद्धांतों के अनुसार छत्तीसगढ़ में सुशासन का नया दौर शुरू करने के लिए संकल्पबद्ध है।

जनता से किए वादे पूरे करने की दिशा में ठोस कदम

मुझे खुशी है कि अल्प अवधि में मेरी सरकार ने जनता से किए गए वादे पूरे करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं, जिसके कारण प्रदेश में न्याय, राहत और विकास का नया दौर शुरू हुआ

है। 'समृद्ध किसान-संपन्न प्रदेश' की अवधारणा पर तेजी से अमल साल के धान के बकाया बोनस 3 हजार 716 करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में डाल दी गई है। 'जनजाति उत्थान-प्रदेश का मान' ध्येय वाक्य अनुसूचित जनजाति के जीवन से जुड़े सभी पहलुओं पर मेरी सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। बच्चों की शिक्षा से लेकर पूरे समुदाय की संस्कृति, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार, जीवन स्तर उन्नयन जैसे सभी मुद्दों पर तेजी से काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों (बैगा, कमार, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर और अबूझमाड़िया) को मूलभूत सुविधाओं जैसे, पक्के आवास गृह, सड़कें, छात्रावास का निर्माण, शुद्ध पेयजल, विद्युतीकरण, बहुउद्देशीय केन्द्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों और वनधन केन्द्रों का निर्माण, मोबाइल टावर की स्थापना, व्यवसायिक शिक्षा और कौशल के लिए सरकार कृत संकल्पित है। पीएम जनमन महाअभियान के तहत खासतौर से संरक्षित जनजातियों के स्वास्थ्य की जांच, इलाज और दवा वितरण के लिए 66 मोबाइल चिकित्सा इकाई वाहनों का उपयोग किया जा रहा है।

तेंदूपत्ता, महुआ, इमली समेत सभी लघु वन उपजों से जुड़े आजीविका के साधनों को मजबूत बनाने को मेरी सरकार उच्च प्राथमिकता देगी। तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 5500 रुपए प्रति मानक बोरा और संग्राहकों को 4500 रुपए तक बोनस देने सरकार कटिबद्ध है।

संग्राहकों और उनके परिवारजन को अलग-अलग योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा, जो उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इसके साथ ही विकास के क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने, नई संभावनाओं, नए अवसरों का फायदा उठाने के लिए स्थानीय लोगों को सक्षम बनाया जाएगा।

प्रोफेसर की पत्नी ने 15वीं मंजिल से कूदकर दी जान

मौके पर ही तोड़ा दम, इस वजह से उठाया यह खौफनाक कदम

धनबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आइआइटी आइएसएम कैंपस में एक प्रोफेसर की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उनका इलाज रांची में चल रहा था। घटना के समय घर में कोई नहीं था।

15वें फ्लोर पर जाकर लगाई छलांग

41 वर्षीय शिल्पी आइआइटी आइएसएम के प्रोफेसर पवन सिंह की पत्नी थीं। शिल्पी ने 15वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। घटना रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पवन सिंह और उनका परिवार कॉलेज कैंपस के ब्लॉक ए 80 के आठवें फ्लोर पर रहता है। उसी भवन के 15वें तल्ले पर जाकर उन्होंने नीचे छलांग लगा दी। मौके पर ही उनकी जान चली गई। जानकारी मिली तो धनबाद थाने के दारोगा आदित्य कुमार नायक मौके पर पहुंचे। वहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घरवालों व आसपास के लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि शिल्पी पिछले कुछ वर्षों से मानसिक रूप से बीमार थीं। वहीं संस्थान के सुरक्षा अधिकारी राममनोहर सिंह ने बताया कि हेल्थ सेंटर के समीप महिला ने आत्महत्या की। सूचना मिलने पर जब मौके पर पहुंचा तो देखा कि वह जमीन पर पड़ी हुई थीं। इसके बाद हेल्थ सेंटर ले जाया गया। घटना को लेकर संस्थान में शोक व्याप्त है। यहां पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है। पूर्व में एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद एक प्रोफेसर की मौत हो गई थी।

मुझे बचा लो, मुझे दूसरी जगह नहीं बिकना

ओमान में कैद छत्तीसगढ़ की दीपिका, वीडियो जारी कर लगाई मदद की गुहार

दुर्ग, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग से रोजगार के लिए ओमान गई महिला को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। महिला के वीडियो के आधार पर पीड़ित महिला के पति ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने बताया है कि उसे नौकरी के लिए ओमान लाया गया था। जानकारी के अनुसार, दीपिका जोगी (29) बतौर हाउस मेड ओमान में नौकरी करने गई हुई है। दीपिका ने एक विडियो जारी कर कहा है कि वह भिलाई शहर की रहने वाली है और ओमान में आकर फंस गई है। उसने बताया कि यहां अच्छी

नौकरी का झांसा देकर फंसाया गया है। अब वह चाहकर भी यहां से वापस भारत नहीं लौट पा रही है। उससे मारपीट कर वापस जाने के एवज में दो से तीन लाख रुपये की मांग की जा रही है। उसने आशंका जताई है कि जल्द ही उसे दूसरे के हाथ बेच दिया जाएगा। उसने बताया कि जिस महिला के घर वह काम कर रही है, वो उसे लगातार टॉर्चर कर रही हैं।

दीपिका के पति मुकेश जोगी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 30 मई से ओमान में है। हाउस मेड की नौकरी के लिए वह केरल की एक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से भेजी गई थी। खुर्सीपार निवासी मुल्ला मोहम्मद इमरान खान, हैदराबाद निवासी अब्दुल ने खाना बनाने का काम दिलाने की बात कही थी। इसके बाद दीपिका को दुर्ग से पहले हैदराबाद ले जाया गया और फिर वहां से उसे मस्कट के लिये भेजा गया। मस्कट एयरपोर्ट से दीपिका को हफीजा के घर जैनब लेकर गई। जैनब भारत के कई लोगों को काम दिलाने के नाम पर पहले भी मस्कट जा चुकी हैं। दीपिका हर महीने अपने परिवार को 25 हजार रुपये भेजती थी, लेकिन पिछले तीन महीने से पैसा नहीं भेज रही थी। इसके बाद से परिजनों से महिला का कोई संपर्क नहीं हुआ था।

अमरजीत भगत बोले- झंझट से बचने हमें गोली मार दें

रायपुर में आईटी छापे पर कहा- मारपीट कर गलत दस्तावेज पर साइन लिए गए

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने आयकर विभाग की कार्रवाई पर कहा कि, गैर भाजपाई आदिवासी नेताओं को बीजेपी टारगेट कर रही है। इससे तो अच्छा झंझट से बचने आप हमें और जितने आदिवासी नेता हैं उन्हें गोली मार दीजिए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि, गलत दस्तावेज पर मारपीट कर साइन कराए गए हैं। लगातार 4 दिन अमरजीत भगत के निवास समेत उनके करीबियों के ठिकानों पर आईटी ने कार्रवाई की थी। शनिवार को यह कार्रवाई खत्म हुई जिसके बाद सोमवार को रायपुर में भगत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में मीडिया से उन्होंने बातचीत की। आईटी की कार्रवाई पर भगत का कहना है कि, हमारे पुराने स्टाफ के साथ मारपीट कर गलत दस्तावेज में दस्तखत और बयान लिए गए। यह क्या चाहते हैं आदिवासियों को जीने का हक नहीं है क्या। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के तमाम नेताओं पर कार्रवाई की गई। इस प्रदेश में इतने बड़े-बड़े धन्ना सेठ हैं लेकिन उन्हें सिर्फ एक आदिवासी ही दिखा।

छत्तीसगढ़ में 44 आईपीएस अफसरों का तबादला

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा के बजट सत्र से ठीक कुछ घंटे पहले छत्तीसगढ़ के पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया गया है। गृह विभाग ने 44 आईपीएस अफसरों का तबादला आदेश जारी किया है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश में 25 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। 2011 बैच के आईपीएस संतोष सिंह अब रायपुर के नए एसपी होंगे, इससे पहले वे बिलासपुर के एसपी थे। इनकी जगह रजनेश सिंह बिलासपुर पुलिस अधीक्षक होंगे। वहीं, डेपुटेशन पर केंद्र से लौटे अमरेश मिश्रा का रायपुर रेंज का महानिरीक्षक बनाया गया है। मौजूदा सरकार ने जिन अफसरों को बड़ी जिम्मेदारी दी है, वे पिछली सरकार में पूरी तरह साइडलाइन थे, जबकि यही अफसर 2018 से पहले मेन स्ट्रीम में थे। इसके साथ ही दागी अफसरों को फ्रंटलाइन से हटाकर बैकफुट पर कर दिया गया है। इनमें ऐसे अफसर शामिल हैं जो पिछली सरकार में अहम पदों पर थे, लेकिन विवाद में भी रहे। गृह विभाग के आदेश के मुताबिक महानिरीक्षक स्तर के 10 अधिकारियों का भी प्रभार बदला है। अमरेश मिश्रा जहां रायपुर के नए आईजी बनाए गए हैं, वहीं, 2004 बैच के संजीव शुक्ला अब बिलासपुर आईजी होंगे। इससे पहले अजय कुमार यादव के पास ये जिम्मेदारी थी, उन्हें पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर अटैच किया गया है। बड़े पैमाने पर आईपीएस अफसरों के तबादले के साथ ही बस्तर में नक्सल मोर्चे पर तैनात राज्य सशस्त्र बलों को एक कमान के नीचे लाकर डीआईजी पदस्थ किया गया है। अब तक सभी बटालियन आईजी बस्तर रेंज के अधीन रही हैं। बस्तर में इस समय एक दर्जन राज्य बल की बटालियन तैनात हैं। रायपुर में एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड में एसपी की पोस्टिंग की गई है।

झारखंड के कई जिलों में बारिश के आसार

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम का मिजाज बदल रहा है। पलामू में बारिश हो रही है। मौसम विभाग का भी पूर्वानुमान है कि आज राज्य के बड़े हिस्से में बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश भी हो सकती है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में बदलाव हो रहा है। जिसका प्रभाव मंगलवार को भी रहेगा। राज्य के लगभग सभी हिस्सों में बारिश होगी। इसके अलावा राज्य के अधिकतर जिलों में सुबह में कोहरा छाया रहेगा। दिन में आसमान साफ रहेगा। इसके बाद बुधवार से मौसम साफ होगा और ठंड बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केन्द्र रांची के अनुसार 5 और 6 फरवरी को राज्य के मध्य और उत्तर-पश्चिमी भाग में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। मध्य क्षेत्र में रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़, उत्तर-पश्चिमी भाग में आने वाले पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण राज्य के उत्तरी हिस्सों में सोमवार को कहीं-कहीं हल्की बारिश होगी। वहीं, मंगलवार को रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होगी।

दो इनामी नक्सली कमांडर गिरफ्तार, किए अहम खुलासे

नक्सल ऑपरेशन में पुलिस की करेंगे मदद

कांकेर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांकेर जिले के पुलिस ने पांच-पांच लाख के दो ईनामी नक्सली कमांडर विनोद अवलम और डिप्टी कमांडर आसू कोरसा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार नक्सलियों के पास से 12 बोर की बंदूक, पिस्टल समेत राउंड भी बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए नक्सली कमांडर सैनिक और आर्मी जवान की हत्या में शामिल रहे हैं। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि नक्सल कमांडर विनोद अवलम और डिप्टी कमांडर आसू कोरसा के मुजालगोंदी गांव में मौजूद होने की सूचना पुलिस की मिली थी। इसके बाद डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त पार्टी गस्त पर रवाना की गई थी। जवानों ने इलाके की घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार नक्सलियों ने कई अहम खुलासे किए हैं, जो कि नक्सल ऑपरेशन में पुलिस के लिए काफी अहम हो सकते हैं। गिरफ्तार नक्सली गुमझीर गांव के मुर्गा बाजार में नगर सैनिक की हत्या और उसेली में छुट्टी में आए आर्मी जवान की हत्या में शामिल रहे हैं। दोनों ही करीब 13 साल से नक्सल संगठन में जुड़े हुए थे और कई अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

मालदीव की संसद में मुइज्जु का पहला भाषण

भारत का नाम लिए बिना कहा- कोई देश हमें कमजोर नहीं कर सकता, विपक्ष ने बॉयकॉट किया

माले, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने सोमवार को एक बार फिर भारत विरोध रुख दोहराया। उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा कि किसी भी देश को मालदीव की संप्रभुता में हस्तक्षेप करने या उसे कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुइज्जु ने कहा- भारत के साथ हुई बातचीत में तय हो गया है कि उनके सभी 80 भारतीय सैनिक 10 मई तक भारत लौट जाएंगे। देश में भारत के तीन एविएशन प्लेटफॉर्म हैं। इसमें से एक पर मौजूद सैनिक 10 मार्च तक भारत लौटेंगे। इसके बाद दो और प्लेटफॉर्म पर मौजूद भारतीय सैनिक 10 मई तक अपने देश चले जाएंगे।

उन्होंने कहा- मालदीव भारत के साथ पानी पर रिसर्च करने वाले एग्रीमेंट को भी रिन्यू नहीं करेगा। हम किसी भी देश को हमारी संप्रभुता में हस्तक्षेप करने या उसे कमजोर करने की अनुमति नहीं देंगे।

2 विपक्षी पार्टियों ने संबोधन का विरोध किया

मालदीव की मुख्य विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) और डेमोक्रेट ने मुइज्जु के इस संबोधन का विरोध किया है। एमडीपी वही पार्टी है जो राष्ट्रपति मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग ला रही है। एमडीपी) के पास संसद में बहुमत है। उसने महाभियोग के लिए जरूरी सांसदों का समर्थन लिखित तौर पर हासिल कर लिया है। इसके एक सांसद ने नाम न बताने की शर्त पर कहा- हम कुछ और सांसदों से बातचीत के बाद महाभियोग लाने की तारीख पर फैसला करेंगे। अब तक एमडीपी और डेमोक्रेटिक पार्टी के कुल 34 सांसद हमारे साथ हैं।

विपक्ष की नाराजगी मुइज्जु के तानाशाही रवैये को लेकर बढ़ गई है। दरअसल, प्रेसिडेंट ने अली हुसैन को गृह मंत्री नॉमिनेट किया है। विपक्ष इसके सख्त खिलाफ है। इसके अलावा घसाम मामून को रक्षा मंत्री चुना गया है। इन दोनों ही नामों को लेकर विपक्ष और यहां तक कि सत्ता पक्ष के कई सांसद नाराज हैं।

मालदीव में करीब 80 भारतीय सैनिक हैं। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन

संभालते हैं। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है।

भारत अपने पड़ोसी देश मालदीव को डिफेंस समेत कई दूसरे क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग करता रहा है। नवंबर 1988 में चुनी हुई राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम की सरकार को तख्तापलट से बचाने के लिए भारतीय सेना मालदीव घुसी थी। तब से दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध हैं। लेकिन नवंबर 2023 में मुइज्जु के सत्ता संभालने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया, जो बढ़ता जा रहा है।

मालदीव में 2021 में शुरू हुआ 'इंडिया आउट' कैम्पेन

2018 की बात है। चीन के करीबी और पीपीएम के नेता राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन राष्ट्रपति चुनाव हार जाते हैं। बाद में उन्हें हवालेबाजी और एक अरब डॉलर के सरकारी धन का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया। 2019 में यामीन को पांच साल की सजा हुई। नए राष्ट्रपति बने इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, जो 'इंडिया फर्स्ट' की पॉलिसी पर चलते थे। कोरोना के चलते यामीन की जेल की सजा को नजरबंदी में बदल दिया गया। नवंबर 2021 में यामीन के खिलाफ लगे सारे आरोप खारिज कर दिए गए और 30 नवंबर को रिहा कर दिया गया। इसके बाद उनका दोबारा राजनीति में आने का रास्ता भी साफ हो गया। इसके बाद वह चुनाव प्रचार में जुट गए और अक्सर अपने भाषणों में लोगों से अपील करने लगे कि अपने घरों की दीवारों पर 'इंडिया आउट' लिखें। इसके बाद ही मालदीव में विपक्षी दलों ने 'इंडिया आउट' अभियान शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि भारतीय सुरक्षा बल के जवान मालदीव छोड़ें। 'इंडिया आउट' ने मालदीव में भारत के इन सैनिकों की मौजूदगी की भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और उनकी उपस्थिति को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया।

चिली में धधके जंगल, 112 मौतें

लोग बोले- हालात न्यूक्लियर बम फटने जैसे, राष्ट्रपति ने आपातकाल लगाया

चिली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश चिली के जंगलों में आग लगी है। ये रिहायशी इलाकों में फैल गई है। अब तक 112 लोगों की मौत हो चुकी है। आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। सैकड़ों लोग लापता हैं।

सबसे पहले वीना डेल मार और वलपरिसो शहर के जंगलों में आग लगी। ये लगातार फैल रही है। हजारों घर जल गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, आग में अपना घर खो चुके एक शख्स ने कहा- आग फैलने से हालात न्यूक्लियर बम फटने जैसे हो गए हैं। यहां कुछ नहीं बचा है। आसमान से राख बरस रही है। मेरा घर खाक हो गया। दोस्तों की मौत हो गई है। गंभीर हालत को देखते हुए राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। दो दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की गई है।

सड़कों पर शव बिखरे

एएफपी न्यूज के मुताबिक लोग कारों में बैठकर यहां से भागने की कोशिश कर रहे हैं। कई जलते हुए पेड़ सड़कों पर गिरे हुए हैं। इस वजह से ट्रैफिक जाम हो रहा है। ऐसी स्थिति में कई कारें जल

गईं और उनमें सवार लोगों की मौत हो गई। कई शव सड़कों पर बिखरे हुए हैं। इन पर चादर बिछाई गई है। लोगों का कहना है कि वो जहां भी जा रहे हैं, उन्हें वहां शव बिखरे दिख रहे हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, राष्ट्रपति बोरिक ने कहा- वीना डेल मार और वलपरिसो के जंगलों में लगी आग क्विलपुए, लिमचे, विला एलेमाना शहरों में फैल गई है। ये सभी तटीय शहर हैं। साल के इस समय यहां हजारों टूरिस्ट आते हैं।

उन्होंने कहा- लोग छुट्टियां मानने के लिए यहां जमा हुए। ऐसे में आग लगने से काफी नुकसान हुआ है। घर, होटल, रिसॉर्ट जल गए हैं। हालात काबू से बाहर हो गए हैं। लोगों को बचाने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है।

तापमान 40 डिग्री सेलसियस पहुंचा

धधकते जंगलों के चलते तापमान 40 डिग्री सेलसियस पहुंच गया है। लगातार गर्म हवाएं चल रही हैं। ऐसे में लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ये आग कब लगी इसकी जानकारी नहीं है।

अशांत बलूचिस्तान में अधिकतर मतदान केंद्र संवेदनशील या अति संवेदनशील

महज 19 फीसदी सामान्य

कराची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में झड़प और हिंसा की खबरें सामने आने लगी हैं। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में चुनाव के मद्देनजर स्थापित किए गए 80 फीसदी मतदान केंद्रों को संवेदनशील या अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया गया है। बलूचिस्तान के कुल 5,028 मतदान केंद्रों में से केवल 961 यानी करीब 19 फीसदी सामान्य हैं। बलूचिस्तान के गृह मंत्री जुबैर जमाली ने प्रांत में चुनाव के दौरान संभावित सुरक्षा चुनौतियों के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों, प्रतिष्ठानों, सरकारी कर्मचारियों और नागरिकों पर हमले की कोशिश के मद्देनजर मतदान के दिन सुरक्षा बहुत कड़ी होगी। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कुल 5,028 मतदान केंद्र हैं, जिनमें से केवल 961 को सामान्य के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा 2,337 मतदान केंद्रों को 'संवेदनशील' और 1,730 को अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया गया है। बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जान अचकजई ने रविवार को घोषणा की थी कि जिन इलाकों में मतदान केंद्र संवेदनशील चिह्नित किए गए हैं, वहां इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी।

कट्टरपंथी इजराइली नागरिकों-हमास नेताओं पर प्रतिबंध लगाएगा कनाडा

कहा- इनसे क्षेत्र की शांति को खतरा

ओटावा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जॉली ने कहा है कि कनाडा फलस्तीन के हिस्से वाले क्षेत्र पर कब्जा करने वाले कट्टरपंथी इजराइली नागरिकों और हमास नेताओं पर प्रतिबंध लगाएगा। एक मीडिया इंटरव्यू में जॉली ने कहा सरकार सक्रिय तौर पर इस दिशा में काम कर रही है। मेलानी जॉली ने हाल ही में यूक्रेन का दौरा किया और वहां यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात की।

हमास नेताओं के साथ ही कट्टरपंथी इजराइली नागरिकों पर भी प्रतिबंध लगाएगा कनाडा

मेलानी जॉली ने कहा कि हम कट्टरपंथी सेटलर्स पर प्रतिबंध लगाएंगे और साथ ही हमास

नेताओं पर नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। शुक्रवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी अपने एक बयान में कहा था कि वह वेस्ट बैंक में अवैध रूप से बसने वाले कट्टरपंथी इजराइलियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं।

ट्रूडो ने कहा वेस्ट बैंक में जमीन कब्जाने के लिए हो रही हिंसा अस्वीकार्य है और इससे क्षेत्र की शांति और स्थिरता खतरे में आ सकती है। दो देशों वाले समाधान की दिशा में बढ़ना जरूरी है।

मेलानी जॉली ने कहा कि कनाडा युद्ध को खत्म कराने का रास्ता ढूंढने के लिए समर्पित है, साथ ही विवाद का समाधान का भी पक्षधर है। हम चाहते हैं कि हमास अपने हथियार डाले, जिससे युद्धविराम हो सके। जॉली ने कहा हम सबसे पहले चाहते हैं कि बंधकों को छोड़ने की डील हो। साथ ही गाजा में मानवीय राहत पहुंचाई जाए। हमें एक संशोधित फलस्तीनी अथॉरिटी चाहिए। साथ ही हम इजराइल में ऐसी सरकार चाहते हैं जो दो देश समाधान की दिशा में अहम काम करने की इच्छुक हो।

अमेरिका ने 7 अक्तूबर के बाद से हमास पर पांच राउंड प्रतिबंध लगाए हैं। बीते हफ्ते भी अमेरिका ने हमास पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने वेस्ट बैंक में बढ़ रही हिंसा पर भी चिंता जताई। दरअसल वेस्ट बैंक में कट्टरपंथी इस्राइली नागरिक बस रहे हैं और साल 2023 में इनकी संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है।

इस पर पश्चिमी देशों ने गहरी चिंता जताई है।

सीजफायर जल्द नहीं होगा

हमास ने कहा- इजराइल से सहमति बनाने में बहुत वक्त लगेगा, नेतन्याहू बोले- हर डील कबूल नहीं

तेल अवीव, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जल्द सीजफायर और होस्टेज डील की उम्मीदों पर हमास ने ही पानी फेर दिया। इस आतंकी संगठन के एक नेता ने कहा है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाने में अभी बहुत वक्त लगेगा। दूसरी तरफ, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तेवर भी फिर सख्त नजर आने लगे हैं। उन्होंने कहा- इजराइल हर बात नहीं मान सकता और न ही हम हर डील के लिए तैयार हो सकते हैं। पिछले हफ्ते इजराइल, अमेरिका, इजिप्ट और कतर ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में सीजफायर और होस्टेज डील के लिए लंबी बातचीत की थी। इसके बाद कई मीडिया हाउसेज ने खबर दी थी कि इजराइल और हमास जल्द सीजफायर का ऐलान कर सकते हैं। इस बातचीत में हमास का पक्ष कतर ने रखा था, क्योंकि हमास के कई बड़े नेता कतर में रहते हैं। दूसरी तरफ, हमास ही अब इस डील को खारिज कर रहा है। उसके नेता ओसामा हमदान ने लेबनान में मीडिया से कहा- करीब चार महीने से जंग चल रही है। सीजफायर और होस्टेज डील अंजाम तक पहुंचती नजर आती है, लेकिन ऐन वक्त पर बातचीत टूट जाती है।

पाकिस्तान में चुनाव से तीन दिन पहले आतंकी हमला

10 सिपाहियों की मौत, 30 आतंकियों ने खैबर थाने में ग्रेनेड फेंके, पुलिस ने जवाबी फायरिंग की

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दरबार शहर में सोमवार सुबह एक पुलिस स्टेशन पर आतंकी हमला हुआ है। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, इसमें 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है और 6 घायल हुए हैं। ये हमला चुनाव से 3 दिन पहले हुआ है। 8 फरवरी को यहां चुनाव है। फिलहाल हमले की जिम्मेदारी किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है। पुलिस चीफ अख्तर हयात ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया- 30 से ज्यादा आतंकियों ने सोमवार सुबह करीब 3 बजे दरबार शहर के पुलिस स्टेशन पर हमला किया। उन्होंने थाने को चारों तरफ से घेरा और ग्रेनेड फेंके। इसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी। हमने भी जवाबी कार्रवाई की। ये करीब ढाई घंटे चली लेकिन आतंकी भाग निकले। उन्हें पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। सोमवार सुबह बलूचिस्तान में इलेक्शन कमीशन के ऑफिस के बाहर भी धमाका हुआ था। पाकिस्तानी मीडिया एआरवाई न्यूज के मुताबिक इलेक्शन कमिशन के गेट के बाहर बम फटा। धमाका किसने और क्यों किया, इस बारे में जानकारी नहीं मिली। जांच जारी है।

बलोच लिबरेशन आर्मी और पाकिस्तान तालिबान के हमले तेज

पाकिस्तान में 8 फरवरी को होने वाले नेशनल और असेंबली इलेक्शन के पहले हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले तेज हो गए हैं। बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी और खैबर में पाकिस्तान तालिबान हमले कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सीनेट में कुछ दिन पहले 8 फरवरी को होने वाले इलेक्शन को टालने की मांग की गई थी। हालिया दिनों में आतंकी और हिंसा की बढ़ती घटनाएं किसी साजिश की तरफ इशारा कर रही हैं। 31 जनवरी को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक कैंडिडेट की हत्या कर दी गई। घटना खैबर पख्तूख्वा के बाजौर जिले की थी। मारे गए कैंडिडेट का नाम रेहान जेब खान था।

चुनावी मैदान में उतरे हाफिज के रिश्तेदार

आतंकी संगठन ने इस नई पार्टी को बनाया अपना मुखौटा

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में पड़ोसी मुल्क में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी समेत कई पार्टियां चुनावी मैदान में हैं। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि एक नई पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग आम चुनावों में हिस्सा ले रही है। दरअसल, इस राजनीतिक दल को मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठनों का नया चेहरा माना जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन द्वारा पाकिस्तान के विभिन्न शहरों से नामांकित कुछ उम्मीदवार ऐसे हैं जो या तो हाफिज सईद के रिश्तेदार हैं या अतीत में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा या मिल्ली मुस्लिम लीग से जुड़े रहे हैं।

31 साल की सजा

पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालतों ने टेरर फंडिंग के कई मामलों में हाफिज सईद को कुल 31 साल की सजा सुनाई है। वह

फिलहाल लाहौर की एक जेल में बंद है। उसे 10 दिसंबर 2008 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'वैश्विक आतंकवादियों' की सूची में शामिल किया गया था। पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा और उसके सहयोगी दलों और संस्थानों को भी सूचीबद्ध किया है, जिनमें खैर नास इंटरनेशनल ट्रस्ट, फलाह इंसानियत फाउंडेशन, अल-अनफाल ट्रस्ट, खमताब खालिक इंस्टीट्यूशन, अल-दावत अल-अरशद, अल-हमद ट्रस्ट, अल-मदीना फाउंडेशन और म्यू अज़ बिन जबल एजुकेशनल ट्रस्ट प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल हैं।

भारत ने लिया संज्ञान

पिछले साल 29 दिसंबर को भारत ने पाकिस्तान से सईद के प्रत्यर्पण के लिए कहा था। इस बीच, हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद के भी पाकिस्तान में चुनाव लड़ने की खबर सामने आ रही हैं। इस पर भारत ने संज्ञान लिया है। भारत का कहना है कि कट्टरपंथी आतंकी संगठनों को पड़ोसी देश में 'मुख्यवास' में लाना कोई नई बात नहीं है और यह लंबे समय से उनकी सरकारी नीति का हिस्सा रहा है।

पाकिस्तान में धार्मिक पार्टियों पर नजर रखने वाले विश्लेषकों के हवाले से एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मरकजी मुस्लिम लीग, हाफिज सईद की जमात-उद-दावा का नया राजनीतिक चेहरा है। हालांकि, पार्टी के एक प्रवक्ता ने सईद के संगठनों के साथ किसी भी तरह के जुड़ाव से इनकार किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद मरकजी मुस्लिम लीग पार्टी से चुनाव में भाग ले रहा है और लाहौर में नेशनल असेंबली निर्वाचन क्षेत्र एनए-122 से चुनाव लड़ रहा है। यह वही निर्वाचन क्षेत्र है, जहां से पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज नेता और पूर्व संघीय मंत्री ख्वाजा साद रफीक भी चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह सईद का दामाद हाफिज नेक गुज्जर मरकजी मुस्लिम लीग के टिकट पर प्रांतीय विधानसभा क्षेत्र पीपी-162 से चुनाव लड़ रहा है। पिछले दिनों जमात-उद-दावा से जुड़े कुछ लोगों ने 'मिल्ली मुस्लिम लीग' पार्टी से 2018 के चुनाव में भाग लेने की कोशिश की थी, लेकिन पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने तत्कालीन सरकार के विरोध के बाद संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था और पंजीकरण के लिए उसके आवेदन को खारिज कर दिया था। आवेदन खारिज होने के बाद पार्टी के उम्मीदवारों को अल्लाहु अकबर तहरीक नामक एक अज्ञात पार्टी से चुनाव में भाग लेना पड़ा था, जिसे चुनाव में कोई बड़ी सफलता नहीं मिल सकी थी। पाकिस्तान में प्रतिबंधित दलों की सूची में 'मिल्ली मुस्लिम लीग' का नाम शामिल नहीं है, लेकिन 2018 में अमेरिकी वित्त विभाग ने विदेश विभाग की मंजूरी के साथ इस पार्टी को प्रतिबंधित घोषित कर दिया और उससे जुड़े सात लोगों को वैश्विक आतंकवादियों की सूची में शामिल कर लिया। बता दें, अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किए गए लोगों में सैफुल्ला खालिद, मुजम्मिल इकबाल हाशमी, मुहम्मद हारिस डार, ताबिश कय्यूम, फैयाज अहमद, फैसल नदीम और मुहम्मद एहसान शामिल हैं। उन पर प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का हिस्सा होने का आरोप है।

मिल्ली मुस्लिम लीग के जिन सात सदस्यों पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है, उनमें से चार सदस्य पंजाब और सिंध विधानसभाओं की सीटों के लिए मकाजी मुस्लिम लीग के उम्मीदवार हैं।

मुहम्मद फैयाज अहमद और फैसल नदीम शेख सिंध प्रांत से प्रांतीय असेंबली सीटों पीएस-43 और पीएस-64 से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि मुहम्मद हारिस डार और मुजमल इकबाल हाशमी पंजाब प्रांत में नेशनल असेंबली क्षेत्रों एनए-129 और एनए-77 से चुनाव लड़ रहे हैं।

अमेरिका में खालिस्तानी समर्थक भिड़े

एक दूसरे पर लाठी-डंडे बरसाए, आतंकी गुरपतवंत पन्नू के रेफरेंडम में हुआ विवाद

वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के चीफ और खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अमेरिका में खालिस्तानी मूवमेंट को हवा देने के लिए बीते दिनों कथित रेफरेंडम कराया। इस दौरान खालिस्तान समर्थक आपस में ही भिड़ गए। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, सैन-फ्रांसिस्को शहर में यह कथित रेफरेंडम बुलाया गया था। पन्नू ने भीड़ जुटाने के लिए सभी आतंकी संगठनों को निमंत्रण दिया। इस दौरान हरदीप सिंह निज्जर और सर्बजीत सिंह साबी गुट के सदस्य भी वहां पहुंच गए। दोनों गुटों में कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। गुटों में जमकर लात-घूंसे और लाठियां चली। विवाद बढ़ता देख अमेरिकी पुलिस ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निज्जर ग्रुप को अमेरिका में काफी समर्थन मिलता रहा है। बीते कुछ समय से पन्नू साबी गुट को प्रमोट कर रहा है। जिसके बाद से ही दोनों गुटों में मन-मुटाव चला आ रहा है। रेफरेंडम में दोनों गुट एक दूसरे के आमने-सामने हुए तो विवाद बढ़ गया। वहीं कनाडा में बीते दिनों हरदीप सिंह निज्जर के करीबी के घर पर भी फायरिंग हुई थी। पुलिस इन झगड़ों को भी एक दूसरे से जोड़कर देख रही है। हालांकि, स्थानीय पुलिस इस मामले में जांच के बिना कुछ भी कहने से इनकार कर रही है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की जून 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इंडिया में जी-20 सम्मेलन से लौटने के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर निज्जर की हत्या के आरोप लगाए। इसके बाद कनाडा और भारत के बीच विवाद बढ़ गया। उधर, अमेरिका ने भी एक भारतीय अधिकारी पर गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने का प्रयास करने के आरोप लगाए थे। जिसके बाद भारत व अमेरिका में भी विवाद हुआ था। बीते दिनों अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई के प्रमुख भारतीय दौरे से लौटे हैं।

ईरान के एटमी ठिकानों पर हमला जरूरी

यूएस एक्सपर्ट बोले- पलक झपकते ही न्यूक्लियर बम बना सकता है ईरान, थर्ड वर्ल्ड वॉर का खतरा

लंदन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी डिफेंस एक्सपर्ट और पूर्व डिप्लोमैट मार्क वालेस ने कहा है कि ईरान पलक झपकते ही न्यूक्लियर हथियार बना सकता है। उनके मुताबिक- ईरान को रोकने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि अब बिना वक्त गंवाए वेस्टर्न वर्ल्ड उसके एटमी ठिकानों को तबाह कर दे। ब्रिटिश अखबार 'सन' को दिए इंटरव्यू में वालेस ने माना कि मिडिल ईस्ट में जो हालात बन रहे हैं, वो तीसरे विश्व युद्ध की तरफ इशारा कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में वालेस ने कहा- दुनिया किसी भी वक्त खतरे में पड़ सकती है। अब तक के हालात पर नजर डालें तो साफ हो जाता है कि हम ईरान के खिलाफ कोई ऐसा कदम नहीं उठा

सके, जो उसे एटमी हथियार बनाने से रोक सके। वालेस यूएन में अमेरिकी एंबेसैडर रह चुके हैं। इसके अलावा वो यूनाइटेड अगेंस्ट न्यूक्लियर ईरान (यूएएनआई) के सीईओ भी हैं। उन्होंने कहा- दुनिया के पास अब भी वक्त है कि वो नींद से जागे और ईरान के एटमी ठिकानों को फौरन तबाह करे। इसके लिए पहल वेस्टर्न वर्ल्ड को ही करनी होगी। एक सवाल के जवाब में वालेस ने कहा- यूएएनआई का पहला सिद्धांत ही यह है कि वो हर उस देश को रोके जो आतंकवाद का समर्थन करता है और ऐसे गुटों को हर तरह की मदद देता है। अगर ये काम अब भी नहीं किया गया तो गंभीर नतीजे होंगे।

वालेस ने कहा- ईरान दुनिया के नर्क का दरवाजा है। वो जो भी कर रहा है, उसे रोकने की कोई कोशिश रंग नहीं लाई। अब वो किसी भी वक्त और मैं तो यहां तक कहूंगा कि पलक झपकते ही एटमी हथियार बना सकता है।

भाजपा सरकार के पास स्याही नहीं तो दवात हम भेजेंगे

डोटासरा बोले - हमारे कामों में गड़बड़ तो कार्रवाई करें, लेकिन काम तो करें

सीकर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा है कि राजस्थान सरकार 2 महीने में पूरी तरह से फेल हो गई है। वह हमारे कामों में गड़बड़ी की बात करते हैं। यदि गड़बड़ी आती है तो कार्रवाई भी करें उन्हें किसने रोका है। जांच करनी है तो करो, उनकी कलम में स्याही नहीं तो हम दवात भेज देते हैं। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा संवाद कार्यक्रम के तहत सोमवार को चूरू जाते समय फतेहपुर में हाईवे पर मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही।डोटासरा का फतेहपुर विधायक हाकम अली के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

डोटासरा ने कहा कि इस बार निश्चित ही कांग्रेस पार्टी लोकसभा का चुनाव जीतेगी। हम जगह-जगह जाकर कांग्रेस के कार्यकर्ता और लोगों में उत्साह देख रहे हैं। राजस्थान में 2 महीने में ही भाजपा की सरकार फेल हो चुकी

है। ऐसे में सब लोगों की राय यही आ रही है कि कांग्रेस की योजनाएं ही अच्छी थी,काम अच्छे थे।

भाजपा ने हमारी सरकार के काम रोके

डोटासरा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने जो बातें की थी उनमें से कोई भी बात पूरी नहीं हुई। सरकार 2 महीने से न तो कोई कार्य योजना बना रही है और न कोई अफसर लग रहे हैं। यहां तक कि हमारी सरकार के जो काम थे वह भी इन्होंने रोक दिए।

हमने कभी ऐसे सीएम बनते नहीं देखा

डोटासरा ने कहा कि यह सरकार पर्ची से बनी। खुल जा सिम सिम,अलीबाबा चालीस चोर की पिक्चर का सा गेट खुला था और पर्ची निकली थी। हमने तो पहले कभी ऐसे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनते हुए नहीं देखा।पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा नेताओं के द्वारा कांग्रेस सरकार में रहे मंत्रियों पर जांच के बयान का जवाब देते हुए कहा कि हमने कौन से उनके हाथ बांध रखे हैं। जांच करनी है तो करो, उनकी कलम में स्याही नहीं तो हम दवात भेज देते हैं। डोटासरा ने कहा कि भाजपा की राज्य सरकार अब हमारी सरकार के 6 महीने के कामों की समीक्षा कर रही है। उन्हें जो ठीक लगता है वह चालू रखें और जो गलत लगता है उसे बंद करें। जो गड़बड़ निकले उसके खिलाफ कार्रवाई करो लेकिन काम तो करो। केवल बातें ही बातें करने का क्या मतलब।

डोटासरा ने कहा कि किसी की तरफ उंगली खड़ी करना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन बड़ी बात यह है कि वह उंगली बेदाग होनी चाहिए। भले ही अभी सरकार हमारी सरकार के कामों की जांच करवाए। लेकिन उन्हें कम से कम काम तो करने चाहिए। इधर के पत्थर उधर और उधर के पत्थर इधर फेंकने का कोई मतलब नहीं है।

कांग्रेस प्रभारी रंधावा बोले-

भारत रत्न मरे हुए को देते हैं

आडवाणी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में लेकर जाते

नागौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने पर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न तो मरे हुए लोगों को दिया जाता है।

रंधावा नागौर में जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों को राम मंदिर से इतना ही लगाव होता तो राम मंदिर के लिए रथयात्रा निकालने वाले लालकृष्ण आडवाणी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में लेकर जाते। अब कह रहे हैं कि आडवाणी को भारत रत्न दे दो, तो यह तो मरे हुए लोगों को दिया जाता है।

नागौर कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा, टीकाराम जूली, मुकेश

भाकर व अन्य नेता शामिल हुए थे। नागौर कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा, टीकाराम जूली, मुकेश भाकर व अन्य नेता शामिल हुए थे।

रंधावा ने कहा कि हमारे दरबार साहिब स्वर्ण मंदिर की नींव साईं मियां मीर ने रखी थी। हमारे गुरु ग्रंथ साहिब में राम का नाम भी है, अल्लाह का नाम भी है। बीजेपी वाले क्या बात करते हैं? राम हमारे दिल में हैं और उनकी जुबान पर हैं। ये राम और रहीम को अलग कर सकते हैं क्या? सब एक हैं।

रंधावा ने कहा कि देश को बचाना है तो कांग्रेस को लेकर आगे आना होगा। क्या मोदी जी हमें सिखाएंगे कि देशभक्ति क्या है? ये कहते हैं कि भाजपा न होगी तो आतंकवाद आ जाएगा। पंजाब में जब शांति है तब कनाडा की बात करते हैं। देश को बांटने की बात करते हैं। आरएसएस वाले कहते हैं कि हम देशभक्ति का प्रचार करते हैं। गुलामी के वक्त कांग्रेस के नेता पर्चियां लेकर घूमते थे, जब अंग्रेज सांस नहीं लेने देते थे। पर्ची पर लिखा होता था- देश आजाद कराना है, सभी जगह बांटते थे।

अनूप जलोटा बोले- काशी-अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी

राम मंदिर ने देश की आस्था को भावनात्मक अंदाज में बदला

जयपुर,5 फरवरी (एजेंसियां)। भजन सम्राट अनूप जलोटा एक दिन पहले जयपुर पहुंचे। यहां उन्होंने जयपुर मैराथन का फ्लैग ऑफ किया। इस दौरान भास्कर से खास बातचीत में अनूप जलोटा ने कहा- काशी बदली, अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी है। राम खड़े हैं धनुष लिए, अब बंशी वाले की बारी है। राम मंदिर ने देश की आस्था को भावनात्मक अंदाज में बदला है। कण-कण में श्रीराम बसे हैं। राम नाम की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। दरअसल, वे अपनी फिल्म 'हिन्दुत्व' के प्रमोशन के लिए जयपुर आए थे।

अनूप जलोटा ने कहा- भारतीय मां के आंचल में सभी लोग प्यार से रहते हैं। वह तो बाहरी ताकते हैं, जो इस प्यार को खत्म करने में लगी हुई हैं। हमारे में देश में राष्ट्रपति मुस्लिम हो सकता है, भारत रत्न भी एक मुस्लिम को दिया जा सकता है। सिख को भी राष्ट्रपति बनाया जाता है। बड़े-बड़े पद दिए जाते हैं। हमारे यहां सब एक है। इस फिल्म का संदेश है कि बाहरी ताकतों को अंदर मत आइए, भारत हमारा है, इसे सुंदर बनाइए।

अनूप जलोटा ने अपनी फिल्म पर बात करते हुए बताया- यह फिल्म का नया वर्जन है। थिएटर में जो रिलीज हुआ है, वह बिल्कुल अलग है। इसमें कई चेंजेज किए गए हैं। क्लाइमैक्स बदला गया है। डायलॉग बदले गए हैं, इसलिए यह बिल्कुल फ्रेश फिल्म है। इस फिल्म में आपके शहर जयपुर के आशीष शर्मा मुख्य भूमिका में है, इन्हें भी देखने जाइए। केरला स्टोरी, कश्मीर फाइल्स, अजमेर 92 फिल्मों पर अनूप जलोटा ने कहा कि इस तरह की फिल्में तो पहले ही आ जानी चाहिए थी, जो सच्चाई थी, उसे तो दिखानी चाहिए। जो हिन्दू पहले था, वह अब नहीं रहा है, हिन्दू जाग गया है।

अनूप जलोटा के साथ आए एक्टर आशीष शर्मा ने कहा- जब

एक मुस्लिम गर्व से खुद को मुस्लिम कह सकता है, जब एक क्रिश्चियन खुद को गर्व से क्रिश्चियन कह सकता है तो हिन्दुस्तान में एक हिन्दू गर्व से हिन्दू क्यों नहीं कह सकता है। यह सेक्युलरिज्म का सवाल है। यह अलग सा भारत आप सभी जो कह रहे हैं। यह वह भारत है, जहां हम गर्व से हिन्दुस्तानी कह सकते हैं। इसे बहुत ही सौभाग्य के साथ रख सकते हैं। यहां हम श्रीराम का नारा बहुत प्यार से लगा सकते हैं।

फिल्म हिंदुत्व के बारे में बात करते हुए अनूप जलोटा ने बताया कि उनके अभिनय और भजन से सजी यह फिल्म 9 फरवरी को मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। यह फिल्म एक ऐसे जेनरेशन की कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसे अपनी संस्कृति के बिखराव से कोई लगाव नहीं है। इस पीढ़ी को मालूम ही नहीं है कि यदि उसकी मूल पहचान ही मिटा दी जाए तो उसका भविष्य कितना भयावह हो सकता है।

ऐसी है फिल्म की कहानी

उन्होंने बताया- फिल्म में सेक्युलरिज्म और हिंदुत्व के असल मायने बताए गए हैं। इसमें एक युवती अपने धर्म से विमुख होकर किसी अन्य धर्म के लड़के के चंगुल में पड़ जाती है। उसे बाद में अपने किए पर अफसोस होता है। उसे अपने कॉलेज का ही एक लड़का सही रास्ते पर लाने की कोशिश करता है। यही इस हिंदुत्व की कहानी है, जिसमें धर्म, नैतिकता, समर्पण, बदला , संस्कृति और सद्भाव का सम्पूर्ण समावेश देखने को मिलेगा।

फिल्म हिंदुत्व की निर्माता अंजु भट्ट और चिरंजीवी ने बताया- हमारे राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक राम मन्दिर की प्रतिष्ठा को समर्पित जयपुर मैराथन में मास्क टीवी के टीम की उपस्थिति पूरे हिंदुत्व की टीम और हमारे लिए गौरवशाली पल होगा। हिंदुत्व फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अनूप जलोटा, एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा, फिल्म के मुख्य अभिनेता आशीष शर्मा, फिल्म के निर्माता चिरंजीवी भट्ट, मास्क टीवी की चैनल प्रोड्यूसर मानसी भट्ट और फिल्म के लेखक निर्देशक करण राजदान, संजय भट्ट, संजय भूषण पटियाला इस दौरान उपस्थित रहे। इस फिल्म के राइटर-डायरेक्टर करण राजदान, प्रोड्यूसर अंजू भट्ट एवं चिरंजीवी भट्ट हैं।

जैसलमेर में बीएसएफ ने सरहद पर पकड़ा ट्रेंड शिकारी बाज

जांच में जुटीं सुरक्षा एजेंसियां

जैसलमेर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर से लगती भारत-पाक सरहद पर पाकिस्तान से आए एक शिकारी बाज पक्षी को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पकड़ा। इस शिकारी बाज के पंखों पर एक ट्रांसमीटर और एंटीना लगा है। साथ ही इसके पंजों में रिंग भी लगी है। सीमा सुरक्षा बल की 35 बीएन बटालियन ने सीमा पार से उड़कर आए इस पक्षी को पकड़ा और इसकी पड़ताल करने के बाद इसको पुलिस को सौंप दिया।

अब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल इस पक्षी और इसके पंखों पर लगे ट्रांसमीटर व एंटीना की जांच कर रही है। गौरतलब है कि सरहद पार से लगातार पक्षियों के आने का सिलसिला जारी है। इसको लेकर सीमा सुरक्षा बल ने अपनी चौकसी और ज्यादा चौकन्ना कर दिया। दरअसल, भारत-पाकिस्तान से लगती सीमा पर बीएसएफ चौकस नजरों से तारबंदी के पास निगरानी कर रही है। इसी का नतीजा है कि सरहद पार से उड़कर आने वाले पक्षियों पर भी उसकी पैनी नजर है। शाहगढ़ पुलिस चौकी के प्रभारी बाबूराम ने बताया कि मामला रविवार देर शाम का है। जब शाहगढ़ इलाके में 35 बीएन बटालियन, सीमा सुरक्षा बल के जवान चौकसी कर रहे थे। इस दौरान पाकिस्तान की सीमा की तरफ से एक बाज पक्षी उड़ता हुआ भारत की सीमा में आया। पक्षी के पंजों में रिंग और पंखों पर ट्रांसमीटर व एंटीना लगा देखा बीएसएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसको पकड़ा। बीएसएफ जवानों ने बाज को दबोचा, जांच करने पर बाज पक्षी के पंखों पर एक ट्रांसमीटर व एक एंटीना लगा मिला।

इसके साथ ही उनके पंजों में रिंग भी लगी है। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने अपने अधिकारियों को जानकारी दी। अधिकारियों ने सब जांच के बाद शाहगढ़ पुलिस चौकी को भी मामले की जानकारी दी। शाहगढ़ पुलिस चौकी के प्रभारी बाबूराम ने बताया कि हमने जानकारी ले ली है।

नैनिया रेंज में दो बाघ और दो शावकों का मूवमेंट

वन विभाग की टीम कर रही ट्रेकिंग, निगरानी के लिए लगाए ट्रैप कैमरे

करौली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रणथम्भौर बाघ परियोजना के द्वितीय क्षेत्र कैलादेवी अभयारण्य क्षेत्र के नैनिया की रेंज में एक साथ चार बाघों का मूवमेंट नजर आया है। डगरा पठार क्षेत्र में दो बाघ और दो शावक फोटो ट्रैप कैमरे में दिखे हैं। क्षेत्र में एक साथ चार बाघों के मूवमेंट के बाद वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने बाघों की निगरानी बढ़ा दी है। नैनिया की रेंज क्षेत्र के सिमिर खोह में बाघों का मूवमेंट रहता है। सिमिर खोह क्षेत्र रणथम्भौर अभयारण्य से सटा हुआ है, जहां बाघों का विचरण रहता है। सिमिर खोह में वर्तमान में टी-135 फीमेल और टी-80 मेल टाइगर का मूवमेंट बना हुआ है बाघों के साथ दो शावक भी है। बाघों की निगरानी के लिए विभाग की ओर से ट्रैप कैमरे लगाने के साथ निगरानी बढ़ा दी गई है। नैनिया रेंज के क्षेत्रीय वन अधिकारी मोहनलाल सैनी ने बताया कि 22 जनवरी को नाका डगरा पठार वन क्षेत्र के जरख के नाले में दो शावक नजर आए थे। जो कैमरे में ट्रैप भी हुए हैं।

नागौर के मेड़ता में महंत का मर्डर

पुलिस एक व्यक्ति को किया डिटेन, रियां बड़ी के जाटावास की घटना

मेड़ता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नागौर में एक आश्रम में घुसकर 65 साल के महंत का मर्डर कर दिया गया। सोमवार सुबह महंत का शव पड़ा मिला। पुलिस का कहना है कि लाठी मारकर मर्डर किया गया है। पुलिस ने एक आरोपी को डिटेन किया है। मामला जिले के रियांबड़ी उपखंड के पादूकलां थाना इलाके के जाटावास गांव में स्थित राघुरधाम आश्रम का है। डीएसपी रामेश्वरलाल सहारण ने बताया कि जाटावास गांव में राघव जी के मंदिर महंत की लाठी से हमला कर हत्या की गई है। जाटावास गांव के ही आरोपी रामप्रसाद को पुलिस ने डिटेन किया है। हमले की वजह क्या रही इसको लेकर पुलिस इन्वेस्टिगेशन कर रही है।

पादूकलां थाना इंचार्ज मानवेंद्र सिंह ने बताया- आरोपी रामप्रसाद जाटावास का रहने वाला है। उसने महंत छोटू पुरी (65) पर हमला किया था। सूचना मिली कि महंत छोटूपुरी पर हमला हो गया है, वे घायल हैं। उनको उपचार के लिए रियांबड़ी के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना इंचार्ज ने कहा- फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद ही साफ तौर पर कहा जा सकता है कि महंत पर हमला क्यों किया गया और हत्या की वजह क्या रही।

धाम के महंत छोटू पुरी के शव को रियांबड़ी के सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। महंत के मर्डर की सूचना के बाद सोमवार सुबह रियांबड़ी के सरकारी हॉस्पिटल में लोग जुटने शुरू हो गए। मौके पर शासन प्रशासन के उच्च अधिकारी भी पहुंचे।

नागौर जिले व टोंक जिले में पहले भी दो महंतों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद लोगों में खासा आक्रोश फैल गया था। इस बीच तीन-चार महंतों के सुसाइड की वारदातें भी हुईं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेटी बोली- मुझे पिस्टल दो मैं एनकाउंटर करती हूं

भाजपा नेता पर फायरिंग का मुद्दा गरमाया, बेटियों ने कलेक्ट्रेट के गेट पर चूड़ियां बांधी

भीलवाड़ा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में दो दिन पहले दिनदहाड़े भाजपा नेता राजू दरोगा को बजरी माफिया ने गोली मार दी थी। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग को लेकर आज सुबह 10 बजे से परिजन भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर रहे हैं। राजू दरोगा कि बेटी अंजली कंवर (17) और आरती कंवर (15) ने कलेक्ट्रेट के गेट पर चूड़ियां बांध दी। अंजली ने कहा- प्रशासन ने चूड़ियां पहन रखी हैं। मुझे पिस्टल दे दो, मैं इनका एनकाउंटर कर दूंगी। आज किसी मंत्री के साथ ऐसा होता तो अब तक प्रशासन बैठा रहता क्या? हमें योगी-मोदी जैसे लीडर चाहिए। मेरी आवाज मोदी जी तक पहुंचा दो

इससे पहले, उदयपुर रेंज आईजी अजय पाल लांबा ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। उन्होंने कहा- दोषी कोई भी हो, उसे बक्शा नहीं जाएगा।

सुरास गांव के रहने वाले राजू दरोगा (42) मांडल में भाजपा से वार्ड पंच हैं। शनिवार दोपहर 1:30 बजे राजू दरोगा जिंदल खनन के पास अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर 2 बदमाश आए। 10 मीटर दूर से एक बदमाश ने फायरिंग कर दी। गोली सीधे नाक और आंख के बीच में लगी। गोली सर्वाइकल स्पाइन में फंस गई है। राजू का इलाज अहमदाबाद में चल रहा है।

मामले को लेकर मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना ने पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया था। इसके जवाब में पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा था कि जब आरोप लगा ही दिए हैं तो जांच होने दीजिए, सब सामने आ जाएगा। सोमवार सुबह भाजपा के वरिष्ठ नेता कालू लाल गुर्जर के नेतृत्व में परिजनों के साथ बड़ी संख्या में सुरास गांव के लोग कलेक्ट्रेट पहुंच गए। इस दौरान राजू दरोगा की बड़ी बेटी अंजली ने कहा- प्रशासन ने चूड़ियां पहन रखी हैं। कोई मंत्री या नेता होता तो ये लोग क्या हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते? इनसे कुछ नहीं होगा। इन्हें चूड़ियां पहननी होंगी। मुझे पिस्टल लाकर दे दो, मैं बजरी माफिया का एनकाउंटर कर दूंगी। अंजली ने कहा- मेरे पिता को न्याय मिलना चाहिए। गोली मारना कोई छोटी बात नहीं है। योगी जैसे बनो, वो सीधे एनकाउंटर करवा देते हैं। ये (प्रशासन) कुछ नहीं कर सकते हैं। मेरी आवाज मोदी जी तक जानी चाहिए। उदयपुर रेंज आईजी अजय पाल लांबा ने कहा- मांडल थाने के सुरास गांव में शनिवार को हुए गोलीकांड की जांच एसआईटी द्वारा करेगी। गोली लगने से घायल वार्ड पंच का बेहतर केयर करने और बेहतर मेडिकल सुविधाओं के लिए अहमदाबाद रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत,भाई बोला- 'ये हत्या थी'

जोधपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सड़क हादसे में युवक की मौत के मामले में हत्या का संदेह जताया गया है। युवक के भाई ने मामले को प्री-प्लान तरीके बताया है। अब भाई ने जोधपुर ग्रामीण के चामू थाने में मामला दर्ज करवाया है। गांव ठाड़िया के रहने वाले डूंगरराम भील ने बताया कि उनका छोटा भाई दिनेश चचेरे भाई अशोक के साथ 25 जनवरी को बारनाउ बाइक पर गया था। भाई दिनेश को सड़क पर खड़ा करके अशोक अपने किसी काम से चला गया। उसके बाद अशोक ने फोन किया तो दिनेश का फोन किसी राहगीर ने उठाया। राहगीर ने बताया कि दिनेश रोड पर घायल अवस्था में पड़ा है। यहां से उसे चामू लाया गया, जहां से हालत ज्यादा गंभीर होने पर एंबुलेंस से जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लेकर आए। डॉक्टरों ने दिनेश को मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई ने संदेह जताया कि दिनेश की मौत साजिश के तहत सड़क दुर्घटना में करवाई गई।

टाइगर की झूठी अफवाह से ग्रामीणों में मचा हड़कंप

बहरोड़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बहरोड़ में टाइगर की सूचना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई थी कि बहरोड के सीआईएसफ सेंटर के पास टाइगर ने एक नीलगाय का शिकार किया है। जिसकी सूचना के बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मौके पर टाइगर होने जैसे कोई भी सबूत नहीं मिले हैं। वन्य कर्मी देवेंद्र ने बताया कि निम्भोर गांव के खेत में किसी जंगली जानवर ने नीलगाय का शिकार किया है। मौके पर टाइगर के पगमार्क नहीं है। नीलगाय के गर्दन पर दांतों के निशान है। जबकि उसे खाया नहीं गया। जो पगमार्क मिले हैं।, उनमें आगे बड़े-बड़े नाखुन हैं। पैर का साइज भी छोटा है। जो टाइगर के नहीं हो सकते।

गैंगस्टर सम्पत नेहरा प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

चूरू, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के पंखा रोड स्थित टाइल और सेनेटरी शोरूम में पिस्तौल की नोक पर लूट और रंगदारी के मामले में कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर संपत नेहरा को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस गैंगस्टर संपत नेहरा को भटिंडा की हाई सिक्योरिटी जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच चूरू लेकर पहुंची। डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में हथियारबंद जवानों के बीच गैंगस्टर संपत नेहरा का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया।

इमरजेंसी वार्ड के बाहरी परिसर को इस दौरान पुलिस ने खाली करवा दिया। चप्पे-चप्पे पर पुलिस और कमांडो तैनात किए गए। डॉक्टरों के मुताबिक संपत नेहरा का वाइटल नॉर्मल आया है। अब गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के लिए चूरू की अस्थाई जेल में रखा जाएगा।

चूरू डीएसपी जयप्रकाश अटल ने बताया कि चूरू के पंखा सर्किल स्थित मोयल सैनेटरी और टाइल्स शोरूम में 19 जनवरी 2022 को गन पॉइंट पर 10 हजार रुपए की लूट हुई थी।

बैंक से नोटों की गड्डी दिलवाने के नाम पर ठगी

ठग ने खुद को बताया बैंककर्मी, एक लाख रुपए लेकर दी धमकी

सीकर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बैंक से नोटों की गड्डी दिलवाने के नाम पर एक लाख की ठगी का मामला सामने आया है। बदमाश ने बस में मिले युवक को अपने झांसे में लिया और रुपए लेकर फरार हो गया। अब पीड़ित ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाया है। सीकर के चंदपुरा निवासी प्रभुदयाल ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि एक फरवरी को बस में सुरेश नाम का व्यक्ति मिला था। उसने बताया था- वह बैंक ऑफ बड़ौदा की बजरंग कांटा ब्रांच में नौकरी करता है। यदि किसी तरह की मदद चाहिए तो कांटेक्ट कर लेना। प्रभुदयाल ने बताया कि 19 फरवरी को उसकी भांजी की शादी है। ऐसे में नोटों की गड्डी की जरूरत थी। सुरेश ने प्रभुदयाल को कहा कि वह कल मैनेजर से बात करके उसे बताएगा। अगले दिन सुरेश ने प्रभुदयाल को फोन करके कहा कि शाम 5 बजे आप फतेहपुर रोड पर केएनजी हॉस्पिटल के पास गली की तरफ आ जाना। सुरेश ने प्रभुदयाल को बताया कि वहां उसके मामा का मकान है।

सार्वजनिक अपीलों का निपटारा निश्चित समय सीमा के भीतर किया जाए : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को प्रजावाणी में प्राप्त याचिकाओं को एक निश्चित समय के भीतर हल करने का निर्देश दिया है। मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी और कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों के व्यक्तिगत एवं सामाजिक अनुरोधों की गहनता से जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिये। जीएचएमसी के तहत प्रजावाणी कार्यक्रम के तहत आज 188 आवेदन प्राप्त हुए हैं। फोन-इन कार्यक्रम में 18 कॉल प्राप्त हुईं। आयोग ने चेतावनी दी कि याचिकाकर्ता को लिखित रूप में सूचित किया जाना चाहिए कि एक ही मुद्दे पर जनता से प्राप्त शिकायतों को हल करने में कितने दिन लगेंगे, और उसी मुद्दे पर आरजी दोबारा प्रस्तुत करने के मामले में संबंधित अधिकारियों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। लोगों से कहा गया है कि वे खर्चा करके मुख्यालय न आएं क्योंकि जनसुनवाई सर्कल और जोनल स्तर पर भी की जा रही है। कमिश्नर ने कहा कि जिनकी समस्या का समाधान मंडल जोनल स्तर पर नहीं हुआ है वे ही यहां आएं। इस अवसर पर बोलते हुए मेयर ने कहा कि प्रत्येक आवेदन को ऑनलाइन अपलोड करने और आवेदक के साथ संबंधित विभाग के एचओडी को संदेश भेजने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए. महापौर ने आयुक्त से अनुरोध किया कि वे मैदानी स्तर के अधिकारियों को हर सोमवार को होने वाली जनसुनवाई में रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने के निर्देश जारी करें कि अधिकारियों ने कितने समाधान किये हैं। मेयर ने अधिकारियों को शनिवार से पहले निस्तारित रिपोर्ट उन्हें सौंपने का निर्देश दिया।

नियमों को दरकिनार कर तैयार किए जा रहे नमकीन खाद्य पदार्थ

भूसे से निकलता धुआं घोंट रहा लोगों का दम

सिरपुर कागज नगर, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शादी और त्योहार के सीजन में मिठा व अन्य खाद्य पदार्थों के साथ नमकीन की मांग भी बढ़ गई है। बढ़ती मांग को देखते हुए शहर में चल रही कुछ नमकीन खाद्य पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्रियों में उत्पादन का काम तेज हो गया है। शहर में नमकीन खाद्य पदार्थ बनाने वाली ज्यादा फैक्ट्रियों में तैयार माल की पैकिंग कर विभिन्न नामों से बाजार में बेचा जा रहा है।

किंतु हैरानी की बात है कि इनमें से ज्यादातर फैक्ट्रियों में न तो स्वास्थ्य विभाग के नियमों को ध्यान रखा जाता है व न ही फायर सेफ्टी के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इसके चलते इन फैक्ट्रियों में बने खाद्य पदार्थ यहां लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकते हैं। वहीं शहर के रिहायशी क्षेत्रों में चल रही इन फैक्ट्रियों से संबंधित क्षेत्रों में आगजनी का खतरा बना रहता है। सूत्रों की मानें तो वर्तमान समय में सिरपुर कागज नगर में कापूवाडा के समीप नमकीन बनाने वाली फैक्ट्री चल रही हैं। इन फैक्ट्री में पूरा दिन आग की भट्टियां चलने के बावजूद ज्यादातर फैक्ट्री में फायर सेफ्टी के पुख्ता प्रबंध नहीं हैं। फैक्ट्री भी वहा रहने वाले लोगों खासकर स्कूल के बच्चों के लिए खतरा बनी हुई है। विभिन्न प्रकार के नमकीन तैयार करने के बाद इन्हें जमीन पर ही रख दिया जाता है जिससे इन पर चूहे इत्यादि मुंह मारते रहते हैं। इसके अलावा इन नमकीन पदार्थों की पैकिंग पर इनकी मैन्यूफैक्चरिंग व एक्सपायरी डेट के अलावा इनका बैच नंबर इत्यादि भी नहीं लिखा जाता। और फैक्ट्री में नमकीन बनाने के लिए गैस सिलेंडर की जगह लकड़ी के भूसे का उपयोग करते हैं जिसके कारण उसके धुएं से आसपास के लोगों का दम घुटने लगता है। कई बार लोगों ने इस समस्या को लेकर सिरपुर कागजनगर नगर पालिका को भी शिकायत की लेकिन उसे पर कारवाई नहीं की जाती है।

फूड सेफ्टी एक्ट के बावजूद नहीं हो रही कारवाई

लोगों को शुद्ध व मिलावट रहित खाद्य पदार्थ मुहैया करवाने के लिए देश में फूड सेफ्टी एक्ट बना हुआ है। एक्ट के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जाते हैं। सैंपल फेल होने पर संबंधित फर्म पर कारवाई का प्रावधान है। किंतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान न देने के कारण इन फैक्ट्रियों में नियमों को दरकिनार किया जाता है।

राष्ट्रीय कृमि दिवस को सफल बनाये : सांगवान

निर्मल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 12 तारीख को राष्ट्रीय कृमि दिवस के उपलक्ष्य में जिले के सभी सरकारी, निजी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छात्रों को ऑल बेंडोज़ल टैबलेट दी जाएगी।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने कहा कि 1 से 19 वर्ष के 1,91,713 बच्चों को गोलियाँ वितरित की जाएंगी। इसके तहत, स्कूल 1 से 2 साल के बच्चों को 200 मिलीग्राम (आधी गोली) और 2 से 9 साल के बच्चों को 400 मिलीग्राम (एक गोली) वितरित करेंगे।

उन्होंने कहा कि ये टैबलेट हर स्कूल और कॉलेज में दोपहर के भोजन के बाद सीधे छात्रों को दी जाएंगी। जिन लोगों ने 12 तारीख को गोलियां नहीं लीं, उन्हें 19 तारीख को दी जाएंगी। उन्होंने 12 तारीख को राष्ट्रीय कृमि दिवस को सफल बनाने को कहा। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता फैजान अहमद, जिला चिकित्सा पदाधिकारी धन राज, जिला पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

प्रजावाणी आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से किया जाए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में समस्याओं के समाधान के लिए लोगों द्वारा किए गए आवेदनों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारी कदम उठाएं। सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन सभाकक्ष में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये गये। कागजनगर शहर के अडागुट्टा सतीश कुमार ने एक आवेदन प्रस्तुत कर अनुरोध किया है कि उन्हें विकलांगता पेंशन प्राप्त हुई है और जब उन्होंने सदाराम प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया, तो इसकी पुष्टि 0 प्रतिशत के रूप में की गई। रेबेना और कागज नगर मंडल के कर्नादम सट्टाक्का और पीरसिंगुला शकुंतला ने एक आवेदन दायर कर अपने दादा-दादी से विरासत में मिली संपत्ति को उनकी जानकारी के बिना अन्य लोगों को बेचने की प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। सड़क गुडा गांव के शेख शकीला बी, वानकिडी मंडल ने निलंबित राशन कार्ड को फिर से शुरू करने और इंदिरम्मा हाउस के अनुदान की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। कौटाला मंडल के सदाशिवपेट गांव के सिदाम रामा राव ने एक आवेदन दायर कर दावा किया है कि उनके बेटों ने उनके नाम पर जमीन अवैध रूप से हासिल कर ली है और उन्हें अपने बेटों से जान का खतरा है, उन्होंने सुरक्षा और न्याय की मांग की है। कागज नगर कस्बे की वनितारानी ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें कहा गया है कि उसने अपनी डिग्री पूरी कर ली है और उसके पति के खराब स्वास्थ्य के कारण बच्चों का भरण-पोषण करना बोझ है और वह रोजगार की तलाश कर रही है। चिंताला मनेपल्ली मंडल के रानावल्ली गांव की एम. अस्मिना ने कहा कि वह 90 प्रतिशत मूक-बधिर विकलांगता से पीड़ित हैं, जबकि पेंचिकल पेटा मंडल के जंबाईगुड़ा गांव के चौधरी वेंकटेश की दाहिनी आंख में 100 प्रतिशत दृष्टि है, क्योंकि वह पहले 0 प्रतिशत के रूप में पंजीकृत था।उन्होंने अलग-अलग आवेदन जमा कर दावा किया है कि उन्हें नुकसान हो रहा है और उनसे प्रमाणपत्र जारी करने और उन्हें पेंशन देने का अनुरोध किया गया है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय को दो पेटेंट प्रदान किए गए

हैदराबाद ,5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के.सी. को एक पेटेंट प्रदान किया गया है। जेम्स राजू और वी सेशुबाई, स्कूल ऑफ फिजिक्स ने अपने छात्रों टी. अनिल और स्वरूप राजू को एक "मनमाने आकार के ढांकता हुआ अनुनादक तैयार करने की एक विधि" के आविष्कार के लिए शामिल किया। यह ज्यामिति की बाधा के बिना कम नुकसान वाले डाइलेक्ट्रिक्स के साथ 3डी माइक्रोवेव विकिरण संरचनाओं को साकार करने की एक तकनीक है। विकिरण पैटर्न भौतिकी के नियमों द्वारा शासित होते हैं और वर्तमान संचार आवश्यकताओं के लिए सभी प्रकार के विकिरण पैटर्न की आवश्यकता होती है। उपयुक्त ढांकता हुआ सामग्रियों के साथ 3डी ठोस संरचनाएं उस आवश्यकता को पूरा कर सकती हैं, बशर्ते ऐसी सामग्रियों को कुछ

वांछित ज्यामिति में आकार देने का कोई साधन हो जो अक्सर जटिल होते हैं। यह तकनीक उच्च तापमान वाले सिरेमिक को भी जेल कास्टिंग मार्ग के माध्यम से किसी भी 3डी ज्यामितीय संरचनाओं में आकार देने की अनुमति देती है।

वे उभरते संचार अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त लघु एंटेना को साकार करने में मदद करते हैं। एक और पेटेंट प्रोफेसर के.सी. को प्रदान किया गया है। कैसेस्ट,

स्कूल ऑफ फिजिक्स में जेम्स राजू और उनकी टीम ने एक आविष्कार के लिए "ट्यूनेबल माइक्रोवेव उपकरणों के लिए 300ज़C तापमान पर फेरोइलेक्ट्रिक पतली फिल्म को क्रिस्टलीकृत करने की लेजर आधारित विधि" यह एक लेजर-आधारित प्रक्रिया है जिसके द्वारा वे कुछ कार्यात्मक पतली फिल्मों के क्रिस्टलीकरण तापमान को कम कर सकते हैं। यह प्रक्रिया को अब तक निषिद्ध विभिन्न स्थितियों के अनुकूल बनाता है जो अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकियों के लिए महत्वपूर्ण माइक्रोवेव उपकरणों को साकार करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें इलेक्ट्रॉनिक रूप से संचार नेटवर्क को पुन: कॉन्फ़िगर करने के लिए ट्यून करने योग्य माइक्रोवेव उपकरणों की आवश्यकता होती है।

इनमें से कुछ उपकरण चुनिंदा सामग्रियों द्वारा उनके क्रिस्टलीय और पतली फिल्म रूप में प्रदर्शित कुछ अद्वितीय भौतिक गुणों का शोषण करके काम करते हैं।यदि वह तापमान अधिक है, तो उस कार्यात्मक सामग्री को उन सबस्ट्रेट्स के साथ एकीकृत नहीं किया जा सकता है जो उस तापमान का सामना नहीं कर सकते हैं। यहां एक लेजर-आधारित प्रक्रिया ने गैर-थर्मल मार्ग से क्रिस्टलीकरण प्राप्त करने में मदद की।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज कार्यकारिणी की वार्षिक समारोह समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद,5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के कार्यकारिणी की एक विशेष बैठक रविवार को समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में उनके निवासस्थान ई-54, शांडिल्य सार्त्रम, मधुरानगर में सम्पन्न हुआ।

समाज के महासचिव सुनील सिंह ने बताया कि बैठक में अध्यक्ष और महासचिव के अतिरिक्त सहसचिव पंकज कुमार, कोषाध्यक्ष प्रेम शंकर सिंह, रंजीत कुमार शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष सुजीत ठाकुर, गोविंद राय, पूर्व महासचिव इंद्रदेव प्रसाद सिंह, कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह,अमर सिंह, पंकज कुमार सिंह, मुकेश कुमार, मनोज शाही, विनोद राय, सुधा राय, डॉ आशा मिश्रा, गीतू शर्मा, प्रियंका सिंह, मीतु शर्मा, पूजा मिश्रा, राजेश मिश्रा, सुशील राय आदि उपस्थित हुए।

बैठक का मुख्य विषय समाज द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव की समीक्षा करना था। गत 26 जनवरी को सरोजिनी देवी हॉल रामकोट में समाज ने अपना 24वाँ वार्षिकोत्सव मनाया था। समारोह में ब्रह्मर्षियों की उपस्थिति पर चर्चा करते हुए बैठक में कार्यकारिणी ने संतोष व्यक्त किया साथ ही जो नहीं आ पाये उनके लिए खेद प्रकट किया।

मुख्य अतिथि दंडी स्वामी अनंतानंद सरस्वती जी की उपस्थिति समाज के लिए उपलब्धि रही। मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम सराहनीय रही और इसके नेतृत्व के लिये उपाध्यक्ष अनीता राय एवं उनकी टीम को बधाई दी गई।

अगले वर्ष समाज का 25वाँ वार्षिकोत्सव होगा अत: कार्यकारिणी ने इसकी योजना एवं आगामी कार्यक्रमों तथा मंदिर के रख रखाव हेतु भी चर्चा की।

पीएम विश्वकर्मा संयुक्त समिति की बैठक संपन्न

निर्मल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम विश्वकर्मा संयुक्त समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में जीएम इंडस्ट्रीज ने पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में बताया।

इस अवसर पर जिला प्रशासक ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगर पात्र हैं और 18 वर्ष से अधिक आयु के वे लोग जो एक परिवार में अपने पेशे में काम कर रहे हैं, आवेदन करने के पात्र हैं। इस योजना में 18 व्यवसाय हैं, सबसे पहले ग्राम पंचायत सचिव को ग्राम पंचायत को बोर्ड में शामिल करना होगा, उसके बाद वह इसकी जांच कर जिला स्तरीय समिति को भेजेंगे। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति द्वारा सत्यापन कर राज्य स्तरीय समिति को भेजा जायेगा। राज्य स्तरीय समिति योग्य आवेदन की पहचान करेगी और पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड जारी करेगी, जिसे अगले बैंक को भेजा जाएगा और उन्हें प्रति दिन 500 रुपये का वजीफा और टूल किट के लिए 15,000 रुपये दिए जाएंगे।

आरजीआईने एप्रोच रोड पर लागू की नई गति सीमा

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आंतर राष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों के एक बयान के अनुसार बुधवार 7 फरवरी से राजीव गांधी आंतर राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) शमशाबाद एप्रोच रोड पर नई गति सीमा लागू की जाएगी जो 80 किमी प्रति घंटा होगी।

सभी यात्रियों की सुरक्षा बढाने के लिए एप्रोच रोड पर एक स्वचालित गति प्रवर्तन प्रणाली स्थापित की गई है। इस गति सीमा की शुरूआत राज्य यातायात पुलिस के समन्वय से की गई है, और इसका उद्देश्य जिम्मेदार ड्राइविंग प्रथाओं को बढावा देना है। हवाई अड्डे की सलाह में सभी सडक उपयोग कर्ताओं की भलाई के लिए गति सीमा का पालन करने के महत्व प्रकाश डाला गया। अनुपालन न करने की स्थिति में ट्रैफिक पुलिस नियमों के अनुसार आर्थिक जुर्माना लगाएगी।

पत्रकारों ने की मकानों के लिए जगह की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आसिफाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पत्रकार जेएसी प्रभारी अब्दुल रहमान और रवि नाईक ने जिला कलेक्टर हेमंत बोरकडे को कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के पत्रकारों को घर के लिए जगह देने की मांग का ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने कलेक्टर से अनुरोध किया कि जिस तरह उन्होंने अन्य जिलों में पत्रकारों को मकान के लिए प्लॉट दिए हैं उसी तरह आसिफाबाद जिले में भी पत्रकारों को मकान के लिए प्लॉट दिए जाएं। बाद में उन्होंने बताया कि पिछले दिनों जिले में पत्रकारों के मुख्य आवासों की समस्या के समाधान के लिए जेएसी के तत्वावधान में बैठक की गयी थी। जिला कलेक्टर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और उन्होंने जिले के जन प्रतिनिधियों से आवास की समस्या को हल करने के लिए कडी मेहनत करने को कहा है। इस कार्यक्रम में पत्रकार जेएसी नेता प्रकाश गौड, वेणुगोपाल, तुकाराम, नरेंद्र, संतोष, कृष्णमराजू, स्वामी, अन्नाराव, अब्दुल हन्नान, अदापा सतीश, सोजर, चंदू, राधाकृष्ण चारी श्रीधर, राजू, नितेश और अन्य ने भाग लिया।

जामबाग विभाग के कोना बस्ती में नए जल पाईप लाईन का काम शुरू किया गया। भाजपा नगरसेवक राकेश अग्रवाल, प्रवीण बाबू, के रामकृष्ण, स्थानीय नेता सुधाकर, किशन, रोहित, अंजन, प्रशांत, रविंदर, वेंकटेश्वर राव इस अवसर पर उपस्थित थे।

आपदा एवं अग्निशमन विभाग का प्रदर्शन

निर्मल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशिष संगवान के तत्वावधान में राष्ट्रीय आपदा अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में एक प्रदर्शन का आयोजन किया।

जिसमें बताया गया कि आपदाओं के दौरान खुद को बचाने के साथ-साथ दूसरों को भी कैसे सुरक्षित रखा जाए।

अधिकारियों ने विस्तार से बताया की, डूबे हुए व्यक्ति को प्राथमिक उपचार कैसे दिया जाए और गैस रिसाव को कैसे रोका जाए।

इस अवसर पर 10 वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमांडर इंस्पेक्टर पिंटू नंदी ने कहा कि बाढ, तूफान, बडे भूकंप और सडक दुर्घटनाओं जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समय पर कारवाई कि जानी चाहिए।

इस कार्यक्रम में अपर कलेक्टर फैजान अहमद, जिला अधिकारी, एमपीडीओ, तहसीलदार, एनडीआर फायरमैन आदि ने भाग लिया।

ईवीएम का पहले दौर का निरीक्षण

निर्मल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी संसदीय चुनाव को ध्यान में रखते हुए सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का पहले दौर का निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने बताया कि पहले चरण की चेकिंग 5 से 14 फरवरी तक की जाएगी।

प्रथम स्तर की जांच सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मिशन समाहरणालय के पास स्थित गोदाम में शुरू की गई। आगामी संसदीय चुनावों के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सांगवान की देखरेख में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच की गई। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर किशोर कुमार, आरडीओ भैंसा कोमल रेड्डी, कांग्रेस से गजुला रवि, भाजपा से श्रवण रेड्डी, एमआईएम मजार, चुनाव अधीक्षक श्रीनिवास, राजस्व कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

नारसिंगी में जाट समाज के मुलाराम हुकमाराम अणदाराम का सम्मान किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना जाट समाज एकता मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्मारम ढाका, बाबूलाल भादु, भंवरलाल गोदारा, सुरेश राजपुरोहित, विजय पटेल, नारायण जाट, तेजाराम जाट, सुसील बाबल अन्य उपस्थित रहे।

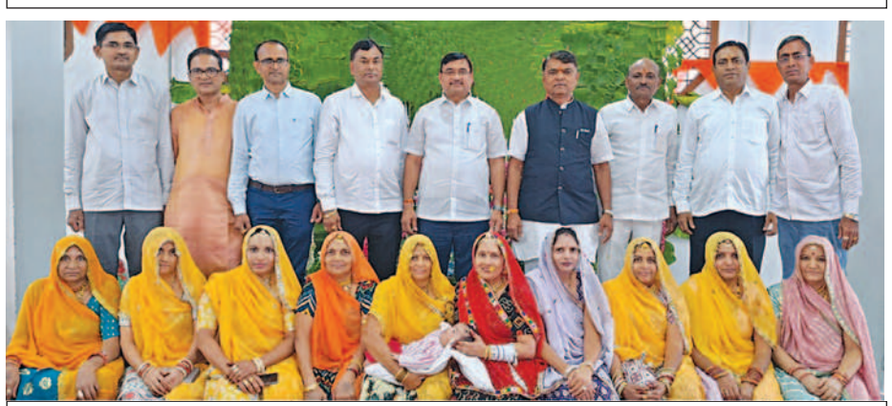

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में आगलेचा परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ताराचन्द-जयादेवी आगलेचा, निर्मल-सोनिया देवड़ा, क्रतव देवड़ा, सोहनलाल-भंवरीबाई, जसवन्तकुमार-सुशीलादेवी, महेन्द्रकुमार-सुशीलादेवी, ओमप्रकाश-सीतादेवी देवड़ा, सीरवी समाज महिला सचिव निर्मला देवड़ा, पुखराज आगलेचा, नरेन्द्र परिहार, मांगीलाल आगलेचा व अन्य।

सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र से अयोध्या में श्री राम लला के दर्शन हेतु पांच दिवसीय यात्रा के लिए आज आस्था स्पेशल रेलगाडी से भक्तों ने प्रस्थान किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस रेलगाडी को झंडा दिखाकर रवाना किया। इसमें भाग लेते भाजपा के पूर्व विधायक चिंतल रामचंद्र रेड्डी, गौतम राव, सतीश कुमार जाजू, सुरेश शर्मा, वाय कृष्ण, कामरेडी विधायक रामना रेड्डी, निजामाबाद विधायक, भाजपा के नेता प्रेमेंद्र रेड्डी, महिपाल रेड्डी एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

परिवारवाद का...

किसी परिवार के दो लोग तरक्की करें तो स्वागत है, 10 लोग तरक्की करें तो स्वागत है। लेकिन परिवार ही पार्टी चलाए। उसका बेटा ही अध्यक्ष बने, इसका विरोध होना चाहिए। कांग्रेस एक परिवार में उलझ गई। देश के करोड़ों परिवार की आकांक्षाएं और उपलब्धियां वे देख नहीं सकती।

पीएम ने कहा, हमारे काम की स्पीड और हमारा हौसला आज दुनिया देख रही है। उत्तर प्रदेश में एक कहावत है, नौ दिन चले अढाई कोस। ये कहावत कांग्रेस को परिभाषित करती है। कांग्रेस की सुस्त रफ्तार का कोई मुकाबला नहीं।

हमने गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए। शहरी गरीबों के लिए 80 लाख पक्के मकान बने। कांग्रेस की रफ्तार से ये घर बने होते तो 100 साल लगते इतना काम करने में। 5 पीढ़ियां गुजर जातीं। 10 साल में 40 हजार किलोमीटर रेलवे ट्रैक का इलेक्ट्रीकरण हुआ। कांग्रेस को 80 साल लगते, 4 पीढ़िया गुजर जातीं। 4 करोड़ गैस कनेक्शन दिए। कांग्रेस को 60 साल लगते, 3 पीढ़ियां गुजर जाती।

मोदी ने कहा कांग्रेस ने देश के सामर्थ्य पर कभी विश्वास नहीं किया। वे अपने आपको शासक मानते रहे। 15 अगस्त को लाल किले पर नेहरू ने कहा था, हिंदुस्तान में ज्यादा मेहनत करने की आदत आमतौर पर नहीं है। हम इतना काम नहीं करते जितना जापान, चीन, रूस, अमेरिका वाले करते हैं। इंदिरा जी की सोच भी उससे ज्यादा अलग नहीं थी। इंदिरा जी ने लाल किले से 15 अगस्त को कहा था, दुर्भाग्यवश हमारी आदत यह है कि जब कोई शुभ काम पूरा होने को होता है, तो हम आत्म-तृप्त हो जाते हैं, कठिनाई आने पर नाउम्मीद हो जाते हैं।

कविता को...

ईडी के वकील ने अदालत के ध्यान में लाया कि कविता को समन नहीं किया गया था और वह मुकदमे में नहीं आ रही थी। कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्होंने पिछली सुनवाई में कहा था कि समन जारी नहीं किया जाएगा। ईडी के वकील ने कहा कि यह एक बार तक ही सीमित है। हर बार नहीं। कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी के नोटिस गैरकानूनी हैं। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने साफ किया कि सभी मामलों पर 16 तारीख की सुनवाई में विचार किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने 106 रन से जीता विशाखापट्टनम टेस्ट

इंग्लैंड 292 पर सिमटा, अश्विन-बुमराह को 3 विकेट; यशस्वी का दोहरा शतक टर्निंग पॉइंट

विशाखापट्टनम, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने विशाखापट्टनम टेस्ट 106 रन से जीत लिया है। सोमवार को डॉ वायएस राजशेखर स्टेडियम में इंग्लैंड दूसरी पारी में 292 रन ही बना सका। टीम को 399 रन का टारगेट मिला था। भारत से रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 विकेट लिए। इसी के साथ अश्विन ने 499 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए।

भारत के लिए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल का दोहरा शतक टर्निंग पॉइंट रहा। उन्होंने 209 रन की पारी खेली और टीम को 396 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड दोनों पारियों में 300 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका। भारत से शुभमन गिल ने भी दूसरी पारी में शतक लगाया।

जसप्रीत बुमराह ने मैच में 9 विकेट लिए, उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेला था। बुमराह ने ही दूसरी पारी में इंग्लैंड का 10वां विकेट लिया। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ भारत ने 5 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। पहला टेस्ट इंग्लैंड ने 28 रन से जीता था।

शुक्रवार को विशाखापट्टनम में

भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 396 और इंग्लैंड ने 253 रन बनाए। दूसरी पारी में भारत ने 255 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने टॉम हार्टले को बोल्ड कर इंग्लैंड को ऑलआउट किया। हार्टले 47 बॉल में 36 रन बनाकर आउट हुए। बुमराह ने दूसरी पारी में 3 विकेट लिए। उन्होंने जॉनी बेयरस्टो और बेन फोक्स के अहम विकेट भी लिए। बुमराह ने पहली पारी में 6 विकेट लिए थे।

मुकेश कुमार ने शोएब बशीर को कॉट बिहाइंड कराया। बशीर खाता खोले बगैर 8 गेंदें खेलकर आउट हुए। मुकेश ने भारत में पहला ही टेस्ट विकेट लिया। उन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली थी।

जसप्रीत बुमराह ने बेन फोक्स का विकेट लेकर इंग्लैंड को 8वां झटका दिया। बुमराह ने 65वें ओवर की आखिरी बॉल पर फोक्स को कॉट & बोल्ड किया। फोक्स 69 बॉल पर 36 रन बनाकर आउट हुए। बुमराह ने इससे पहले जॉनी बेयरस्टो को भी एलबीडब्ल्यू किया था।

टॉम हार्टले और बेन फोक्स ने 8वें विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। हार्टले ने 64वें ओवर में मुकेश कुमार के खिलाफ सिंगल लेकर अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। टीम का 7वां विकेट 220 रन के स्कोर पर गिरा था।

इंग्लैंड ने 60 ओवर में 250 रन पूरे कर लिए। टॉम हार्टले ने कुलदीप यादव के खिलाफ चौका लगाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। उनके साथ बेन फोक्स भी क्रीज पर मौजूद रहे।

बेन स्टोक्स 11 रन के स्कोर पर रन आउट हो गए। 53वें ओवर की चौथी बॉल पर बेन फोक्स ने सिंगल लेना चाहा। लेकिन मिड-विकेट पर खड़े श्रेयस अय्यर ने तेजी से बॉल उठाई और डायरेक्ट थ्रो मार दिया। रिप्ले में दिखा कि स्टोक्स क्रीज से दूर हैं और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा।

इंग्लैंड ने 47वें ओवर में अपने 200 रन पूरे कर लिए। बेन फोक्स ने बुमराह के खिलाफ मिड-विकेट की दिशा में चौका लगाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। फोक्स के साथ कप्तान बेन स्टोक्स भी पिच पर मौजूद रहे।

इंग्लैंड ने 42.4 ओवर में 194/6 के स्कोर से दूसरे सेशन में खेलना शुरू किया। जसप्रीत बुमराह ने अपना ओवर कम्प्लीट किया और दोनों गेंदें डॉट कराईं। बेन फोक्स ने दोनों गेंदें खेलीं, उनके सामने कप्तान बेन स्टोक्स मौजूद रहे। रविचंद्रन अश्विन दूसरी पारी में 3 विकेट ले चुके हैं। वह भारत में 350 टेस्ट विकेट पूरे करने से महज 4 विकेट दूर हैं। उनके ओवरऑल टेस्ट करियर में भी 499 विकेट हो गए हैं, वह एक विकेट लेते ही 500 विकेट के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। अश्विन 4 विकेट लेते ही एशिया में भी 400 टेस्ट विकेट पूरे कर लेंगे। उनके नाम फिलहाल 396 विकेट हैं।

इंग्लैंड ने चौथे दिन के पहले सेशन में 5 विकेट गंवा दिए। टीम ने 67/1 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई थी। रेहान अहमद 23 रन बनाकर अक्षर पटेल का शिकार हुए। उनके विकेट के बाद भी इंग्लैंड ने अटैकिंग अप्रोच जारी रखा लेकिन इसी कारण टीम ने लगातार विकेट भी गंवा दिए।

ओली पोप 23, जो रूट 16 और जॉनी बेयरस्टो 26 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जैक क्रॉले दूसरी पारी में भी फिफ्टी बनाने के बाद 73 रन के स्कोर पर कुलदीप यादव का शिकार हुए। बेन स्टोक्स खाता खोले बगैर एक एंड पर नॉटआउट रहे। दूसरे सेशन में उनके साथ बेन फोक्स इंग्लैंड की पारी आगे बढ़ाएंगे।

सेशन में इंग्लैंड ने 127 रन बनाकर 5 विकेट गंवाए। टीम ने 26.4 ओवर बैटिंग की। भारत से रवि अश्विन ने 2 विकेट लिए। जबकि एक-एक विकेट अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को भी मिला।

क्रॉले के बाद जॉनी बेयरस्टो भी जसप्रीत बुमराह का शिकार हो गए। वह 36 बॉल में 25 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू हुए।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पीटी उषा बोलीं-

ओलंपिक की मेजबानी के लिए आईओसी से बात शुरू

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि 2036 के ओलंपिक और 2030 के यूथ ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन से बातचीत शुरू कर दी गई है। यह पहली बार है जब आईओए ने स्वीकार किया है कि ओलंपिक की बोली के लिए उसकी ओर से आईओसी से बातचीत शुरू की जा चुकी है।

सीईओ नहीं हटेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते वर्ष मुंबई में आयोजित आईओसी के सत्र में 2036 के ओलंपिक और यूथ ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जता चुके हैं। वहीं ओलंपिक के लिए आधिकारिक बोली आईओए की ओर से ही लगाई जानी है। उषा ने आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर की नियुक्ति का समर्थन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकारी समिति के विरोध के बावजूद वह इसे वापस नहीं लेंगी। उनकी नियुक्ति साफ-सुथरे तरीके से की गई है। उन्होंने कार्यभार संभाल लिया है और वह आगे भी कार्य जारी रखेंगे।

शुक्ला और राणा ने किया सम्मानित

इस मौके पर भारतीय खेल पत्रकार संघ और दिल्ली खेल पत्रकार संघ की ओर से पीटी उषा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। उन्हें स्वर्ण पदक बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और प्रमाण पत्र जाने-माने निशानेबाज जसपाल राणा ने प्रदान किया। विजय अमृतराज, प्रकाश पादुकोण, सुनील गावस्कर और मिल्खा सिंह के बाद वह यह अवॉर्ड प्राप्त करने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं।

रणजी ट्रॉफी : सर्विसेज ने हरियाणा को 1 रन से हराया

टूर्नामेंट में पहली बार कोई टीम इतने छोटे मार्जिन से जीती, पुलकित-अर्जुन को 5-5 विकेट

रोहतक, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी के 80 साल के इतिहास में सर्विसेज 1 रन के अंतर से मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी 2024 सीज़न में एलीट ग्रुप ए में सर्विसेज बनाम हरियाणा मैच के दौरान रिकॉर्ड बनाया। रोहतक में हरियाणा ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्विसेज ने 108 रन ही बना पाई। वहीं, हरियाणा 103 रन पर सिमट गई।

दूसरी पारी में, सर्विसेज ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया और 140 रन बनाए। जवाब में हरियाणा 146 रन का टारगेट चेज नहीं कर सका और 144 रन पर ऑलआउट हो गया।

सर्विसेज के कप्तान रजत पालीवाल ने 92 गेंदों पर 86 रन बनाए। वहीं, पुलकित नारंग और अर्जुन शर्मा ने 5-5 विकेट लिए।

मनीष पांडे ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए सूरत में रणजी

ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में रेलवे के खिलाफ कर्नाटक को एक विकेट से जीत दिलाई।

कर्नाटक ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। रेलवे ने पहली पारी में 155 रन बनाए। कर्नाटक 174 रन पर ऑलआउट हो गया। दसूरी पारी में रेलवे ने वापसी की और 244 रन बना कर 229 रन का टारगेट दिया।

आखिर में कर्नाटक ने 9 विकेट खोकर 229 रन बना लिए और मैच 1 विकेट से जीता।

दूसरी पारी में मनीश पांडे (67) और वासुकी कौशिक (1) रन बना कर नाबाद रहे।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में मुंबई ने बंगाल के पारी और 4 रन से हराया। बंगाल ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मुंबई ने बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 412 रन बनाए। सूर्यांश (71), कप्तान शिवम दुबे (72) और तनुष कोटियन ने 67 रन बना कर अर्धशतक जमाए।

जवाब में बंगाल पहली पारी में 199 रन पर ऑलआउट हो गया, जिससे मुंबई ने टीम को फॉलोअप दिया। पहली पारी में मोहित अवस्थी ने 3 विकेट लिए।

भारत ने पाकिस्तान को डेविस कप में 4-0 से हराया

दूसरे दिन भांबरी और माइनेनी ने मेंस डबल्स में जीता मुकाबला, पूनाचा सिंगल्स में जीते

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। डेविस कप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-0 से हराकर वर्ल्ड ग्रुप-1 में अपनी जगह पक्की की। युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने इस्लामाबाद में अपनी आसान जीत के साथ प्ले-ऑफ मुकाबले में टीम को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। इसके बाद निकी कालियांदा पूनाचा ने मेंस सिंगल्स में शोएब मुहम्मद को 3-6,4-6 से हराया।

भारत पहले दिन 2-0 की बढ़त बना चुका था। दूसरे दिन भांबरी और माइनेनी ने डबल्स मुकाबले में मुजम्मिल मुर्तजा और अकील खान को 6-2, 7-6(5) से हराया और 3-0 की अजेय बढ़त बना कर ग्रुप का मुकाबला जीत लिया।

पहले दिन रामनाथन और बालाजी ने दोनों सिंगल्स मुकाबले जीते थे।

भारतीय टीम क्वालिफाइंग ग्रुप में जाने के लिए सितंबर में वर्ल्ड ग्रुप-1 के मुकाबले खेलेगी। वर्ल्ड

ग्रुप 1 में मुकाबले 24 टीमों के बीच होम और अवे में होंगे। फरवरी 2024 में क्वालीफाइंग ग्रुप में हारने वाली 12 टीमें और वर्ल्ड ग्रुप I प्लेऑफ में जीतने वाली 12 विजेता टीमें इसमें हिस्सा लेंगी।

भारत का मैच अब सितंबर में होगा। क्वालिफाइंग ग्रुप में जाने के बाद मुकाबले जीतने वाली 12 टीमें डेविस कप का फाइनल खेलती है। इसमें कुल 16 टीमें होती है। 12 क्वालिफाइंग ग्रुप से, 2 वाइल्ड कार्ड टीम और 2 पिछले साल के फाइनलिस्ट।

पहले दिन भारत जीता 2 मैच

भारत ने पहले दिन पाकिस्तान पर 2-0 की बढ़त बनाई। इस्लामाबाद में भारत के लिए रामकुमार रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी, दोनों खिलाड़ियों ने अपने मैच जीते।

पहले दौर के मुकाबले में, भारत के सिंगल्स स्टार रामकुमार रामनाथन ने पाकिस्तान के अनुभवी ऐसाम-उल-हक कुरेशी को दो घंटे में 6-7, 7-6, 6-0 से हराया। वहीं, भारत के श्रीराम बालाजी ने एक घंटे 15 मिनट में अकील खान को 7-5, 6-3 से हराया।

आज डबल्स और रिवर्स सिंगल्स के मुकाबले खेले जाने थे, लेकिन डबल्स में भारत ने जीतकर बढ़त बना ली, जिससे रिवर्स सिंगल्स के मुकाबले नहीं हुए। रिवर्स सिंगल्स में पहले दिन के अपोनेंट स्वैप हो जाते है।

आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम ने 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब टीम इंडिया ने मेजबानों को 4-0 से हराया था।

डेविस कप की शुरुआत ओलिंपिक गेम्स शुरू होने के चार साल बाद, यानी की 1900 में हुई थी। इसे टेनिस का वर्ल्ड कप भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें 5-6 प्लेयर्स की पूरी टीम हिस्सा लेती है। टीमों के खिलाड़ियों बीच मुकाबलों के बाद मैचों में जीत के आधार पर एक देश को विजेता माना जाता हैं।

इस टूर्नामेंट में अब तक 16 टीमें चैंपियन बनी हैं। सबसे ज्यादा 32 खिताब अमेरिका ने जीते हैं।

डेविस कप 1966 में भारत उपविजेता रहा था। 1974 में भी उपविजेता रहे। इसके अलावा भारत 1987 में भी फाइनल तक पहुंचा था। तब हमें स्वीडन के खिलाफ हार मिली थी।

इंडिया-ए ने 134 रन से जीता तीसरा अनऑफिशियल टेस्ट

सीरीज 2-0 से अपने नाम की; मुलानी-सारांश ने मिलकर लिए 8 विकेट

अहमदाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। स्पिनर्स के दम पर इंडिया-ए ने तीसरे और आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट में इंग्लैंड लायंस को 134 रन से हराया। इस जीत से भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था और दूसरा मैच भारत ने पारी और 16 रन से जीता था।

अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस को जीत के लिए 320 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम आखिरी 8 विकेट खोकर 185 रन ही बना सकी और 268 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। लायंस ने 83/2 से दिन की शुरुआत की। इससे पहले, भारत ने दूसरी पारी में 409 रन बनाते हुए मेहमान टीम को 403 रन का असंभव सा

टारगेट दिया।

पहली पारी में इंडिया-ए ने 192 और लायंस ने 199 रन बनाए। लायंस को पहली पारी में 7 रन की बढ़त मिली। साई सुदर्शन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने भारत-ए की ओर से 117 रन की पारी खेली। मुंबई के बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी (60 रन देकर 5 विकेट) और मध्य प्रदेश के ऑफ स्पिनर सारांश जैन (50 रन देकर 3 विकेट) ने मिलकर 8 विकेट चटकाए।

लीस का अर्धशतक, टीम ने 20 रन के अंदर तीन विकेट गंवाए

इंग्लैंड लायंस के ओपनर एलेक्स लीस ने 41 रन से शुरुआत करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। वे अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मुलानी ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर दिया। लीस 55 रन बनाकर आउट हुए। तब इंग्लैंड का स्कोर 4 विकेट पर 120 रन था, लेकिन टीम ने 20 रन के अंदर तीन और विकेट गंवा दिए। इसके बाद लायंस का स्कोर 7 विकेट पर 140 रन हो गया। मुलानी ने कप्तान जोश बोहानन (18) और डैन मूस्ले (05) को चलता किया।

रॉबिन्सन और कोल्स ने जीत का इंतजार बढ़ाया

150 के अंदर 7 विकेट गंवाने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ओली रॉबिन्सन (80 रन) और जेम्स कोल्स (31 रन) ने इंडिया-ए की जीत का इंतजार बढ़ाया। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की और टीम को 200 पार पहुंचाया।

मुलानी ने कोल्स को एलबीडब्ल्यू कर दिया। फिर जैन ने रॉबिन्सन को पवेलियन भेजा और इंग्लैंड लायंस की पारी खत्म होते ही मैच जल्दी समाप्त हो गया।

पीसीबी और खिलाड़ी फिर आमने-सामने

प्लेयर्स विदेशी लीग की एनओसी का समय बढ़ाना चाह रहे; बोर्ड ने कहा- तय शेड्यूल पर लौटना होगा

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उसके खिलाड़ी एक बार फिर आमने-सामने हैं। इस बार विदेशी लीग में खेलने के लिए मिलने वाली एनओसी (अनापत्ति पत्र) पर मतभेद पैदा हो गया है। खिलाड़ी लीग में खेलने के लिए एनओसी का समय बढ़ाना चाह रहे हैं, जबकि बोर्ड इससे इंकार कर रहा है।

शोएब मलिक, मोहम्मद आमिर और शादाब खान सहित पाकिस्तान के कई क्रिकेटर आईएलटी 20, बीपीएल और एसए 20 जैसी विदेशी लीग में खेल रहे हैं, जबकि 17 फरवरी से पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत हो रही है।

4 महीने पाकिस्तानी खिलाड़ी अपनी फीस को लेकर बोर्ड के रवैए से नाराज थे। तब प्लेयर्स को 4 महीने तक सैलरी नहीं मिली थी। इससे नाराज कई खिलाड़ियों ने वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। पूरी खबर

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से दावा किया कि कुछ खिलाड़ी विदेशी लीग में खेलने के लिए बोर्ड द्वारा दी जाने वाली अनिरंतर एनओसी नीतियों के कारण नाराज हैं। कई पाकिस्तानी खिलाड़ी इस समय आईएलटी 20 और बांग्लादेश प्रीमियर लीग खेल रहे हैं।

इन खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड से एनओसी बढ़ाने का अनुरोध किया, ताकि वे 17 फरवरी से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा लेने के लिए स्वदेश लौट सकें। इस पर पाकिस्तानी बोर्ड ने खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया कि उनकी एनओसी नहीं बढ़ाई जाएगी और उन्हें अपने मूल कार्यक्रम के अनुसार ही लौटना पड़ेगा।

सूत्र ने बताया कि समस्या है कि खिलाड़ियों को अलग शर्तें और वापसी की तारीख दी गई हैं, जिससे समस्या पैदा हुई। ज्यादातर खिलाड़ियों को 7 फरवरी तक लौटना है। और कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो 11 फरवरी तक लौट सकते हैं और कुछ 16 फरवरी तक भी लौट सकते हैं। इससे खिलाड़ियों में नाराजगी बढ़ गई।

वर्ल्ड कप के बाद हटाया गया था कोचिंग स्टॉफ, कप्तान भी बदला

वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने कोचिंग स्टॉफ में बदलाव किया। इतना ही नहीं, बोर्ड ने अपने रेग्युलर कप्तान बाबर आजम से कप्तानी भी छीन ली थी।

बोर्ड ने पिछले महीने यासिर अराफत को अपना हाई परफॉर्मेंस कोच बनाया।

न्यूजीलैंड पहली पारी में 511 पर ऑलआउट

रचिन रवींद्र ने लगाया दोहरा शतक

माउंट मॅन्गानुई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की अनुभवहीन टीम कहीं भी टिकती नजर नहीं आ रही है। माउंट मॅन्गानुई के बे ओवल मैदान पर कीवी टीम पूरी तरह हावी हो चुकी है। सोमवार को पहले टेस्ट के दूसरे दिन तीसरे सेशन में न्यूजीलैंड 511 पर ऑल आउट हो गई। वहीं दिन का खेल खत्म होने तक साउथ अफ्रीका ने चार विकेट खोकर 80 रन बना लिए हैं।

न्यूजीलैंड से रचिन रवींद्र ने डबल सेंचुरी लगाई। वह 240 रन बनाकर आउट हुए। केन विलियमसन

ने भी शतक लगाया। वह 118 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका से कप्तान नील ब्रांड ने 6 और रुआन डे स्वार्ट ने 2 विकेट लिए। शेफो मोरेकी और डेन पैटरसन को एक-एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड के 511 रन के जवाब में साउथ अफ्रीका ने चार विकेट गंवा दिए हैं। टीम के एडवर्ड मूर 23 रन, नील ब्रांड 4, रेनार्ड वान टोन्डर 0 और जुबैर हमजा 22 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड की तरफ से काइल जैमिसन को दो सफलताएं मिलीं। मैट हेनरी और मिचेल सैंटनर को एक-एक विकेट मिला।

कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन अफगानिस्तान 199/1

इब्राहिम जादरान का शतक, टीम अब भी 42 रन पीछे; श्रीलंका ने 439 रन बनाए

कोलंबो, 5 फरवरी (एजेंसियां)। वनऑफ टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका 439 पर ऑलआउट हुआ और अफगानिस्तान ने दूसरी पारी की शुरुआत की। कोलंबो के एसएससी मैदान पर अफगानिस्तान ने दूसरे दिन स्टंप्स तक 1 विकेट पर 199 रन बनाए। इब्राहिम जादारान 101 रन और रहमत शाह 46 रन बना कर नाबाद है।

इससे पहले श्रीलंका पहली पारी में 439 पर ऑलआउट हो गया। तीसरे दिन टीम ने 410/6 के आगे खेलना शुरू किया था।

अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने टेस्ट करियर का पहला शतक जमाया. वे 101 रन बना कर नाबाद है। उन्होंने अपने करियर में 6 टेस्ट खेले हैं।

श्रीलंका के स्कोर में दूसरी पारी में बढ़त लेने उतरे

ओपनर इब्राहिम जादरान और नूर अली जादरान ने बीच शतकीय साझेदारी हुई। नूर अली जादरान ओपनर इब्राहिम जादरान के चाचा हैं। नूर अली अर्धशतक बनाने से चूक गए और 47 रन पर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके लगाए। उनका विकेट असिथा फर्नांडो ने लिया।

तीसरे दिन श्रीलंका ने 6 विकेट पर 410 रन के स्कोर के आगे खेल जारी किया। सदीरा समरविक्रमा 21 रन बना कर नाबाद थे, लेकिन यहां से टीम 29 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

समरविक्रमा 27 रन, प्रभात जयसूर्या 2 रन और असिथा फर्नांडो 0 रन बना कर आउट हुए। वहीं, चमिका गुनासेकरा 16 रन बना कर रिटायर्ड हर्ट हो गए। विश्वा फर्नांडो 2 बॉल खेलकर 0 रन पर नाबाद रहें।

'जय जय हे तेलंगाना' राज्य गान के रूप में प्रस्तावित

टीएस नहीं टीजी नाम परिवर्तन पर पोंगुलेटी ने दिया स्पष्टीकरण!

हैदराबाद,5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार नए-नए फैसले ले रही है। असाधारण रूप से, सीएम रेवंत ने अपना ब्रांड शासन जारी रखा है। आमतौर पर जब किसी भी राज्य में सरकारें बदलती हैं तो उनकी नीतियां और शासन शैली बदल जाती है। वह बदलाव कांग्रेस शासनकाल में भी दिखता है। प्रगति भवन का नाम पहले ही बदलकर प्रजा भवन कर दिया गया है। अब तेलंगाना राज्य का नाम बदल गया है। रेवंत सरकार ने कैबिनेट बैठक में अहम फैसला लेते हुए टीएस को अब से टीजी में बदल दिया है। दूसरी ओर, कैबिनेट ने अंदेश्री द्वारा लिखित गीत 'जय जय हे तेलंगाना' को तेलंगाना के राज्य गान के रूप में मंजूरी देते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। कैबिनेट ने राज्य का प्रतीक चिह्न बदलने का भी फैसला किया। तेलंगाना माता प्रतिमा मामले में बदलाव करने का फैसला लिया गया है। इन बदलावों को लेकर मंत्रियों ने खुलासा किया कि वे राज्य के सभी वर्गों की राय लेंगे और लोगों की इच्छा के मुताबिक बदलाव करेंगे।

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने राज्य का नाम टीएस से टीजी में बदलने के कारणों का खुलासा किया। खुलासा हुआ कि राज्य के गठन के बाद केंद्र सरकार ने गजट नोटिफिकेशन में तेलंगाना को टीजी के तौर पर मंजूरी दी थी। लेकिन केसीआर ने कहा कि यह केंद्र द्वारा जारी किया गया गजट नहीं है बल्कि इसका नाम बदलकर टीएस कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने तेलंगाना को टीजी के रूप में जारी रखने का फैसला किया है।

पोंगुलेटी ने खुलासा किया कि वाहन पंजीकरण के साथ-साथ टीजी भी होगी। तेलंगाना आंदोलन के दौरान भी राज्य का नाम टीजी ही इस्तेमाल किया गया था। विरोध प्रदर्शन के तहत सरकारी दफ्तरों के बोर्ड पर टीजी लिख दिया गया। लेकिन केसीआर सरकार ने तेलंगाना का नाम टीएस के तौर पर दर्ज कराने की पहल की। उस समय इसका विरोध भी हुआ था, लेकिन तत्कालीन सरकार के नेताओं ने समझाया कि 'टीजी' का मतलब एक शब्द तेलंगाना को दो भागों में बांटना है। टीएस का नाम बदलकर टीजी करने के सरकार के फैसले पर राज्य की जनता की क्या प्रतिक्रिया होगी, यह देखना दिलचस्प हो गया है।

दो और वादों को जल्द पहनाया जाएगा अमलीजामा

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार इस महीने की 8 तारीख से होने वाली बजट सत्र में घरेलू जरूरतों के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 500 रुपये का गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना लागू करने पर घोषणा कर सकती है। इस महीने की 8 तारीख से विधानसभा की बैठकें आयोजित करने और 10 तारीख को बजट पेश करने का निर्णय लिया गया है।

इन बैठकों में उपरोक्त दोनों गारंटियों के क्रियान्वयन की घोषणा की जायेगी। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा घोषित छह गारंटियों में आरोग्यश्री योजना की राशि 10 लाख रुपये तक बढाने और महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणआ की थी जिसे लागू भी कर दिया गया है। सत्ता में आने के 100 दिन के अंदर सभी छह को लागू करने के वादे के मुताबिक दो और वादे लागू किये जा सकते हैं। 10 को बजट पेश करने के बाद बजट बैठकें कितने दिनों की होंगी इसका फैसला बीएसी में होगा। आरटीसी बसों में अब तक 14.25 करोड़ महिलाएं मुफ्त यात्रा कर चुकी हैं। विपक्ष के मुंह पर ताला लगाने के लिए मुख्यमंत्री विधानसभा की बजट बैठकों में दो और घोषणाएं करेंगे।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण शुरू

हैदराबाद , 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना सरकार ने 5 फरवरी को भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए दो-सप्ताह का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीपी) शुरू किया। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक एवं विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए अर्थशास्त्र का गहन ज्ञान अपने आप में महत्वपूर्ण है, लेकिन अन्य प्रासंगिक विषयों का व्यापक ज्ञान समय की मांग है। अपने संबोधन को जारी रखते हुए, डॉ. गोयल ने कहा कि आईटीपी के एक भाग के रूप में, अधिकारियों को न केवल अर्थशास्त्र में बल्कि प्रबंधन, कानून, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, लोक प्रशासन, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत के संविधान जैसे विषयों में भी इनपुट से अवगत कराया जाएगा। डॉ. गोयल, "ग्राम विजिट, ट्रेक और फील्ड विजिट सहित विभिन्न विषयों का व्यापक अनुभव, आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए सुशासन से संबंधित मुद्दों को उनके वास्तविक और समग्र संदर्भ में समझने में काफी सहायक होगा।" भारत के पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद् और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के सदस्य प्रोफेसर टीसीए अनंत, ने सम्मानित अतिथि के रूप में कहा कि आईईएस अधिकारी भारत सरकार के लगभग सभी विंगों में काम करते हैं और कई पहलुओं से संबंधित महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करते हैं। प्रोफेसर अनंत ने कहा, "जैसा कि हम अमृत काल में प्रवेश करते हैं, आईईएस अधिकारी न केवल समाज के विभिन्न वर्गों की प्रमुख समस्याओं का पता लगाने में बल्कि उनके स्थायी समाधान खोजने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रोफेसर अनंत ने आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित डेटा, जैसा कि आज मौजूद है, और सरकार की पहल का प्रभाव भी सटीक, पूर्ण और सुसंगत है। उन्होंने कहा, "आईईएस अधिकारी, उच्च गुणवत्ता वाले डेटा प्रदान करके, सरकार के विभिन्न विंगों को सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाएंगे और इस तरह सभी हितधारकों का विश्वास बनाए रखेंगे।" उन्होंने आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं से अपने ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर, डॉ शशांक गोयल और प्रोफेसर टीसीए अनंत ने पाठ्यक्रम मैनुअल की एक प्रति जारी की। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. कंडाकुरी उषा रानी ने सभा का स्वागत किया और आईईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आईटीपी की मुख्य विशेषताओं के बारे में बात की। प्रोफेसर अब्बास अली ने उद्घाटन समारोह की कार्यवाही का संचालन किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

एससीआर का माल ढुलाई में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ज़ोन ने जनवरी 2024 में 13.122 मीट्रिक टन प्रारंभिक माल लदान हासिल की

हैदराबाद , 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के माल ढुलाई प्रदर्शन को अगले स्तर पर ले जाते हुए, ज़ोन ने जनवरी 2024 के दौरान माल ढुलाई खंड में अपना अब तक का सबसे अच्छा मासिक प्रदर्शन दर्ज किया। ज़ोन ने जनवरी 2024 के महीने के दौरान 131.22 मिलियन टन मूल लोडिंग हासिल की, जो सबसे अधिक है। कभी भी किसी भी महीने में इतनी लोडिंग दर्ज की गई। पिछला सर्वश्रेष्ठ मई 2023 के दौरान 12.517 मीट्रिक टन प्रारंभिक लोडिंग हासिल की गई थी। साथ ही, पिछले साल के इसी महीने यानी जनवरी 2023 की तुलना में माल ढुलाई लोडिंग में 77 की वृद्धि देखी गई है। लोडिंग में रिकॉर्ड प्रदर्शन का मिलान कमाई में भी प्रदर्शन से हुआ। एससीआर ने जनवरी 2024 के दौरान प्रारंभिक माल ढुलाई राजस्व में 1,296.73 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो इसकी स्थापना के बाद से माल ढुलाई खंड में अब तक की सबसे अधिक मासिक आय है। पिछला सर्वश्रेष्ठ दिसंबर 2022 के दौरान अर्जित 1,280.77 करोड़ रुपये का राजस्व था। इसी महीने में पिछले वर्ष की तुलना में, जनवरी 2024 में राजस्व 6.47 अधिक है। ज़ोन की प्रमुख लोडिंग कमोडिटी कोयले ने महीने के दौरान 6.497 मीट्रिक टन परिवहन के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया, जबकि सीमेंट लोडिंग 3.278 मीट्रिक टन रही है। एससीआर की समग्र माल ढुलाई में योगदान देने वाली अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं में खाद्यान्न (0.851 मीट्रिक टन), उर्वरक (0.851 मीट्रिक टन), लौह अयस्क (0.423 मीट्रिक टन), इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (0.375 मीट्रिक टन), कंटेनर (0.200 मीट्रिक टन) और अन्य माल (0.647 मीट्रिक टन) शामिल हैं।ज़ोन विभिन्न प्रकार की पहलों और विशेष उपायों को लागू करके अपने माल यातायात को मजबूत करने की दिशा में विशेष जोर दे रहा है। ज़ोन वैगनों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने, मालगाड़ियों की आवाजाही की निगरानी आदि के लिए सक्रिय तरीके से आगे बढ़ रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए परिचालन और वाणिज्यिक टीमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि ज़ोन द्वारा प्रमुख बुनियादी ढांचे के कार्यों के साथ-साथ संक्रांति स्पेशल, सबरीमाला स्पेशल आदि जैसी कई विशेष ट्रेनों के संचालन के बावजूद, यात्री और माल ढुलाई संचालन दोनों की सावधानीपूर्वक योजना के कारण यह शानदार उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी टीम सदस्यों के प्रयासों की सराहना की और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान माल ढुलाई क्षेत्र में रिकॉर्ड वार्षिक प्रदर्शन हासिल करने के लिए उसी गति को बनाए रखने की सलाह दी।

बीसी कल्याण के लिए 20 हजार करोड़ रुपये आवंटित करे सरकार : कविता

एमएलसी ने उप मुख्यमंत्री को दिखा पत्र

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता ने आज मांग की कि राज्य सरकार बीसी कल्याण विभाग के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करे। उन्होंने इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को एक पत्र लिखा और उनसे आगामी 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का आग्रह किया। अपने पत्र में, उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनाव घोषणापत्र में एक वादा शामिल किया था कि महात्मा ज्योतिराव फुले की बीसी उप-योजना को वैध बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने के बाद एमबीसी के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित करने के अलावा 1 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सभी जिला मुख्यालयों में 50 करोड़ रुपये की लागत से बीसी एकता भवन बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि इन फंडों को आवंटित करने से कांग्रेस द्वारा किया गया वादा पूरा होगा और उन्होंने कहा कि ये फंड बीसी को आगे विकसित करने में मदद करेंगे।

जीएचएमसी आयुक्त ने केबीआर पार्क का निरीक्षण किया

केबीआर पार्क का दौरा और निरीक्षण करते अधिकारी ।

हैदराबाद,5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी रोनाल्ड रोज़ ने जोनल कमिश्नर खैरताबाद रवि किरण और डॉ. सुनंदा अपर आयुक्त यूबीडी के साथ आज यहां केबीआर पार्क का दौरा और निरीक्षण किया।

आयुक्त ने पार्क में चल रहे विकास कार्यों और रखरखाव, जीर्णोद्धार कार्यों का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे असमान हिस्सों को विधिवत साफ करके उचित रास्ता बनाएं, जहां भी अंतराल हो वहां अधिक पेड़ लगाएं। वॉक वे के किनारे कोने वाले क्षेत्रों में विकसित किए गए थीम पार्क, हर्बल गार्डन, रॉक गार्डन, प्लमियर गार्डन और फ्रेगरेंस गार्डन आदि का भी निरीक्षण किया। आयुक्त ने वॉकर्स के लिए बैठने की जगह में सुधार करने का सुझाव दिया। कमिश्नर ने पार्किंग स्थलों पर बने फुटपाथ का निरीक्षण किया। आयुक्त अधिक विशिष्ट थे और उन्होंने केबीआर पार्क में टहलने वालों के लिए सौंदर्यशास्त्र और माहौल को बेहतर बनाने के लिए सभी कदम उठाने का निर्देश दिया। डिप्टी कमिश्नर प्रशांति, एस.ई. निरीक्षण के दौरान रत्नाकर और इंजीनियरिंग, यूबीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

खानापुर नगर पालिका कांग्रेस के खाते में

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जिले की खानापुर नगर पालिका कांग्रेस के खाते में शामिल हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने बीआरएस चेयरमैन राजेंद्र के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया। परिणामस्वरूप, खानापुर नगर पालिका कांग्रेस के नियंत्रण में आ गई।

खानपुर नगर पालिका में आज एक विशेष बैठक का आयोजन कर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का शक्ति परीक्षण किया गया। यह शक्ति परीक्षण आरडीओ रत्नाकुमारी की देखरेख में किया गया। परीक्षण में कुल 12 पार्षदों में से 9 पार्षदों ने बीआरएस अध्यक्ष के खिलाफ मतदान किया।

बीआरएस के चेयरमैन राजेंद्र और वाइस चेयरमैन खलील के खिलाफ बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी के 9 पार्षद एकजुट हो गए। परिणामस्वरूप, खानापुर नगर पालिका कांग्रेस के नियंत्रण में आ गई।

जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए : शशांक

जिला कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं की सुनवाई की

हैदराबाद , 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला जिला कलेक्टर शशांक ने संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम में उठाई गई समस्याओं को उच्च प्राथमिकता देने तथा शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम के तहत जिला कलेक्टर शशांक ने अतिरिक्त कलेक्टर भूपाल रेड्डी के साथ लोगों से अपनी समस्याएं व्यक्त करते हुए शिकायतें प्राप्त की। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि जिला अधिकारियों, मंडल अधिकारियों और नगर पालिका अधिकारियों को हर सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होने के निर्देश दिये गये हैं। प्रजावाणी कार्यक्रम में विभागों को प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्रजावाणी रजिस्टर संधारित करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि रजिस्टर में दर्ज करने से पता चल जाएगा कि कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, कितनी निस्तारित हुई हैं और कितनी लंबित हैं। उन्होंने कहा कि जनता से प्राप्त समस्याओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देकर उनका समाधान करने को प्राथमिकता दी जाय। जिला विभागों के अनुसार, प्रत्येक विभाग का सोशल मीडिया पर एक ट्विटर अकाउंट होना चाहिए। 6 फरवरी को ग्राम पंचायतों में नियुक्त विशेष अधिकारियों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि विशेष अधिकारियों के नेतृत्व में 7 से 14 फरवरी तक हर गांव में सैनिटाइजेशन अभियान चलेगा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की समय-समय पर समीक्षा कर उन्हें लंबित न रखते हुए समस्याओं का निराकरण करें। आज आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल (158) शिकायतें प्राप्त हुई हैं तथा सुझाव दिया गया है और कि इनके त्वरित निराकरण हेतु उचित कार्यवाही की जाये। कार्यक्रम में विभिन्न जिला अधिकारियों, समाहरणालय पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों आदि ने भाग लिया।

सीएम रेवंत रांची के लिए रवाना

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में भाग लेने के लिए झारखंड राज्य के रांची के लिए रवाना हुए। रेवंत रेड्डी यहां बेगमपेट हवाई अड्डे से एक विशेष उड़ान से रांची के लिए रवाना हुए।झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत जीत लिया, 47 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। इस बीच, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में नेताओं ने झारखंड में हालिया राजनीतिक स्थिति को सफलतापूर्वक संभाला है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और कांग्रेस के उनतीस विधायकों को भाजपा की खरीद-फरोख्त की रणनीति से बचने के लिए कुछ दिनों के लिए हैदराबाद के बाहरी इलाके में एक रिसॉर्ट में रखा गया था।

टीटीडी के तीन दिवसीय धार्मिक सदन का समापन

तिरुमाला, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यहां अस्ताना मंडपम में टीटीडी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक सदन सोमवार को संपन्न हुआ, जिसमें टीटीडी के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी ने विभिन्न मठों और हिंदू के श्रद्धेय स्वामीजी और माताजी की उपस्थिति में मीडिया के सामने प्रस्ताव प्रस्तुत किए। अपने प्रस्तावना में, टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड प्रमुख ने कहा, कई स्वामीजी की सर्वसम्मत राय पर विचार करते हुए, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः सम्मेलन की शोभा बढ़ाई, कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। तीन दिवसीय धार्मिक सम्मेलन के संकल्प इस प्रकार हैं: यदि किसी अन्य धार्मिक आस्था के लोग स्वेच्छा से हिंदू धर्म अपनाने के लिए आगे आए हैं, तो ऐसे व्यक्तियों का हिंदू जीवन शैली में स्वागत किया जाएगा, उन्हें सिखाए गए हिंदू रीति-रिवाजों, परंपराओं और प्रथाओं में प्रशिक्षित किया जाएगा। हिन्दू सनातन धर्म में. यह कार्यक्रम तिरुमाला में वेंकटेश्वर स्वामी के कमल चरणों में पवित्र जल छिड़कने के समारोह के साथ शुरू किया जाएगा। इतिहास और पुराणों का प्रचार इस प्रकार किया जाना चाहिए कि बच्चों से लेकर वयस्कों तक सभी वर्ग के लोग इसका सार आसानी से समझ सकें। इसके लिए धर्म प्रचारकों को प्रशिक्षित करने की जरूरत है। तीर्थयात्रियों को तिरुमाला के समान ही तिरुपति में भी आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होना चाहिए। सम्मेलन ने तदनुसार तिरूपति को बदलने का निर्णय लिया। कुछ जातियों के प्रति कुछ लोगों के भेदभावपूर्ण रवैये के कारण, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, धार्मिक रूपांतरण हुआ है। ऐसे धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए उचित उपायों की आवश्यकता है।

संजय जाजू ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव का पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद,5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । संजय जाजू ने आज सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया है। वह तेलंगाना कैडर से 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उनके कार्यभार संभालने पर निवर्तमान सचिव अपूर्व चंद्रा और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और विभिन्न मीडिया इकाइयों ने उनका स्वागत किया।

अपूर्व चंद्रा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव का कार्यभार सौंपा गया है। जाजू ने इससे पहले 2018 से 2023 तक भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और अक्टूबर 2014 से मार्च 2018 तक राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड के निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने मई 2011 से अक्टूबर 2014 तक आंध्र प्रदेश सरकार (इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और संचार विभाग) के सचिव के रूप में कार्य किया है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के नए विशेष आयुक्त ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एम. हनुमंत राव ने आज मासाब टैंक स्थित समाचार भवन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के नये विशेष आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया।

उन्होंने अशोक रेड्डी का स्थान लिया जिन्हें निदेशक बागवानी के रूप में स्थानांतरित किया गया था। बाद में नये आयुक्त ने विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और विभाग की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग सरकार द्वारा विशेष रूप से जमीनी स्तर पर उठाए गए विभिन्न कल्याण और विकास गतिविधियों पर जानकारी प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सचिवालय में ईओ विशेष सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क के रूप में भी कार्यभार संभाला।

इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक एफडीसी किशोर बाबू, अतिरिक्त निदेशक नागैया कांबले, संयुक्त निदेशक जगन, वेंकट रमना, वेंकटेश्वर राव, श्रीनिवास, सीआईई राधाकृष्ण, उप निदेशक, सहायक निदेशक और सीआईपीआर के कर्मचारी उपस्थित थे।

मेडारम में गुड़ मन्नत पर आयात प्रतिबंध

खरीदने के लिए आधार जरूरी

हैदराबाद,5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद विभाग ने मेडारम जतारा में गुड़ खरीदने वालों से आधार कार्ड जेरॉक्स लेना अनिवार्य कर दिया है। गुड़ खरीदने वालों को आधार कार्ड के साथ-साथ फोन नंबर, घर का पता और वे गुड़ क्यों खरीद रहे हैं, इसकी पूरी जानकारी के साथ हर दिन जिला अधिकारियों को एक रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया गया है। मेडारम मेले के दौरान प्रति माह 40 से 50 टन का कारोबार होता है। यहां गुड़ का परिवहन ज्यादातर महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से होता है। ऐसा अनुमान है कि मेडाराम जातरा के नाम से संयुक्त वारंगल जिले सहित लगभग एक हजार टन गुड़ का व्यापार होता होगा। ऐसा लगता है कि उत्पाद शुल्क विभाग ने गुड़ की बिक्री पर नजर रखी है क्योंकि वहां से गुड़ ले जाने की आशंका है। जैसे-जैसे मेला नजदीक आता था, आसपास के इलाकों से बड़ी मात्रा में गुड़ लाया जाता है और जगह-जगह थोक दुकानें लग जाती हैं। आरोप है कि शराब बनाने के लिए कुछ लोग भगवान के नाम गुड़ खरीदकर इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर गुड़ पकड़े जाने की घटनाएं भी इसका प्रमाण हैं। 25 दिसंबर को पुलिस ने नरसंपेटा-नेक्कोंडा रोड पर अमीन पेटा में 15 क्विंटल गुड़ जब्त किया। 9 जनवरी को दत्तपल्ली में 30 क्विंटल गुड़ और 50 किलो फिटकरी जब्त की गई और 10 जनवरी को मारीपेडा मंडल केंद्र से 17 क्विंटल गुड़ जब्त किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.